शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 109 | गुवाहाटी | शनिवार, 12 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यपाल से की मुलाकात पेज 3
सीमा पर जवानों के लिए 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने की प्रक्रिया शुरू पेज 4
वाराणसी, बलिया और चंदौली में बन रहे 15 जेटी से पर्यटन की संभावन बढ़ेगी पेज 5
साधु-संत-प्रदर्शनकारी बदमाशी करेंगे तो सरकार अपने तरीके से ... पेज 8

कश्मीर : पाक की तुलना में 16 गुना अधिक खर्च कर रहा भारत

वियना। पड़ोसी देश पाकिस्तान पीओके पर जितना खर्च करता है उसका 16 गुना ज्यादा भारत जम्मू कश्मीर पर खर्च कर रहा है। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अब इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की तुलना में कम से कम 16 गुना अधिक खर्च कर रहा है। कश्मीर सांस्कृतिक केंद्र (वियना) द्वारा ऑस्ट्रिया की एसपीओ (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी) के साथ इस मुद्दे पर एक सेमीनार आयोजित किया गया था। यह सेमीनार राठौस हॉल के अंदर *कश्मीर में सामाजिक-आर्थिक विकास-लोगों का परिप्रेक्ष्य* विषय पर आयोजित किया गया था। यहां मौजूद वक्ताओं ने दो कश्मीर के विकास की तुलना की और

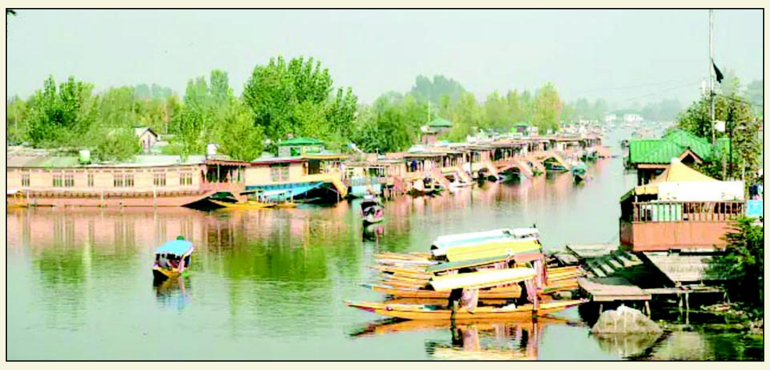

भारत के विकास कार्यों की सराहना की। वक्ताओं में कश्मीर सांस्कृतिक केंद्र, वियना के प्रमुख नईम खान, यूकेपीएनपी के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी, नासिर अजीज खान और साजिद हुसैन ने इस संगोष्ठी के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान से कहीं ज्यादा कश्मीर पर खर्च कर रहा है। नईम खान ने सेमीनार के दौरान भारत और पाकिस्तान के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास की तुलना की। उन्होंने कहा कि कश्मीर और पीओके के बजट को देखें तो ये अंतर कहीं ज्यादा नजर आता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा खर्च की गई राशि की तुलना में भारत कश्मीर पर कम से कम 16 गुना अधिक खर्च करता है। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि भारत पाकिस्तान की तुलना में शिक्षा पर 9 गुना अधिक खर्च करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले 2 वर्षों के दौरान, भारत सरकार का पूरा ध्यान जम्मू-कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक विकास पर रहा है। कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक ठोस ढांचागत बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी ने की पूर्वोत्तर में 1.6 लाख करोड़ की लागत वाली नई परियोजनाओं की घोषणा

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल 1.6 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली आगामी नई परियोजनाओं को मंजूरी देने की घोषणा की। असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा के समापन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में सड़कें, रोपवे, आरओबी, ब्रह्मपुत्र नद एवं अन्य जल निकायों पर बड़े पुल शामिल हैं। गडकरी ने कहा कि त्रिपुरा के उदयपुर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्बांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रुओं से अपने राज्य की पूर्ण रक्षा करें।

\- आचार्य चाणक्य

वाराणसी से असम तक गंगा-ब्रह्मपुत्र की लहरों से निकलेगा रास्ता

111 वॉटरवेज के जरिए हमारी यातायात व्यवस्था और दुरुस्त होगी : सर्वानंद

वाराणसी (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से देशवासियों में भरोसा जगा है। आज हम हर क्षेत्र में तरक्की कर रहे हैं। देश जनता की शक्ति को दोगुना बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने सशक्तिकरण के लिए जो दिशा दी है, जो विषय दिया है आज उसी के जरिए हम आगे बढ़ रहे हैं। पिछले आठ वर्षों विकास के पायदान पर हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शुक्रवार को बड़ालालपुर स्थित हस्तकला संकुल में भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से आयोजित दो दिवसीय -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चों को खिलाया गया छिपकली वाला खाना, दो सौ बीमार

भागलपुर। बिहार में भागलपुर के एक स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 200 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों ने खाने में छिपकली होने की शिकायत की तो टीचर ने पहले उन्हें डांटकर कहा कि छिपकली नहीं बैंगन है। जब बच्चों ने खाने से मना किया तो टीचर ने पीट-पीटकर उन्हें खाना खिलाया। मामला नवगछिया प्रखंड में मदत्तपुर गांव के मध्य विद्यालय का है। क्लास 6 की छात्रा शिवानी कुमारी ने बताया कि गुरुवार को मिड-डे-मील परोसा गया। आयुष नाम के एक छात्र की थाली से छिपकली मिली। वह जोर से चिल्लाया तो सभी बच्चे खाना छोड़ खड़े हो गए। इसकी जानकारी टीचर चितरंजन को मिली तो वह पहुंचे और थाली देखकर कहने लगे कि छिपकली नहीं बैंगन है। टीचर ने थाली से छिपकली निकाल दी और बोले कि चुपचाप खाना है तो खाओ नहीं तो घर जाकर खाओ। इसके बाद भी जब बच्चे नहीं खा रहे थे तो उन्होंने पीट-पीटकर खाना खिलाया। इसके बाद सभी को -शेष पृष्ठ दो पर

आरती हत्याकांड में एसपी और डीआईजी करें स्थलीय निरीक्षण : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। दरंग जिले के धूला में पिछले दिनों आरती तुरी नामक घरेलू काम करने वाली युवती की हत्या को लेकर लगातार हो रही गिरफ्तारियों पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने जनता भवन (असम सचिवालय) में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुझे सूचित किया गया कि धूला मामले में पुलिस की जांच अच्छी नहीं थी। इसके बाद मैं लड़की के घर गया। आरोपित ने स्वयं ही लड़की के गले से फंदे को हटाया दिया था। मेरे सवालों का जवाब पुलिस अधीक्षक ठीक से नहीं दे सके थे। सीआईडी में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया था। अब तक एसपी, एएसपी, थानाध्यक्ष, सर्किल अधिकारी और तीन अन्य को गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी जांच में नए पहलुओं के सामने आने की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि इस जांच प्रक्रिया की बात इसलिए की गई है, क्योंकि यह एक वैज्ञानिक जांच है। शव को कब्र से बाहर निकालकर इस तरह से दोबारा पोस्टमार्टम कराए जाने की घटना इस समय उल्लेखनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटना होने पर एसपी और डीआईजी को स्वयं ही मौके पर जाना होगा। एसपी को पिछले एक साल में हुई ऐसी घटनाओं की फिर से जांच करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर एसपी विफल होते हैं तो डीआईजी इसकी जांच करेंगे।

न्यूज गैलरी

राजीव गांधी हत्याकांड के छह आरोपी होंगे रिहा : एससी

नई दिल्ली। राजीव गांधी की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रही नलिनी और आरपी रविचंद्रन सहित छह आरोपियों को रिहा करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी रिहाई का आदेश देते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार ने पहले राज्यपाल को उनकी रिहाई की सिफारिश की थी। मई में एक और दोषी पेरारीवलन को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी मामला : शिवलिंग को संरक्षित रखने का आदेश बरकरार

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद मामले को लेकर शुक्रवार को अलग-अलग मामलों में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और जिला अदालत में सुनवाई हुई। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए अगले आदेश तक शिवलिंग को संरक्षित रखने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने हिंदू पक्षों को ज्ञानवापी विवाद पर दायर सभी मुकदमों को मजबूत करने के लिए वाराणसी जिला न्यायाधीश के समक्ष आवेदन करने की अनुमति दी। इसके साथ ही पीठ ने हिंदू पक्षों को एक सर्वेक्षण आयुक्त की नियुक्ति पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद की प्रबंधन समिति द्वारा दायर अपील पर तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया। आपको मालूम हो कि 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश द्वारा उस क्षेत्र की रक्षा करने का निर्देश दिया जहां शिवलिंग पाया गया था और नमाज के लिए मुसलमानों तक पहुंच प्रदान की गई थी। आज वाराणसी के ज्ञानवापी मामले का अहम दिन रहा। ज्ञानवापी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अगले आदेश तक शिवलिगं का संरक्षण जारी रखने का आदेश सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि शिवलिंग -शेष पृष्ठ दो पर

गांधीवादी मूल्य आज बहुत प्रासंगिक होते जा रहे : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गांधीवादी मूल्य आज बहुत प्रासंगिक होते जा रहे हैं। चाहे संघर्षों को समाप्त करना हो या फिर जलवायु संकट हो, गांधीजी के विचारों में आज की कई चुनौतियों का समाधान है। प्रधानमंत्री ने आज राज्यपाल एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में तमिलनाडु के डिंडीगुल में गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। दीक्षांत समारोह में 2018-19 और 2019-20 बैच के 2300 से अधिक छात्रों ने डिग्री प्राप्त की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान छात्रों से कहा कि महात्मा गांधी चाहते थे कि गांव आत्मनिर्भर बनें और ग्रामीण विकास की हमारी दृष्टि गांधी से ही प्रेरणा लेती है आत्मा गांव की- सुविधा शहर की। शहरी और ग्रामीण जीवन शैली के बीच अंतर हो -शेष पृष्ठ दो पर

पाक खालिस्तानियों के जरिए साजिश की फिराक में

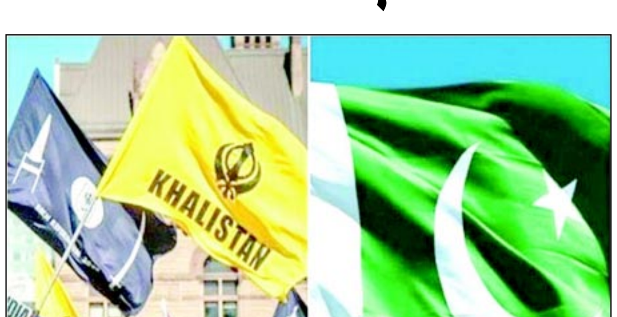

नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान की आईएसआई पंजाब समेत देश में अशांति फैलाने के लिए कनाडा को बेस के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। कनाडा में बैठे खालिस्तानियों और गैंगस्टर की मदद से पंजाब के टारगेट किलिंग की जा रही है। भारत लगातार कनाडा सरकार पर खालिस्तानी संगठनों के साथ साथ देश विरोधी तत्वों पर करवाई की मांग कर रही है, लेकिन कनाडा की सरकार इस मामले में हाथ पर हाथ धरे बैठी है। खालिस्तान रेफरेंडम को सफल बनाने के लिए खालिस्तानी फेसबुक, यू-ट्यूब के साथ-साथ मोबाइल ऐप की भी मदद ले रहे हैं। भारत सरकार ने रेफरेंडम से जुड़े मोबाइल ऐप को देश में बैन कर दिया है, लेकिन दुनिया के कई देशों में ये मोबाइल ऐप एक्टिव है, जिसके जरिए खालिस्तान का एजेंडा चलाया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे खालिस्तानी समर्थकों के जरिए भारत से पंजाब को अलग करने की साजिश में लगा हुआ है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई खालिस्तानी आतंकियों के साथ पाकिस्तान के लाहौर में कई बैठक कर चुकी है। पाकिस्तान ने दुनिया भर में मौजूद अपने दूतावासों और हाई कमीशन के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (असम) (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान प्लास्टिक के 25 छोटे छोटे कंटेनर में भर कर रखी गई 7.61 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जियारुल हक के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आग में 16 से अधिक दुकानें जलकर राख

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिला के दो माइल बाजार नामसाई में शुक्रवार की सुबह अचानक लगी आग में 16 से अधिक दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। इस हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति और सामान जल गया। हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हादसा आज तड़के 1.30 बजे के आसपास हुआ। आग में कुछ रसोई गैस के सिलेंडरों में विस्फोट हो गया, जिसकी वजह से आग ने और भी भयावह रूप ले लिया।

ट्विटर कर्मचारियों के लिए एलन मस्क का नया फरमान

80 घंटे काम, खाने-पीने की सुविधा बंद

नई दिल्ली। एलन मस्क के हाथों में कंपनी की कमान जाने के बाद से ही ट्विटर कर्मचारियों के लिए आए बुरे दिन कम होते नहीं दिख रहे हैं। अब एलन मस्क ने कुछ ऐसे फरमान जारी किए हैं, जो आने वाले दिनों में ट्विटर कर्मचारियों की मुश्किलें और बढ़ा सकते हैं। 44 अरब डॉलर में कंपनी को खरीदने के बाद ट्विटर कर्मचारियों को पहली बार संबोधित करते हुए एलन मस्क ने फर्म के दिवालिया होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि हमें फायदे की स्थिति में आने के लिए सप्ताह में 80 घंटे तक काम करना होगा। इसके अलावा ऑफिस में मुफ्त खाने जैसी सुविधाएं भी खत्म की जाएंगी। यही नहीं कोरोना काल में वर्क फ्रॉम होम जैसी जो सुविधा दी गई थी, उसे भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। एलन मस्क का कहना है कि जो भी ऑफिस नहीं आएगा, उसे लेकर यह मान लिया जाएगा

कि उसने इस्तीफा दे दिया है। एलन मस्क ने अपने संबोधन में कहा कि यदि कंपनी ज्यादा कैश नहीं जुटा पाती है तो फिर दिवालिया होने का भी खतरा पैदा हो सकता है। एलन मस्क ने ट्विटर की कमान संभालने के दो महीने के अंदर ही कई बड़े फैसले लिए हैं। वह आधी से ज्यादा वर्कफोर्स को नौकरी से बाहर कर चुके हैं। भारत में भी ट्विटर इंडिया के 90 फीसदी कर्मचारी नौकरी से हटाए जा चुके हैं। इन लोगों में ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल भी शामिल हैं। अन्य बकाया कर्मचारियों को उन्होंने ऑफिस आकर काम करने की नसीहत दी है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा कि एलन मस्क ने कर्मचारियों से कहा कि यदि आप ऑफिस नहीं आते हैं तो आपका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा। यही नहीं लोगों को नौकरी से हटाए जाने के सवाल पर एलन मस्क ने कहा कि हमें और मजबूत होना होगा। मस्क ने कहा कि हमें इस संकट से निपटने के लिए तत्काल 8 डॉलर सबस्क्रिप्शन फीस वाले प्लान पर आगे जाना होगा। जानकार मानते हैं कि कर्मचारियों से ज्यादा काम लेने और उन्हें प्रेरित करने के लिए उनकी ओर से आर्थिक संकट वाली बात कही गई है। वह यह संदेश देना चाहते हैं कि यदि लोगों ने गंभीरता के साथ काम नहीं किया तो फिर ट्विटर मुश्किल हालातों में होगा।

आबादी को लेकर यूएन ने भारत को चेताया

नई दिल्ली। दुनिया की जनसंख्या में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। जनसंख्या विस्फोट भी अब एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। इस बीच वैश्विक जनसंख्या जल्द ही एक नया और अनचाहा रिकॉर्ड बनाने जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल 15 नवंबर को विश्व की जनसंख्या 800 करोड़ तक पहुंच जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार 2030 में विश्व की जनसंख्या बढ़कर लगभग 850 करोड़ हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक जनसंख्या में अनुमानित आधे से अधिक वृद्धि केवल आठ देशों में केंद्रित होगी। हालांकि, एजेंसी ने यह भी कहा कि 1950 के बाद पहली बार 2020 में वैश्विक जनसंख्या वृद्धि एक प्रतिशत से नीचे गिर गई। यूएन ने इसी के साथ भारत को भी चेताया है और कहा है कि जल्द ही 2023 में चीन को पछाड़कर भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस पर जारी संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या संभावना 2022 में प्रक्षेपण का खुलासा किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक जनसंख्या में अनुमानित आधे से अधिक वृद्धि केवल आठ देशों में केंद्रित होगी, जिसमें भारत भी शामिल है। इसके अलावा कांगो, मिस्र, इथियोपिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और तंजानिया देश सूची में हैं। संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम अनुमानों के अनुसार विश्व की जनसंख्या में लगातार इजाफा देखने को मिलेगा। वर्ष 2030 में लगभग 850 करोड़ तो 2050 में 970 करोड़ और फिर 2080 में यह संख्या लगभग 1000 करोड़ के आंकड़े को पार कर देगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके चलते जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

जी20 शिखर सम्मेलन : पीएम मोदी करेंगे सुनक और मैक्रों से द्विपक्षीय मुलाकात

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के भारतवंशी पीएम ऋषि सुनक के बीच पहली शीर्षस्तरीय मुलाकात अगले हफ्ते बाली में होगी। बाली में दोनो नेता जी20 देशों की शीर्ष बैठक में हिस्सा

लेने के लिए इंडोनेशिया में होंगे। पीएम मोदी की ब्रिटिश पीएम के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक भी तय है। कुछ दूसरे राष्ट्राध्यक्षों के साथ भी पीएम की मुलाकात होगी। पीएम मोदी इन दोनो वैश्विक नेताओं के अलावा कुछ दूसरे देशों के नेताओं से भी मिलेंगे। इसको लेकर भारतीय विदेश मंत्रालयों की बातचीत दूसरे देशों के साथ हो रही है। पीएम मोदी 14 से 16 नवंबर तक बाली शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने बताया है कि भारत और ब्रिटेन के अधिकारियों के बीच मोदी और सुनक वार्ता को अंतिम रूप दिया जा चुका है। बाली में पीएम मोदी की होने वाली द्विपक्षीय वार्ताओं में यह सबसे महत्वपूर्ण होगा। यह पूछे जाने पर कि दोनो देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत होगी या नहीं इसके जबाव में सूत्रों ने बताया कि द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात होगी। सुनक के पीएम पद संभालने के बाद जो मोदी ने उनसे टेलीफोन पर बात की थी तब उसमें एफटीए को लेकर खास तौर पर बात हुई थी। दोनो नेताओं ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी थी कि उनके बीच समग्र व संतुलित एफटीए को लेकर सहमति बन गई है। मोदी और सुनक के बीच होने वाली इस मुलाकात में दोनो देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर तय रोडमैप 2030 की दिशा भी तय होने की संभावना है। इस रोडमैप की घोषणा मई, 2021 में मोदी और ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जानसन ने की थी लेकिन उसके बाद वहां लगातार राजनीतिक अस्थिरता होने की वजह से इस बार बात आगे नहीं बढ़ पाई है। यह भी संभव है कि पीएम मोदी अगले वर्ष भारत में होने वाली जी-20 बैठक में हिस्सा लेने के लिए सुनक समेत अन्य सभी वैश्विक नेताओं को आमंत्रित करेंगे। सुनक के अलावा पीएम मोदी की इमैनुएल मैक्रों से होने वाली मुलाकात को भी कूटनीतिक सर्किल में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फ्रांस ने एक दिन पहले ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी कूटनीति लागू की है, जिसमें भारत के साथ सहयोग को काफी महत्वपूर्ण बताया गया है। इनके बीच मई, 2022 में पेरिस के बीच अंतिम बैठक हुई थी। तब बताया गया था कि हिंद प्रशांत सहयोग को लेकर मोदी व मैक्रा में विमर्श हुआ है और इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी की इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विदोदो के साथ भी द्विपक्षीय मुलाकात तय है। मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुलाकात होगी या नहीं, इसको लेकर अभी कोई संकेत नहीं मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ मोदी की मई, 2022 में टोक्यो में बैठक हुई थी। उसके बाद दोनो देशों के बीच लगातार उच्चस्तरीय संपर्क बना हुआ है। सितंबर, 2022 में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका की यात्रा की थी, जबकि इसी हफ्ते विदेश सचिव अमेरिका गये थे।

तेजपुर एलजीबी कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

शोणितपुर (हिंस)। अब से कॉलेजों में हायर सेकेंडरी की कक्षाएं नहीं चलेंगी। हायर सेकेंडरी की पहली और अंतिम कक्षाएं हायर सेकेंडरी स्कूलों से अटैच की जाएंगी। राज्य सरकार स्कूलों के बाद कॉलेजों में नई शिक्षा नीति शुरू करने का निर्णय लिया है। राज्य में शिक्षण संस्थानों की पर्यावरणीय स्थिति का अध्ययन करने के बाद यह निर्णय लिया गया। असम सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार ननी गोपाल मोहंत ने शुक्रवार को शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालयों को काफी काम करना है। तेजपुर स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदलोई कॉलेज के सभागार में आज *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की समस्याएं और चुनौतियां* नामक एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए असम सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार ने कहा कि इस पर कॉलेजों से चर्चा की गई है और यह एक चुनौती है लेकिन इसका समाधान किया जाना चाहिए। बैठक का आयोजन तेजपुर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क एवं पत्रकारिता विभाग और अखिल असम कॉलेज प्राचार्य संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

पीएम आदर्श ग्राम में 25 लाख से बनेंगे कम्युनिटी सेंटर : प्रतिमा भौमिक

लखनऊ (हि.स.)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं दिव्यांगजन कल्याण से संबंधित योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई। इसमें प्रमुख रूप से समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) असीम अरुण, राज्य मंत्री एवं प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस

बैठक में उत्तर प्रदेश में भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही राज्य स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं एवं सुझावों के संबंध में विचार विमर्श किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति, पेंशन, अत्याचार उत्पीड़न में आर्थिक सहायता, नशा मुक्त भारत अभियान, अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शिक्षा के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय, अनुसूचित जाति छात्रावास इत्यादि योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। समाज कल्याण विभाग के अनुसूचित जाति छात्रावासों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव पर केंद्रीय योजना के तहत पांच लाख रुपए बढ़ाए जाने पर सहमित प्रदान की गई। अत्याचार उत्पीड़न योजना के तहत योजनाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार से 100 करोड़ की धनराशि प्राप्त होना अपेक्षित है। यह राशि समय से प्राप्त होने की स्थिति में उत्पीड़ित व्यक्तियों को समय से सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। राज्यमंत्री कु. प्रतिमा भौमिक ने बताया कि भारत सरकार के पास पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है। बजट की कमी नहीं होगी। इसी प्रकार नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चिन्हित 38 जनपदों को 10- 10 लाख की धनराशि प्रदान की गई है। इसका स्टेट एक्शन प्लान बनाकर बेहतर प्रयोग किया जाए। राज्य मंत्री द्वारा पीएम आदर्श ग्राम योजना में कम्युनिटी सेंटर बनवाए जाने के लिए 25 लाख प्रदान किए जाने एवं अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए सिंचाई,रोजगार इत्यादि के लिए लोन एवं अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों के विदेश में पढ़ाई के लिए नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। इसमें विदेश में रहने, पढ़ने, इत्यादि समस्त व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किए जाते हैं। दिव्यांग कल्याण की यूडीआईडी, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सुगम्य भारत अभियान इत्यादि के संचालन की समीक्षा की गई एवं समस्त प्रस्तावों पर समयान्तर्गत धनराशि उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया गया। साथ ही एडिप योजना के अंतर्गत समस्त जनपदों में परीक्षण शिविर आयोजित कर चिन्हित करने के निर्देश दिए जिससे दिव्यांगजनों को उपयोगी उपकरण मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र इत्यादि नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा सकें।

पृष्ठ एक का शेष

कश्मीर : पाक की तुलना ...

परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। वॉयस ऑफ वियना की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फलफूल रहा है और पिछले साल इसने पिछले दो दशकों में सबसे अधिक पर्यटकों की मेजबानी की। दोनों देशों की तुलना करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को भारत से सीखना होगा और कश्मीर के विकास पहलुओं पर काम करना होगा। यूकेपीएनपी के प्रवक्ता नासिर अजीज खान ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीरी आतंकवाद का समर्थन नहीं करते हैं और क्षेत्र में शांति और विकास चाहते हैं। खान ने कहा कि लेकिन पाकिस्तान सिर्फ इस बात पर ध्यान दे रहा है कि भारत में आतंक कैसे बढ़ाया जाए। उनके अनुसार, पाकिस्तान का दावा है कि पीओके एक स्वशासित राज्य है और संवैधानिक रूप से पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। लेकिन यह महज एक दिखावा है क्योंकि पीओके के सभी प्राकृतिक संसाधनों का आनंद पाकिस्तान के लोग लेते हैं, कश्मीरी नहीं। पाकिस्तान में कश्मीरियों की स्थिति दोयम दर्जे के नागरिकों की तरह है, जिनके पास न तो अधिकार हैं और न ही संसाधनों तक उनकी पहुंच है। यूकेपीएनपी के एक सदस्य साजिद हुसैन ने कहा कि आगामी स्थानीय सरकार के चुनावों में जो नवंबर 2022 में होने जा रहे हैं, जुल्फिकार हैदर राजा जैसे राष्ट्रवादी नेताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान में विलय के हलफनामे पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान दावा करता है कि पीओके एक स्वशासित राज्य है, पाकिस्तान के प्रांत का हिस्सा नहीं है। लेकिन फिर दूसरी तरफ वे हर चीज के लिए पाकिस्तान में विलय के हलफनामे पर हस्ताक्षर करने पर जोर क्यों दे रहे हैं। पीओके में यही हो रहा है। यह स्पष्ट रूप से कश्मीर पर पाकिस्तान द्वारा धकेले गए दोहरे मापदंड और झूठे आख्यान को सामने लाता है। वियना राज्य संसद के सदस्य और यूरोपीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों की राज्य समिति के अध्यक्ष पीटर फ्लोरियन्सचुट्ज, वियना राज्य संसद के सदस्य और शिक्षा, युवा, एकता एवं पारदर्शिता समिति के सदस्य सफाक एके, वियना राज्य संसद के पूर्व सदस्य सेनोल अकिलिक और एसपीओ पार्टी के अन्य सदस्यों ने वियना राज्य सरकार की सीट राठौस हॉल के अंदर इस सेमीनार में भाग लिया।

गडकरी ने की पूर्वोत्तर ...

और असम के सिलचर में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क भी प्रस्तावित किए गए हैं। गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम पूर्वोत्तर भारत में कनेक्टिविटी की कमी को पाटने और इस क्षेत्र में परिवहन के बुनियादी ढांचे को गति देने की दिशा में काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लगभग 50 वे-साइड सुविधाएं और 50 व्यू -पॉइंट भी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बार निर्माण पूरा हो जाने पर, इनसे पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र और अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा।

बच्चों को खिलाया...

उल्टियां होने लगीं। करीब 200 बच्चे बीमार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद धीरे-धीरे परिजन स्कूल पहुंचने लगे। सभी बच्चों को नवगछिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। जैसी ही बच्चों को उल्टियां होनीं शुरू हुईं तो स्कूल में मौजूद स्टाफ के हाथ-पैर फूल गए। बच्चों को इलाज के लिए ले जाने की जगह स्टाफ ने आनन-फानन में खाना फेंक दिया। खाना स्कूल के पास ही फेंका गया। ग्रामीण संजय कुमार के साथ बीडीओ गोपाल कृष्ण जांच के लिए पहुंचे। उन्होंने खाना फेंके जाने वाली जगह का मुआयना किया तो वहां मरी हुई छिपकली भी मिली। स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा कि खाने में छिपकली नहीं थी। मेन्यू में चावल, दाल, आलू-बैंगन की सब्जी थी। खाने में बैंगन का डंठल मिला था, छिपकली नहीं थी। घटना की सूचना पर नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में एसडीओ, एसडीपीओ, बीडीओ समेत कई अधिकारी पहुंचे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विजय कुमार झा ने बताया कि बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली है। किस कारण से बच्चे बीमार पड़े, इसकी जांच होगी। इसके बाद जो जवाबदेह होगा, उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ ग्रामीण कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। इधर, ग्रामीणों की मांग पर नवगछिया बीईओ विजय कुमार झा ने रसोइए को बर्खास्त और प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है। स्कूल के सभी शिक्षकों का तबादला दूसरे स्कूल में किया जा रहा है।

111 वॉटरवेज के ...

पीएम गति शक्ति मल्टीमॉडल जलमार्ग शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज अगर वॉटरवेज की बात करें तो में 111 वॉटरवेज हैं। जिसके जरिए हमारी यातायात व्यवस्था और दुरुस्त होगी। प्रधानमंत्री मोदी के विजन की बात करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम अब कई कदम आगे बढ़ चुके हैं। जलमार्ग शिखर सम्मेलन की चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए जो विशेषज्ञों की राय निकलकर सामने आएगी। उसके जरिए विकास को गति दी जाएगी। सम्मेलन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि गति शक्ति जैसा टूल्स किसी के पास नहीं है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे। तब गुजरात में ढांचागत विकास के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई। जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष, संजय बंदोपाध्याय ने कहा कि जेएमवीपी परियोजना के तहत वाराणसी से चार राज्यों में हल्दिया तक कार्गो और यात्रियों को ले जाने की योजना बनाई गई है। शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा से हमें इसके लिए एक योजना और कार्यान्वयन कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी। शिखर सम्मेलन में पहले दिन पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टरप्लान को डिकोड करने और औद्योगिक और वाणिज्यिक समूहों के लिए उन्नत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर पूर्ण सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। सम्मेलन के चर्चा सत्रों में राज्य और केंद्र सरकार के राजनीतिक नेतृत्व और शीर्ष नौकरशाहों, उद्योग के कप्तानों और क्षेत्र के विशेषज्ञों ने देश के रसद पारिस्थितिकी तंत्र में अंतर्देशीय जलमार्गों की भूमिका को मजबूत करने के लिए प्रासंगिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। अंतरराज्यीय मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को मजबूत करने, क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ाने, लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने और नदी क्रूज पर्यटन के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए सम्मेलन में विशेष रुप से चर्चा हुई। शिखर सम्मेलन में असम के लिए इलेक्ट्रिक-बैटरी चालित हाइब्रिड कटमरैन के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। सम्मेलन में बांग्लादेश के जहाजरानी राज्य मंत्री खालिद महमूद चौधरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सलाहकार डॉ तरुण कपूर, डॉ संजीव रंजन, सचिव, बंदरगाह मंत्रालय के अलावा नेपाल, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के कई प्रतिनिधियों ने भी विचार रखा।

ज्ञानवापी मामला : शिवलिंग ...

को कोई नहीं छुएगा। 20 मई को, शीर्ष अदालत ने हिंदू भक्तों द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) से वाराणसी के जिला न्यायाधीश को दायर एक दीवानी मुकदमे को जटिलताओं और मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानांतरित कर दिया था।

गांधीवादी मूल्य आज ...

सकता है, लेकिन असमानता नहीं। आज देश इस विभाजन को खत्म करने के लिए काम कर रहा है। ग्रामीण सड़कों का विकास किया जा रहा है और विकास लोगों के घर-द्वार तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सतत कृषि ग्रामीण क्षेत्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक खेती के लिए बहुत उत्साह है क्योंकि यह उर्वरक आयात पर देश की निर्भरता को कम करता है। यह मिट्टी और इंसानों के स्वास्थ्य दोनों के लिए भी अच्छा है। मोदी ने कहा कि खादी महात्मा के दिल के बहुत करीब रही और आज यह काफी लोकप्रिय हो गया है। पिछले 8 वर्षों में खादी की बिक्री में 300 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। केवीआईसी ने पिछले साल 1 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड कारोबार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि साथ ही गांधी जी के लिए उचित स्वच्छता सुनिश्चित करना एक बड़ी चिंता थी। इस दिशा में, हमारी सरकार ने पूर्ण ग्रामीण स्वच्छता कवरेज, 6 करोड़ से अधिक नल के पानी के कनेक्शन और 2.5 करोड़ से अधिक बिजली कनेक्शन प्रदान किए।

पाक खालिस्तानियों के ...

जरिये खालिस्तानी समर्थकों और आतंकियों को मदद करने के साथ-साथ उन्हें फंडिंग और हथियार भी मुहैया करा रही है, जिससे भारत में अशांति फैलाया जा सके। एक मीडिया रिपोर्ट में पुख्ता दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि खालिस्तानी संगठनों ने सैकड़ों की संख्या में फेक ट्विटर हैंडल बनाए हैं, जिनके जरिये खालिस्तान रेफरेंडम वाली साजिश रची जा रही है। सोशल मीडिया पर खालिस्तान के समर्थन वाले 1450 घोस्ट ट्विटर अकाउंट की जानकारी मिली है, जिनके फॉलोवर जीरो हैं। खालिस्तान से जुड़े हैशटैग को सोशल मीडिया पर ट्रेंड कराने के लिए ऐसे घोस्ट ट्विटर एकाउंट का सहारा खालिस्तानी ग्रुप लेते हैं। यही नहीं पिछले महीने 10 सितंबर से 10 अक्तूबर के बीच में खालिस्तान रेफरेंडम के समर्थन में 29032 ट्वीट किए गए, जिन्हें दुनिया भर में 7826 लोगों ने रिट्वीट किया था। साथ ही इसी महीने खालिस्तान के समर्थन में 334 नए ट्विटर अकाउंट भी बनाए गए हैं। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक खालिस्तान के एजेंडे को हवा देने के लिए पाकिस्तान की आईएसआई लगातार खालिस्तानी आतंकियों और उनके समर्थकों के संपर्क में हैं। जिन ट्विटर अकाउंट से खालिस्तान के समर्थन में ट्वीट किए गए उनमें से ज्यादातर ट्विटर एकाउंट से हिजाब बैन, पाकिस्तान सेना, कश्मीर से जुड़े हैशटैग वाले ट्वीट भी किए गए थे। जानकारी के मुताबिक खालिस्तान के समर्थन वाले ज्यादातर ट्विटर अकाउंट पाकिस्तान से ऑपरेट किए जा रहे हैं और कई खालिस्तानी ट्विटर एकाउंट को पाकिस्तान से ट्रेंड कराया जा रहा है। पाकिस्तान की आईएसआई कनाडा, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन में बैठे खालिस्तानियों को खुला समर्थन दे रही है। पाकिस्तानी सेना के कई रिटायर्ड अधिकारी लगातार खालिस्तान रेफरेंडम के समर्थन में अपने ट्विटर अकाउंट से पोस्ट कर रहे हैं। पंजाब और कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान ने बड़ी साजिश रची है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान की आईएसआई कश्मीर और खालिस्तानी आतंकियों को एक साथ मिलाकर भारत में आपनी आंतकी गतिविधियों को तेज करने को कहा है। विदेशों में रह रहे खालिस्तानी समर्थकों और कश्मीरी अलगावादियों को एक साथ जोड़ने की भी कोशिश की जा रही है। यूके, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन और दूतावासो के जरिये पाकिस्तान इन ग्रुप्स को मजबूत करने में लगा हुआ है। पाकिस्तान में रह रहे खालिस्तानी आतंकियों और कश्मीरी आतंकियों को प्लान के-2 के तहत जोड़ा जा रहा है। इसके लिए पाकिस्तान की आईएसआई ने इन आतंकियों के बीच कई राउंड की मीटिंग में करा चुकी है।

राजीव गांधी हत्याकांड...

रिहा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस आदेश में एस. नलिनी, जयकुमार, आरपी रविचंद्रन, रॉबर्ट पियास, सुथेंद्रराजा और श्रीहरन को रिहा कर दिया है। जेल में उनका आचरण अच्छा पाया गया और उन सभी ने जेल में रहने के दौरान विभिन्न डिग्रियां भी हासिल की थीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु कैबिनेट ने 9 सितंबर, 2018 को उनकी रिहाई की सिफारिश की थी और यह राय राज्यपाल के लिए बाध्यकारी होगी, जिनके समक्ष दोषियों ने माफी याचिका दायर की थी। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई 2022 को पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था, जिन्होंने 30 साल से अधिक जेल की सजा काट ली थी। बता दें कि राजीव गांधी की 21 मई, 1991 की रात को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसकी पहचान धनु के रूप में एक चुनावी रैली में हुई थी। इस मामले में कुल 41 लोगों को आरोपी बनाया गया था। 12 लोगों की मौत हो चुकी थी और तीन फरार हो गए थे। बाकी 26 पकड़े गए थे। इसमें श्रीलंकाई और भारतीय नागरिक थे।

स्वर्वेद भाष्य

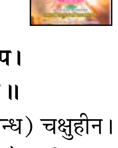

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

ज्ञान जिवन परकाश है, कर्म भक्ति का रूप।
ज्ञानहीन नर अन्ध है, परै महा भवकूप॥ 07॥

शब्दार्थ : (जिवन) प्राण (ज्ञान) वस्तु का यथार्थ बोध (अन्ध) चक्षुहीन।

भाष्य : ज्ञान जीवन का प्रकाश है, उसके द्वारा ही कर्म और भक्ति का स्वरूप जाना जाता है। ज्ञान से हीन अंधा-जीवन अपार संसार के धार में गिरकर नष्ट हो जाता है। ज्ञान से जीवन प्रकाशित हो, यथार्थ तत्व को जानकर मोह एवं शोक से रहित हो जाता है।

ज्ञान से मुक्ती होतु है, बन्ध विपर्यय्य होय।
दुर्लभ पर यय ज्ञान है, सद्गुरु से मिल सोय॥ 08॥

शब्दार्थ : (मुक्ती) मोक्ष (विपर्यय) अज्ञान।

भाष्य : ज्ञान से मुक्ति होती है और अज्ञान से बंधन होता है। यह दुर्लभ उत्कृष्ट ज्ञान सद्गुरु द्वारा प्राप्त होता है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यपाल से की मुलाकात

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर हुई चर्चा

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने असम के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन गुरुवार देर शाम को राजभवन में असम के राज्यपाल प्रो जगदीश मुखी से मुलाकात की और राज्य भर में की जा रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान मंत्री ने राज्यपाल को अपने मंत्रालय की परिवहन और व्यापार और व्यापार गतिविधियों को बढ़ावा देने और नदी क्षमता का दोहन करने के लिए ब्रह्मपुत्र का उपयोग करने की योजना के बारे में बताया। गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय राज्य में अत्याधुनिक ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र, ड्राइवरों के सिमुलेशन प्रशिक्षण आदि की स्थापना के लिए भी काम कर रहा है। मंत्री ने बांस और अन्य बॉयोमास से इथेनॉल और मेथनॉल की स्क्रैपिंग नीति और निर्माण के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांस का एक अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन और उत्पादन केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है। इसलिए, पूर्वोत्तर भारत विशेष रूप से असम के प्रचुर मात्रा में बांस और बेंत के संसाधनों का उपयोग करने के लिए बांस और बेंत आधारित उद्योगों को आगे बढ़ाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कृषि प्रसंस्करण पर विशेष रूप से पाइन सेब प्रसंस्करण पर भी जोर दिया, जिसमें एक बड़ी निर्यात क्षमता है। राज्यपाल ने मंत्री को सीमावर्ती क्षेत्रों के अपने दौरे और सीमा के बुनियादी ढांचे के अधिक से अधिक विकास की आवश्यकता के बारे में बताया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। बैठक में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने लॉजिस्टिक्स और अधिक कनेक्टिविटी के लिए पूर्वोत्तर भारत विशेष रूप से असम पर अधिक ध्यान दिया।

भारी मात्रा में विस्फोटक समेत दो व्यक्ति गिरफ्तार

चराईदेव (हिंस)। चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी से पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक समेत एक महिला समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाये गए अभियान के दौरान नगालैंड के भेरी मिजो नामक महिला को भारी मात्रा में विस्फोटक समेत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने महिला के पास से 4200 डिटोनेटर, 1372 प्लास्टिक फ्यूज, 300 मीटर वायर, नगद 51012 रुपए, 3 मोबाइल हैंडसेट जब्त किया है। गिरफ्तार महिला ने बताया कि जब्त की गई विस्फोटक को वह गुवाहाटी से सोनारी तक एक नाइट सुपर बस के जरिए लाई थी। जिसके बाद विस्फोटक से भरे 9 कार्टून को एक ऑटो रिक्शा के जरिए ले जा रही थी। इस मामले में ऑटो चालक आदम तांती को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार ऑटो चालक और महिला से सघन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला ने गुवाहाटी के किस स्थान से विस्फोटक को लाया था, तथा उसे कहां पर लो जा रही थी।

गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा ने शुरू किया ई-गेट्स

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी हवाईअड्डे से उड़ान भरने वाले हवाई यात्री अब सुरक्षा होल्डिंग क्षेत्र (एसएचए) में प्रवेश करने के लिए अपने टिकट और आइ प्रूफ की जांच करने के लिए प्रवेश द्वार पर कतार प्रणाली के माध्यम से सहजता से नेविगेट कर सकते हैं। यह पहल गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है, जो हवाई अड्डे पर एक सहज, सुसंगत और कागज रहित सेवा अनुभव प्रदान करेगा। इस सेवा में प्री-सिक्योरिटी होल्ड एरिया में क्यूआर कोड स्कैनर वाले ई-गेट लगाए गए हैं। वर्तमान में टर्मिनल में चार ई-गेट स्थापित किए गए हैं। सिक्योरिटी होल्डिंग एरिया के प्रवेश द्वार पर ई-गेट बोर्डिंग पास के क्यूआर कोड को कैप्चर करेगा। यह सिस्टम 12 नवंबर यानी शनिवार से उपयोग के लिए चालू हो जाएगा। इस प्रणाली के कई फायदे हैं। एयरलाइन के लिए टर्मिनल के अंदर यात्रियों का पता लगाना आसान होगा। इससे गुवाहाटी हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर होगा।

बुनियादी ढांचे के रखर-खाव के लिए कुछ ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। वाशिंग पिट के रखरखाव के लिए मध्य रेलवे के अधीन लोकमान्य तिलक टर्मिनस यार्ड पर ट्रैफिक ब्लॉक को देखते हुए निम्नलिखित ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के कामाख्या से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 22512 (कामाख्या-लोकमान्य तिलक टर्मिनस) कर्मभूमि एक्सप्रेस की संक्षिप्त यात्रा 12, 19, 26 नवंबर और 03 एवं 10 दिसंबर को ठाणे पर समाप्त होगी और ठाणे एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 22511 (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कामाख्या) कर्मभूमि एक्सप्रेस 15, 22, 29 नवंबर और 06 एवं 13 दिसंबर को लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बजाए ठाणे से रवाना होगी और लोकमान्य तिलक टर्मिनस एवं ठाणे के बीच रद्द रहेगी।

नकली नोट समेत पति- पत्नी चढ़े पुलिस के हत्थे

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के बिलासीपाड़ा इलाके से पुलिस ने नकली नोट के कारोबार में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बिलासीपाड़ा के काठालदी एक नंबर खंड गांव के अमेद अली के घर में चलाए गए अभियान के दौरान 1 लाख 40 हजार रुपए से अधिक के नकली नोट बरामद किया गया है। नकली नोट के कारोबार में शामिल जियाउर रहमान और आसानत नेशा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार पति- पत्नी से सघन पूछताछ कर रही है।

अपहरण मामले में दो और अपहर्ता गिरफ्तार

पुलिस मुठभेड़ में हुए थे दो अपहर्ता ढेर

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला के अपहृत दो युवकों को पुलिस ने अभियान चलाते हुए जहां सफलता पूर्वक छुड़ा लिया, वहीं दो अपहर्ता मुठभेड़ में ढेर हो गए। इस मामले में पुलिस ने दो और अपहर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मेघालय पुलिस ने बीती देर रात दो अपहर्ताओं सफिकुल इस्लाम और मजिबुल अली को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस और मेघालय पुलिस ने दोनों अपहृत युवकों को छुड़ाने के लिए गुरुवार को मेघालय के जंगली इलाके में अभियान चलाया था। पुलिस ने बताया है कि ग्वालपाड़ा पुलिस ने मेघालय पुलिस के सहयोग से गुरुवार को 17 वर्षीय अपहृत दोनों युवकों को सकुशल छुड़ा लिया है। मुठभेड़ के दौरान दो अपहर्ताओं की मौके पर ही मौत हो गई थी। मुठभेड़ में मारे गए अपहर्ताओं की पहचान जहरुल इस्लाम और मोकसेदुल रहमान के रूप में की गई है। पुलिस ने आज बताया कि 5 नवंबर को ग्वालपाड़ा जिला के लखीपुर गौरनगर हाई स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र अबू इलियास अहमद और गुवाहाटी के विकास चेतिया को शाहिनुर नामक युवक मेघालय घुमाने के लिए लेकर गया था। वहां पर शाहिनुर ने दोनों को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने के बाद उन्हें अपहर्ताओं के हाथों सौंप दिया। अपहर्ताओं ने दोनों युवकों के साथ मारपीट करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। दोनों को रिहा करने के बदले उसके परिवार वालों से 40 लाख रुपए की फिरौती की मांग अपहर्ताओं ने की। बातचीत के बाद फिरौती की रकम 25 लाख रुपए तय हुई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्वालपाड़ा पुलिस ने मेघालय पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को मेघालय के टिक्रिकिल्ला थानांतर्गत गापतली बामुनदांग के जंगली इलाके में अभियान चलाते हुए दोनों युवकों को सकुशल छुड़ा लिया। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो अपहर्ताओं की मौत हो गई। अभियान ग्वालपाड़ा जिला के उप पुलिस अधीक्षक अनुराग शर्मा, लखीपुर पुलिस थानाध्यक्ष भीमकांत पेगु और मेघालय के टिक्रिकिल्ला थाना के एसडीपीओ के नेतृत्व में मेघालय के पश्चिम गारो पहाड़ जिला के दुर्गम इलाके में चलाया गया था। पुलिस ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल, एक 9 एमएम की पिस्तौल, 41 जिंदा कारतूस और खाली 33 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं मुठभेड़ में मारे गए दोनों अपहर्ताओं के शवों को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिला के गेरुआकाबारी इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर पुलिस ने अभियान चलाकर दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान ड्रग्स समेत जहांगीर आलम (30) और रफीकुल इस्लाम (27) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार जहांगीर ग्वालपाड़ा जिला के खरबूज और रफीकुल ग्वालपाड़ा जिला के वीरसिंह हेलो चर (नदी के छाड़न वाले इलाके) का रहने वाले हैं। पुलिस ने तीन साबुनदानी में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में ड्रग्स, बाइक (एएस-18जे-6343) और दो मोबाइल फोन जब्त किया है।

कांग्रेस ने भारत के टुकड़े-टुकड़े कर दिए : मून स्वर्णकार

लखीमपुर (हिंस)। कांग्रेस ने भारत के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं। यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी की अनुचित जाति मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मून स्वर्णकार ने की है। लखीमपुर जिला के ढकुआखाना में भाजपा की ओर से शुक्रवार को ढकुआखाना भाजपा कार्यालय से भाजपा ढकुआखाना अनुसूचित जाति मोर्चा के सहयोग से गांव संपर्क रथ यात्रा निकाली गई। आजादी का अमृत महोत्सव के मद्देनजर पूरे देश के साथ ही असम में भी अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश ने ढकुआखाना कस्बे से होते हुए करीब 16 किमी की रथयात्रा आयोजित की गई, जिसमें भाजपा एससी मोर्चा की अध्यक्ष मून स्वर्णकर ने हिस्सा लिया। ज्ञात हो कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को वर्चुअली गांव संपर्क अभियान का शुभारंभ किया था। इसी कड़ी में असम प्रदेश भाजपा की अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। रथ यात्रा लखीमपुर जिला में पहुंची है। ग्राम संपर्क अभियान की रथयात्रा 11, 17, 19, 20 और 21 नवंबर को सादिया, धुबड़ी, मानकचार, डिमा हसाउ और बराकवैली में भी जाएगी।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इंडिया टूरिज्म का रोड शो

गुवाहाटी (हिंस)। इंडिया टूरिज्म द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक रोड शो का आयोजन किया गया। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी एवं पंजाब टूरिज्म की संयुक्त पहल पर शुक्रवार को गुवाहाटी के पलटन बाजार स्थित एक होटल में इस रोड शो का आयोजन किया गया। पर्यटन व्यवसाय को मजबूत करने के लिए असम पर्यटन एवं पंजाब पर्यटन के कुल 35 हितधारकों और अधिकारियों के साथ प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। रोड शो के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने पर पैनल चर्चा हुई। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से असम की ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों, वन क्षेत्रों, कृषि-भोजन, असम के सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। वहीं पंजाब के ऐतिहासिक स्थलों, कृषि भोजन आदि को फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर पंजाब पर्यटन के निदेशक कोर्नेश शर्मा, भारत पर्यटन गुवाहाटी के सह निदेशक ज्योतिर्मय विश्वास, असम सरकार के पर्यटन निदेशक एमन चौधरी, डॉ. अमिताभ दे के साथ कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और पंजाब के विभिन्न स्टॉक होल्डर भी उपस्थित थे।

रंगिया के विधायक ने विकासमूलक विभिन्न कार्यों का किया उद्घाटन

रंगिया (विभास)। रंगिया पौरसभा कार्यालय प्रांगण में पौरसभा के स्व-निधि द्वारा 10 लाख रुपए की लागत से निर्माण किए गया नवनिर्मित असम शैली के गृह का उद्घाटन रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। इस मौके पर अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि यह नवनिर्मित गृह के जरिए विभिन्न कामकाज, शिकायतों और समस्या आदि को लेकर रंगिया पौरसभा में आये शहर के निवासियों सहित व्यवसायियों और कर्मचारियों के विभिन्न कार्यों को पूरा करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए पौरसभा के कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और कुशलता से पालन करते रहें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नगर पालिका के कर्मचारी नए उत्साह के साथ विकासोन्मुख कार्य और संस्कृति का विकास करेंगे तथा रंगिया पौरसभा को एक गतिशील एवं जनकल्याणकारी कार्यालय के रूप में परिवर्तित करेंगे। वहीं दुसरी ओर विधायक कलिता ने आज सबका सपना, घर होगा अपना, के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरांचल, असम योजना के तहत रंगिया पौरसभा के अंतर्गत 7 नंबर वार्ड के निवासी एक लाभ्यार्थी के और वार्ड नं 6 के दो लाभ्यार्थी के नवनिर्मित घर का गृह प्रवेश समारोह में शामिल होकर इसका उद्घाटन किया। इसके अलावा विधायक कलिता ने आज रंगिया पौरसभा के अंतर्गत वार्ड नं 5 में वर्ष 2019-20 के चतुर्दश वित्तिय आयोग के नवनिर्मित पथ और साथ ही नवनिर्मित नाले का उद्घाटन कर लोकार्पण किया।

ताजदारे बगदाद कांफ्रेंस आज

गुवाहाटी (विभास)। देश के प्रख्यात धार्मिक विद्धान एवं कवि शायर प्रवचन देंगे, ज्ञात हो कि इस जलसे का आयोजन गुलामाने गौसो ख्वाजा व राजा सोसाईटी के तत्वावधान में किया जाता है! कोरोना महामारी के वजहों से इस प्रोग्राम को पीछले दो वर्षों से नहीं मनाई गई थी। इस लिए इस बार बहुत ही धूमधाम से इस बार जलसा मनाया जा रहा है। इस लिए आप हजरात से गुजारिश की इस महफिल में शामिल हो कर जलसे को कामयाब बनाए। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि - इस जलसे में हिंदुस्थान के कोने-कोने से मोकरिर, शायर, मौलाना व पीरे तरिकत शामिल हो रहे हैं। इस जलसे को सफल बनाने के लिए आठगांव कब्रिस्तान कमपाउंनड मस्जिद के इमाम साहब के अलावा गुवाहाटी के जानेमाने शायर अशहर गौहाटवी साहब मौजूद रहेंगे तथा जलसे का देख-रेख करेंगे-सेक्रेटरी म: इनामुल हक. प्रेसिडेंट म: अब्दुल हालिम व उपसभापति म: समशेर आलम (आजाद) कमेटी के सलाहकार मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि - जलसे की शोभा बढ़ाने के लिए बिहार के मुजफ्फर पुर से साउंड सिस्टम मंगाया गया है तथा भव्य पंडाल व अच्छी रौशनी का भी इन्तजाम किया गया है। इसके अलावा जलसे में आए सभी मेहमानों के लिए रात में लंगर का भी इंतजाम किया गया है। जलसे में तकरिरें होने के बाद देश व दुनियां में अमन-चैन व शांति तथा भाईचारा बनी रहे उसके लिए दुआएं की जाएगी उसके बाद समारोह को संपन्न किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में 1 की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुला के लोहारकाटा मदलाबाड़ी इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बाइक (एएस-01 ईएल-5653) के साथ अन्य एक वाहन (एएस-01एबी-9077) की आमने-सामने की टक्कर में 5 लोग घायल हो जबकि एक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अनास अली की के रूप में की गई है । गंभीर रूप से घायल अन्य वाहन के चार लोग खैरुन्निसा, मीर हुसैन, रिंकू अली और मुनिया बेगम को गंभीर अवस्था में आदाबारी महात्मा गांधी आदर्श चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

महानगर में *ला मैसन सिट्रोएन* शोरूम का शुभारंभ

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के बाजार में सिट्रोएन इंडिया ने कदम रखते हुए गुवाहाटी में अपने पहले शोरूम का शुभारंभ किया। महानगर के लालमाटी के बेहारबाड़ी स्थित शिवशक्ति काम्पाउंड में *ला मैसन सिट्रोएन* नामक फिजिटल शोरूम का उद्घाटन सिट्रोएन इंडिया के ब्रांड हेड सौरभ वत्स ने किया। इस मौके पर *ला मैसन सिट्रोएन* डीलर प्रिंसिपल ऋषभ हिम्मतसिंग्का सहित कई गणमान्य लोग उपस्थिति थे। नई डीलरशिप राष्ट्रीय राजमार्ग के वाणिज्यिक क्षेत्र में स्थित है, जिससे नई कार खरीदने वाले ग्राहक आसानी से पहुंच सकते हैं। शोरूम में न्यू सी5 एयरक्रॉस एसयूवी और न्यू सी3 की खुदरा बिक्री के अलावा, डिजिटल शोरूम बिक्री के बाद सेवाओं के साथ-साथ डिजिटल खरीदारी अनुभव भी प्रदान करेगा। न्यू सी3 की शुरुआती कीमत 5.88 लाख (एक्स शोरूम प्राइस) तथा न्यू सी5 एयरक्रॉस एसयूवी की कीमत 36.67 लाख (एक्स शोरूम प्राइस) हैं। इस मौके पर सिट्रोएन इंडिया के ब्रांड हेड सौरभ वत्स ने कहा कि हम असम और पूर्वोत्तर बाजार में ग्राहकों का स्वागत करने और उन्हें अपने रोमांचक उत्पादों न्यू सी3 और न्यू सी5 एयरक्रॉस एसयूवी से परिचित कराने के लिए उत्सुक हैं। *ला मैसन सिट्रोएन फिजिटल* खुदरा अवधारणा ग्राहकों को सिट्रोएन ब्रांड के उत्पादों और सेवाओं को मूल रूप से अनुभव प्रदान करेगा। इसमें न केवल कारें बल्कि मर्चेंडाइज के साथ-साथ वाहन का अनुकूलन भी शामिल है। सिट्रोएन वर्ष के अंत तक अपने *ला मैसन सिट्रोएन फिजिटल* नेटवर्क को 21 से 30 शहरों तक वृद्धि करेगा। इस दौरान ला मैसन सिट्रोएन गुवाहाटी के डीलर प्रिंसिपल ऋषभ हिम्मतसिंग्का ने कहा कि सिट्रोएन आराम और डिजिटल इनोवेशन है। हम अपने ला मैसन सिट्रोएन डिजिटल शोरूम के माध्यम से भारतीय कार उपभोक्ताओं में एक क्रांति लाने में सक्षम होंगे। गुवाहाटी शोरूम में कई स्क्रीन होंगी, जो एटुवाडेक अनुभव (एनी टाइम, एनी वेयर, एनी डिवाइस, एनी कंटेंट) और एक अद्वितीय हाई-डेफिनिशन 3डी कॉन्फिगरेटर की शुरुआत करेगी, जो ग्राहकों को अपने उत्पाद और सेवाओं का अनुभव और वैयक्तिकृत करने में मददगार साबित होगा। ला'टेलियर सिट्रोएन नामक वर्कशॉप में गाड़ियों की बिक्री के बाद ग्राहकों के कारों की नवीन देखभाल और रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा गुवाहाटी में सिट्रोएन कार मालिकों के पास वर्चुअल रिमोट डायग्नोस्टिक्स, जैनविन स्पेयर पार्ट्स की 24 घंटे के भीतर उपलब्धता, 180 मिनट की आरएसए गारंटी आदि जैसी सेवाओं उपलब्ध होगी। ला'टेलियर सिट्रोएन कभी भी कहीं भी पहुंच कर पिकअप और ड्रॉप सेवाएं देने का आश्वासन देता है। उन्होंने आशा जताई की सिट्रोएन के इस नए शोरूम के खुलने से पूर्वोत्तर के लोगों को ऑटो सेक्टर में कुछ नया अनुभव मिलेगा।

महानगर स्थित टोकोबाड़ी नामघर गली में लगी आग से अफरा-तफरी

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार के चार नंबर रेल गेट और एटी रोड के बीच टोकोबाडी नाम घर गली में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शाम 6,30 बजे के करीब एक तंग गली में सबसे पीछे स्थित एक तीन मंजिला बिल्डिंग के एक कमरे में आग लगी। इसी कमरे के ऊपर छत पर टीन के छोटे-छोटे कच्चे क्वार्टर भी बने हुए थे। कमरे में भयंकर सिलेंडर का विस्फोट भी हुआ। घटनास्थल पर तुरंत दमकल की तीन गाड़ियां पहुंच कर आग बुझाने में लग गई। करीबन एक घंटे की मशक्कत के पश्चात आग पर काबू पाया जा सका। आग में तीन मंजिला मकान के कई कमरों में काफी क्षति हुई है। खिड़कियों के शीशे टूट कर जहां-जहां बिखर गए। छत पर तीन के कमरे भी पानी की बौछार से तहस नहस हो गए। गली में सबसे पीछे होने की वजह से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

No. B/GFM/Vehicle/NIT/ 5454

NOTICE INVITING E-TENDER FOR SALE OF CONFISCATED VEHICLES UNDER KAMRUP WEST DIVISION, BAMUNIGAON

This is for general information to all concerned that 63 No. of Confiscated vehicles which have been kept in various Range/Beat/Depot under Kamrup West Division, Bamunigaon are intended to be sold by e-tender as per “DFP Rule 1999”.

The details of E-Tender will be available on https://assamforestonline.in portal from 14.11.2022 (12.00PM) to 04.12.2022 (5.00PM).

NOTE:

1. The Contractors / Bidders must be registered with https://assamforestonline.in/ for participating in the bidding process. The Bidding document may be downloaded through the portal https://assamforestonline.in/ by using their own user ID.
2. Online submission of Bid is mandatory. Manual submission of bid will not be considered. Bidders are to be submitting the required papers for e-auction by scanning and uploading the same.
3. The bidder shall submit the cost of the tender processing fee and the earnest money deposit through online in the portal.

(Smti. Dimpi Bora, IFS)
Divisional Forest Officer,
Kamrup West Division,
Bamunigaon.

-- Janasanyog /C/ 13906 / 22

सीमा पर जवानों के लिए 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने की प्रक्रिया शुरू

- रक्षा मंत्रालय ने 'मेक इन इंडिया' के तहत बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने के लिए जारी किया टेंडर

- गोला-बारूद और 10 मीटर की दूरी से दागी गई स्टील की गोलियों से बचाएंगी बुलेटप्रूफ जैकेट्स

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना सीमा पर तैनात जवानों के लिए 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने जा रही है। इसके लिए सेना ने टेंडर भी जारी कर दिया है। यह जैकेट अग्रिम पंक्ति के सैनिकों को 7.62 मिमी. गोलियों के साथ-साथ निकट सीमा से दागी गई स्टील कोर गोलियों से बचाने में सक्षम होंगी। यह खरीद प्रक्रिया 2 साल के भीतर पूरी की जाएगी। गोला-बारूद से सुरक्षा करने वाली बुलेटप्रूफ जैकेट्स का वजन 10 किलोग्राम से कम और स्टील कोर की गोलियों से सुरक्षा करने वाली जैकेट्स का वजन 11.8 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 26 जुलाई को बुलेटप्रूफ जैकेट खरीदने को मंजूरी दी थी। इस पर रक्षा मंत्रालय ने 'मेक इन इंडिया' के तहत 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है। सभी तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने और उपयोगकर्ता परीक्षण समाप्त होने के बाद यह खरीद 12 से 24 महीने की अवधि में पूरी की जाएगी। जारी किये गए टेंडर में अपेक्षा की गई है कि यह बुलेटप्रूफ जैकेट्स सैनिक को 7.62 मिमी राइफल गोला-बारूद के साथ-साथ 10 मीटर की दूरी से दागी गई गोलियों से बचा सकें। गोला-बारूद से सुरक्षा करने वाली बुलेटप्रूफ जैकेट्स का वजन 10 किलोग्राम से कम और स्टील कोर की गोलियों से सुरक्षा करने वाली जैकेट्स का वजन 11.8 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। लंबे वक्त से सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट की मांग होती रही है। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने 9 अप्रैल, 2018 को स्वदेशी कंपनी एसएमपीपी प्राइवेट लिमिटेड से 639 करोड़ रुपये की लागत से 1,86,138 बुलेटप्रूफ जैकेट का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। तीन साल के भीतर करीब पौने

दो लाख बुलेट प्रूफ जैकेट सेना को मिली हैं। रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक ने 06 जनवरी, 2021 को एक समारोह में एक लाखवीं बुलेट प्रूफ जैकेट तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे को सौंपी थी। इसके बावजूद अभी भी सेना में बुलेटप्रूफ जैकेटों की कमी बरकरार है, जिसे पूरा करने के लिए यह टेंडर जारी किया गया है। इसके बाद फुल-बॉडी प्रोटेक्शन बुलेटप्रूफ जैकेट के लिए एक और टेंडर जारी होने की उम्मीद है। यह कंपनी दुनियाभर में इस बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्यात भी कर रही है। यह कंपनी पहले भी भारतीय वायु सेना, नौसेना कमांडो, अर्धसैनिक बलों जैसे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय सुरक्षा सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बुलेटप्रूफ जैकटों की आपूर्ति कर चुकी है। इसके अलावा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और गुजरात, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, कोलकाता के राज्य पुलिस बलों और दुनियाभर में विभिन्न बलों को भी अपने उत्पाद आपूर्ति किये हैं।

क्या है बुलेटप्रूफ जैकेट - जब कोई गोली बुलेटप्रूफ जैकेट से टकराती है तो सबसे पहले वो सेरेमिक परत से जाकर टकराती है। सेरेमिक परत बहुत मजबूत होती है, इसलिए इससे टकराते ही गोली का आगे का नुकीला सिरा टुकड़ों में टूट जाता है। ऐसा होने पर गोली की गति कम हो जाती है और वो आसानी से भेद नहीं पाती है। सेरेमिक परत से टकराने पर गोली के टूटने से बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है जिसे बैलिस्टिक परत अवशोषित कर लेती है। ऐसा होने पर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हुए सैनिक को कम से कम क्षति पहुंचती है और इस तरह बुलेटप्रूफ जैकेट गोली के प्रभाव को कम करके सैनिक को सुरक्षित रखती है। इस जैकेट में हेलमेट, गर्दन, कोहनी और कमर के हिस्सों को जरूरत के अनुसार अलग किया जा सकता है, जैसे गश्त के दौरान जैकेट के पिछले हिस्से को हटाया जा सकता है।

जी-20 समिट में हिस्सा लेने 14 को तीन दिवसीय दौरे पर इंडोनेशिया जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 14 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली जाएंगे। वह 16 नवंबर को भारत के लिए रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विदोदो के आमंत्रण पर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री अन्य देशों के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि जी20 बैठक में तीन कार्यकारी सत्र आयोजित किए जाएंगे जिनमें खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल लेनदेन शामिल हैं। बागची ने कहा कि बैठक के समापन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी जी20 समूह की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे । भारत एक दिसंबर से इस समूह की अध्यक्षता करेगा। कुछ दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत

जी-20 की अध्यक्षता करने जा रहा है और यह आयोजन हमारे लिए 130 करोड़ भारतीयों की शक्ति और सामर्थ्य का प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा था कि भारत में जी20 शिखर सम्मेलन सिर्फ एक कूटनीतिक बैठक नहीं होगी बल्कि देश इसे एक नई जिम्मेदारी के तौर पर देखता है। उन्होंने कहा था भारत इसे अपने प्रति दुनिया के विश्वास के रूप में देखता है। आज विश्व में भारत को जानने की, भारत को समझने की एक अभूतपूर्व जिज्ञासा है। आज भारत का नए आलोक में अध्ययन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जी20 के लोगो, विषयवस्तु और वेबसाइट का लोकार्पण भी किया था। जी-20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है- केसरिया,सफेद, हरा, और नीला। इसमें कमल का फूल भी शामिल है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता की विषयवस्तु-वसुधैव कुटुम्बकम या एक धरती, एक परिवार है। यह विषय जीवन के सभी मूल्यों- मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीव- और धरती पर और व्यापक ब्रह्मांड में उनके परस्पर संबंधों की ओर इशारा करती है।

डीसीडब्ल्यू ने पैरोल और सजा में छूट की नीतियों का अध्ययन शुरू किया

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने देश में मौजूद पैरोल और छूट नीतियों का अध्ययन शुरू किया है। डीसीडब्ल्यू विभिन्न राज्यों की सम्बंधित नीतियों का अध्ययन करेगा जिसके तहत दोषियों को सजा में छूट और पैरोल दी जाती है। इस संबंध में डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली सरकार और तिहाड़ जेल को नोटिस जारी कर जघन्य अपराधों के दोषियों के लिए सजा में छूट और पैरोल नीतियों और दिल्ली राज्य में उनके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू इस संबंध में दिल्ली सरकार के साथ-साथ भारत सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगा। डीसीडब्ल्यू ने हाल के मामलों के सन्दर्भ में यह अध्ययन शुरू किया है, जिसने सिस्टम में उन खामियों को उजागर किया है। जिससे रसूखदार दोषी नीतियों में हेरफेर कर अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। उदाहरण के लिए, 2002 में बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसके तीन साल के बेटे और परिवार के सात अन्य सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। अदालत द्वारा 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा देने के बावजूद, उन्हें इस साल 15 अगस्त को गुजरात सरकार ने 1992 की छूट नीति का हवाला देते हुए छोड़ दिया, जिसने कैदियों को उनकी सजा में कमी के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। साथ ही, हाल ही में हरियाणा सरकार ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पैरोल पर रिहा किया, जो बलात्कार और हत्या का दोषी है और रोहतक की जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। बाद में उसने कई 'प्रवचन सभाओं' का आयोजन किया और खुद को बढ़ावा देने वाले संगीत वीडियो जारी किए, जिसमें कई वरिष्ठ सरकारी पदाधिकारियों ने भाग लिया। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इन घटनाओं को बहुत चिंतित करने वाला करार दिया है और कहा है कि देश में सजा में छूट, पैरोल और फरलो के मौजूदा नियम और नीतियां भी बेहद कमजोर हैं और राजनेताओं और रसूखदार दोषियों द्वारा अपने फायदे के लिए इसका आसानी से दुरुपयोग किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने गुजरात और हिमाचल में नकदी और शराब की रिकॉर्ड जब्ती

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय चुनाव आयोग और सुरक्षा एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी के चलते गुजरात और हिमाचल प्रदेश राज्यों में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में बरामदगी की गई है। अबतक हिमाचल प्रदेश में 50.28 करोड़ और गुजरात में 71.88 करोड़ की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती सामान, मुफ्त सुविधा की जब्ती की गई है। गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 की तारीखों की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने पर बल दिया और इसके लिए हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर रुपये की बरामदगी का उदाहरण दिया था। इस अभियान के तहत चुनाव की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर गुजरात में 71.88 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई जो 2017 के विधानसभा चुनावों के लिए लागू आचार संहिता की पूरी अवधि के दौरान हुई 27.21 करोड़ रुपये की बरामदगी से कहीं ज्यादा है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में भी इस अवधि में 50.28 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई जो कि 2017 के 9.03 करोड़ की तुलना में पांच गुना से भी ज्यादा है। आयोग का कहना है कि नागरिक सतर्क हो जाएं और बड़े पैमाने पर सीविजिल ऐप का इस्तेमाल करना शुरू कर दें तो चुनावों में धन-बल के इस्तेमाल पर रोक लगाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में की गई जब्ती में 17.18 करोड़ की नकदी, 9,72,818.24 लीटर यानी 17.50 करोड़ की शराब, 1.20 करोड़ के ड्रग्स 13.99 करोड़ की बहुमूल्य वस्तुएं, 0.41 करोड़ की मुफ्त सुविधा की पेशकश शामिल है। वहीं गुजरात में की गई जब्ती में 0.66 करोड़ की नकदी, 1,09,189.19 लीटर यानी 3.86 करोड़ की शराब, 0.94 करोड़ के ड्रग्स, 1.86 करोड़ की बहुमूल्य वस्तुएं, 64.56 करोड़ की मुफ्त सुविधा की पेशकश शामिल है।

दिल्लीवालों के लिए एमसीडी में 'केजरीवाल की 10 गारंटी'

नई दिल्ली (हि.स.)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विश्वस्तरीय शहरों में दिल्ली को नंबर वन शहर बनाने के उद्देश्य से आज दिल्ली वालों के लिए एमसीडी में 10 गारंटी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एमसीडी में आप की सरकार बनने पर हम तीनों कूड़े के पहाड़ खत्म करेंगे और दिल्ली साफ-सुथरी होगी। एमसीडी में भ्रष्टाचार बंद होगा, पार्किंग की समस्या खत्म कर देंगे और सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। जैसे फेविकोल का जोड़ कभी नहीं टूटता है, वैसे आप की गारंटी नहीं टूटती है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पहले शपथ पत्र लेकर आई थी। फिर उसे कूड़े में फेंक दिया। अब ह्यवचन पत्रह्ल लेकर आई है। इसे भी सात दिसंबर को नतीजों के बाद कूड़े में फेंक देगी। भाजपा ने कहा था कि कूड़े के पहाड़ खत्म कर देंगे। अब कह रहे हैं कि कूड़े के पहाड़ तो हर शहर में होते हैं। लंदन, टोक्यो, न्यूयार्क, वाशिंगटन, पेरिस में कूड़े के पहाड़ कहां हैं ? भाजपा ने पिछली बार झूठा वादा किया था। केजरीवाल ने दिल्लीवालों से अपील करते हुए कहा कि योग रोकने, लड़ाई-झगड़ा करने और दिल्ली को रोकने वालों को वोट मत देना, बल्कि योग करवाने, स्कूल बनवाने और दिल्ली को चलाने वालों को वोट देना। इस दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय भी मौजूद रहे। केजरीवाल ने पिछले एमसीडी चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा किए गए प्रमुख वादों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्होंने कहा था कि केजरीवाल नगर निगम को पैसे नहीं देता है। अब हम केजरीवाल से पैसे नहीं मांगेंगे। अब हम केंद्र सरकार से फंड लेकर आएंगे। पांच साल इन्होंने मुझे केवल और केवल गालियां दी है। केंद्र सरकार ने एमसीडी को एक पैसा नहीं दिया है। केंद्र सरकार ने नगर निगम को एक चवन्नी तक नहीं दी है, जबकि एमसीडी और केंद्र में एक ही राजनीतिक दल की सरकार है। ये केवल राजनीति करते रहे कि केजरीवाल पैसे नहीं दे रहा है, जबकि हमने बहुत पैसे दिए हैं।

एमसीडी में दी गई सभी 10 गारंटियों को अगले चुनाव से पहले पूरा करेंगे

पहली गारंटी- दिल्ली को सुंदर बनाएंगे। चारों तरफ कूड़ा-कचरा और कूड़े का पहाड़ देखकर बहुत दुख होता है। चारों तरफ कूड़ा ही कूड़ा है और नालियां कीचड़ से भरी पड़ी हैं। दिल्ली को साफ और सुंदर बनाएंगे।

दूसरी गारंटी- एमसीडी भ्रष्टाचार मुक्त होगी। विशेषकर एमसीडी के बिल्डिंग डिपार्टमेंट में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार होता है। जितनी नई बिल्डिंग और मकान के नक्शे पास किए जाते हैं, उनकी प्रक्रिया को बेहद सरल बनाएंगे और नक्शे पास करने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन करेंगे, ताकि लोगों को कम से कम हस्तक्षेप का सामना करना पड़े। जैसे हमने दिल्ली के विभागों में किया है।

तीसरी गारंटी- दिल्ली में पार्किंग की बहुत समस्या हैं। हम पार्किंग की समस्या से दिल्ली को मुक्ति दिलाएंगे। इसका स्थाई और व्यवहारिक सामाधान निकाला जाएगा।

चौथी गारंटी- आवरा पशुओं से मुक्ति दिलाएंगे। इसमें आवारा कुत्ते हैं, गाय हैं, बंदर हैं। इनकी समस्या से दिल्ली को निजात दिलाई जाएगी।

पांचवीं गारंटी- नगर निगम की सभी सड़कें और गलियां टूटी हुई हैं, उन सारी सड़कों और गलियों को ठीक कराएंगे। उनकी मरम्मत या दोबारा बनवाएंगे।

छठीं गारंटी- नगर निगम की स्कूलों, अस्पतालों और डिस्पेंसरी की भी बहुत बुरी हालत है। हमने दिल्ली सरकार के सारे स्कूल और अस्पताल अच्छे कर दिए हैं। उसी तर्ज पर हम दिल्ली नगर निगम के स्कूल और अस्पतालों को भी शानदार बनाएंगे।

सातवीं गारंटी- नगर निगम के सभी पार्कों का बहुत बुरा हाल है। दिल्ली के सारे पार्कों को शानदार बनाएंगे और मेरा सपना है कि दिल्ली को पार्कों की नगरी बनाया जाएगा। दिल्ली को सुंदर व साफ-सुथरी पार्कों की नगरी बनाया जाएगा।

आठवीं गारंटी- सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। अभी कई-कई महीने तक कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलती है। लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद हर महीने की 7 तारीख से पहले से कर्मचारियों के खाते में सैलरी पहुंच जाएगी। मैं चाहे कहीं से भी पैसे लाउं, लेकिन मेरी यह गारंटी है कि हर कर्मचारी को समय पर सैलरी मिलनी चालू हो जाएगी।

नौवीं गारंटी- एमसीडी से दिल्ली के व्यापारी बहुत दुखी हैं। वह खासकर व्यापारियों से कहना चाहता है कि आपको लाइसेंस लेने पड़ते हैं, तो उसमें पैसे देने पड़ते हैं और धक्के अलग से खाने पड़ते हैं। लाइसेंस लेने की पूरी प्रक्रिया को हम बहुत ही सरल और ऑनलाइन कर देंगे कि आपको ऑटोमैटिकली लाइसेंस मिलने चालू हो जाएंगे। व्यापारियों से कन्वर्जन फीस और पार्किंग फीस के नाम पर पैसे वसूले गए। हम कन्वर्जन और पार्किंग फीस को खत्म कर देंगे। एमसीडी में इंस्पेक्टर राज को खत्म किया जाएगा और जितनी दुकानें सील की गई हैं, उन दुकानों को खोला जाएगा।

दसवीं गारंटी- रेहड़ी-पटरी वालों को बहुत दिक्कत होती है। एमसीडी के लोग उनको बहुत परेशान करते हैं। उनके लिए वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। दिल्ली सरकार ने तो यह पॉलिसी दो-तीन साल पहले बना दी थी, लेकिन एमसीडी ने उसको लागू नहीं किया। हम साफ-सुथरी वेंडिंग्स जोन बनाएंगे, रेहड़ी-पटरी वालों को लाइसेंस देंगे और उनको भी भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाएंगे। उनसे कोई पैसे की वसूली नहीं होगी। उनको कानूनी तौर पर जिंदगी जीने का अधिकार देंगे। मीडिया के प्रश्नों का जवाब देते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस बार नगर निगम के चुनाव में भाजपा की 20 से कम सीटें आएंगी। पहले ये कहते थे कि दिल्ली सरकार में फंड की चिंता है। हमारे समय में तो समस्या नहीं हुई। केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को एक पैसा नहीं दिया है। हमारा जो हक था, उसको भी नहीं दिया। हम तो इनकी तरह नहीं चिल्लाए। हम बच्चों की तरह नहीं रोते हैं, हम गाली-गलौंज और लड़ाई-झगड़ा नहीं करते, काम करते हैं। केजरीवाल ने कहा आम आदमी पार्टी या केजरीवाल ताकतवर नहीं है, जनता ताकतवर है। जनता ने अपना मन बना लिया है कि एमसीडी में भी और गुजरात में भी आम आदमी पार्टी को लाना है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई अस्वीकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों की रिहाई को लेकर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को जेल से रिहा करने को कहा है। कोर्ट के इस आदेश से कांग्रेस सहमत नहीं है। सिंघवी ने कहा कि हमारे पास जो भी कानूनी अधिकार हैं, हम उनका प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के दोषियों को छोड़ने के लिए कोर्ट ने अपने विशेष संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल किया है। सामान्य स्थिति में न्यायालय यह निर्णय नहीं दे सकता था। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे को

लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी ट्वीट कर कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्या के दोषियों को रिहा करना अनुचित है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कांग्रेस को स्वीकार नहीं है। रमेश ने कहा कि कोर्ट का यह आदेश जनता की भावना को आहत करने वाला है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नलिनी और आरपी रविचंद्रन सहित छह दोषियों को रिहा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 30 साल से अधिक समय से जेल में बंद होने को आधार बताते हुए यह आदेश दिया है। कोर्ट के इस आदेश को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है।

मुंबई में आतंकी हमलों की धमकी के चलते 12 दिसंबर तक ड्रोन पर रोक, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

मुंबई, (हि. स.)। मुंबई में आतंकी हमलों की धमकी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने शहर में ड्रोन उड़ाने पर 12 दिसंबर तक रोक लगा दी गई है। इसी बीच शुक्रवार को मुंबई से सटे पेन में भोगावती नदी में विस्फोटक मिले थे, जिसे डिफ्यूज कर दिया गया है। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मुंबई कंट्रोल रुम में शहर में कई जगह आतंकी हमले की धमकी के फोन आए हैं। इसमें शहर पर ड्रोन से हमले करने की धमकी फोन पर दी गई है। मुंबई पुलिस ने एक आदेश जारी कर शहर में में ड्रोन, रिमोट कंट्रोल, माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट, पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर आदि की उड़ान पर 12 दिसंबर तक रोक लगा दी है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले नागरिकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 183 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। यह आदेश मुंबई में 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक लागू रहेगा। मुंबई पुलिस ने आदेश में कहा है कि के असामाजिक तत्व और आतंकवादी ड्रोन तथा अन्य उड़ने वाली वस्तुओं का उपयोग सार्वजनिक जीवन को खतरे में डालने, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और कानून व्यवस्था को बाधित करने के लिए कर सकते हैं। इसी वजह से शहर में ड्रोन बंदी का निर्णय लिया गया है। मुंबई पुलिस द्वारा हवाई निगरानी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन इस आदेश के अपवाद हैं।

सरकार ने 10 साल में एक बार आधार अपडेट कराना अनिवार्य किया

- आधार अपडेट से सीआईडीआर में आधार से जुड़ी जानकारी की निरंतर आधार पर सटीकता सुनिश्चित होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने आधार नियम में संशोधन किए हैं. इसके तहत आधार संख्या प्राप्त करने से 10 साल पूरा होने के बाद कम-से-कम एक बार संबंधित दस्तावेजों का अपडेट कराना जरूरी होगा। खबरों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी गजट पत्र में प्रकाशित नोटिफिकेशन के मुताबिक आधार अपडेट होने से सेंट्रल आइडेंटी डेटा रिपॉजिटरी (सीआईडीआर) में संबंधित जानकारी की निरंतर आधार पर सटीकता सुनिश्चित होगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आधार धारक आधार के नामांकन की तारीख से हर 10 साल पूरे होने पर कम-से-कम एक बार पहचान और निवास प्रमाणपत्र वाले दस्तावेजों का अपडेट करा सकते हैं। इससे सीआईडीआर में आधार से जुड़ी जानकारी की निरंतर आधार पर सटीकता सुनिश्चित होगी। जानकारी अपडेट करने को लेकर आधार रेगुलेशंस के प्रावधान में बदलाव किया गया है। आधार नंबर जारी करने वाली संस्था यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी यूआईडीएआई ने पिछले महीने लोगों से आग्रह किया था कि अगर उन्हें आधार संख्या लिए 10 साल से अधिक हो गये हैं और उन्होंने संबंधित जानकारी का दोबारा अपडेट नहीं कराया है, वे पहचान और निवास प्रमाण दस्तावेजों को अपडेट कराएं। आधार धारकों को सुविधा प्रदान करने के लिए यूआईडीएआई ने अपडेट डॉक्यूमेंट का फीचर डेवलप किया है। इस सुविधा का उपयोग माई आधार पोर्टल और माई आधार ऐप के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

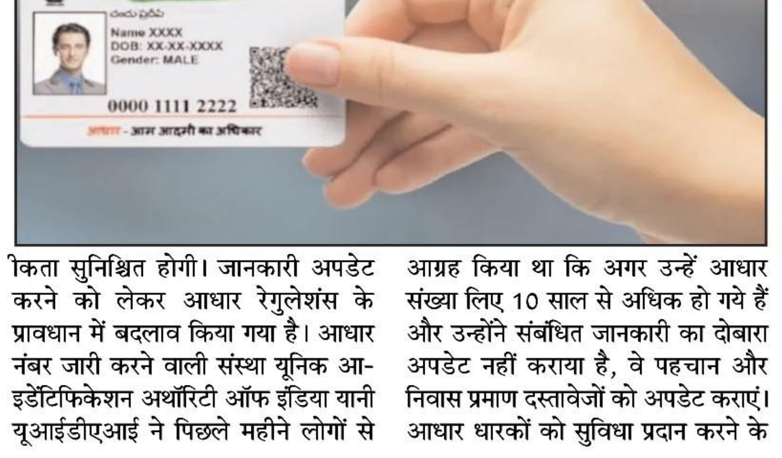

संबंधित व्यक्ति इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए किसी भी आधार नामांकन केंद्र पर भी जा सकते हैं। नई सुविधा के जरिए आधार धारक पहचान प्रमाणपत्र (नाम और फोटो युक्त) और निवास प्रमाणपत्र (नाम और पता युक्त) दस्तावेज अपडेट कर संबंधित जानकारी को फिर से सत्यापित कर सकते हैं। अब तक 134 करोड़ आधार नंबर जारी किए गए हैं। यूआईडीएआई के नवीनतम कदम के बाद कितने आधार धारकों को अपनी जानकारी अपडेट करने की जरूरत होगी, यह फिलहाल पता नहीं चला है।

एंटिलिया मामले के आरोपित की जमानत याचिका खारिज

मुंबई, (हि. स.)। मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित एंटिलिया बंगले के बाहर जिलेटिन भरी कार रखने और व्यवसाई मनसुख हिरेन की हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपित बर्खास्त पुलिस कर्मी सुनील माने की जमानत याचिका विशेष कोर्ट ने नामंजूर कर दिया है। सुनील माने पर मनसुख हिरेन को गुमराह कर घर से बुलाने का आरोप है। इन दोनों मामलों की जांच कर रही नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी(एनआईए) ने सुनील माने के विरुद्ध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है। माने ने इस कानून को भी चुनौती दी थी। माने ने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट को बताया था कि वह पिछले साल फरवरी में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर एसयूवी में विस्फोटक लगाने के कार्य का हिस्सा नहीं था, और इसलिए उस पर

यूएपीए से मुक्त किया जाना चाहिए। साथ ही उसका मनसुख हिरेन की हत्या में कोई संबंध नहीं है। इसलिए उसे जमानत दी जानी चाहिए। लेकिन एनआईए ने जो चार्जशीट कोर्ट में पेश किया है, उसमें कहा गया है कि माने ने ही मनसुख हिरेन को तावड़े के नाम से फोन कर बुलाया था। इसके बाद मनसुख हिरेन का शव ठाणे जिले में खाई में मिला था। इसलिए माने का इस मामले में सीधा संबंध है। इसी वजह से विशेष कोर्ट ने माने की जमानत याचिका खारिज कर दिया है।

वाराणसी, बलिया और चंदौली में बन रहे 15 जेटी से पर्यटन की संभावना बढ़ेगी

वाराणसी, 11 नवम्बर (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शुक्रवार को गंगा में बने सात सामुदायिक जेट्टी (घाट) का लोकार्पण और 08 जेट्टी का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने रविदास घाट पर इनलैंड वॉटरवेज अथॉरिटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की काशी और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प साकार हो रहा है। इनलैंड वॉटरवेज-वे के जेट्टी के उद्घाटन से गतिविधियों में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर डिब्रूगढ़ के बीच क्रूज के टाइम टेबल का लोकार्पण कर कहा कि चार जिलों- वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर एवं बलिया में जेट्टी के माध्यम से यहां की गतिवीधियों में तेजी लाई जा सके और इनलैंड वाटर-वे सुविधा का बेहतर लाभ दे सकें, इस उद्देश्य से आज इन जेट्टियों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में जल परिवहन से तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि वाराणसी, बलिया, गाजीपुर और चंदौली में बन रहे 15 जेट्टी से पर्यटन की संभावना बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि जल परिवहन से यातायात भी सुगम होगा। इससे ट्रेन और सड़कों पर यातायात का दबाब जहां कम होगा वहीं सड़कों पर प्रदूषण भी कम होगा। सभा को केंद्रीय मंत्री सोनोवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपद नाईक, केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। सभा में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु', प्रदेश सह प्रभारी सुनील ओझा, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

अखिलेश कर रहे परिवारवाद की राजनीति, मैनपुरी में खिलेगा कमल : रामशंकर कठेरिया

इटावा/मैनपुरी, (हि.स.)। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को चुनावी मैदान में उतारा है।

डिम्पल यादव के मैनपुरी से उम्मीदवार बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया ने अखिलेश यादव पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए हमला बोला है। भाजपा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव बड़े कद के

और हर वर्ग विशेष के नेता थे, लेकिन उनके निधन के बाद से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में लोग अखिलेश यादव से परिवारवाद से बाहर निकलकर किसी वरिष्ठ कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन अखिलेश यादव समाजवाद की नहीं परिवारवाद की राजनीति कर रहे हैं। वह परिवारवाद से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं इसीलिए उन्होंने आजमगढ़ में हुए उपचुनाव में अपने चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया था जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था और बीजेपी ने वहां पर कमल खिलाया था। भाजपा सांसद ने कहा कि इसी तरह अखिलेश ने फिर से परिवारवाद दिखाते मैनपुरी से अपनी पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया है और यहां से भी उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा और मैनपुरी सीट पर भी कमल खिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश संगठन मंथन कर उचित और काबिल उम्मीदवार का नाम दिल्ली भेजेगा और दिल्ली से प्रत्याशी की औपचारिक घोषणा जल्द ही होगी।

प्रसपा सभी निकायों में लड़ेगी चुनाव : शिवपाल यादव

उन्नाव, (हि.स.)। बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुंचे प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव को सपा प्रत्याशी बनाए जाने पर पहले तो जानकारी होने से इनकार किया। फिर अगले दो-चार दिनों में लखनऊ में इस बारे में सबकुछ बताने की बात कही। वहीं निकाय चुनाव में सभी जगह लड़ने के लिए जिलाध्यक्षों को तैयारी करने को कहा। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव गुरुवार दोपहर निराला

प्रेक्षागृह में बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां पर अधिवक्ताओं ने उनका माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव के सपा प्रत्याशी बनाए जाने के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि आज ही अधिसूचना जारी हुई है। मुझे तो इस बारे में पता ही नहीं है। फिर उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी प्रसपा है। मुझसे यह सवाल पूछने का क्या मतलब है। शिवपाल ने कहा कि अगले 2-4 दिन में लखनऊ में सब कुछ बता देंगे। वहीं आजम खां के कोर्ट के फैसले पर बोलते हुए प्रसपा अध्यक्ष ने कहा कि न्यायालय के फैसले का सभी को सम्मान करना चाहिए। निकाय चुनाव पर शिवपाल यादव ने कहा कि जिलाध्यक्षों को निर्देश दे दिए गए हैं कि सभी जगह चुनाव लड़ा जाए। इस दौरान बार एसोसिएशन व प्रसपा जिलाध्यक्ष सतीश शुक्ला सहित अधिवक्ता व पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन पर अब खरीदा जा सकेगा रेलवे टिकट

लखनऊ, (हि. स.)। लखनऊ मेट्रो से जुड़े दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन पर अब रेलवे टिकट खरीदा जा सकेगा। दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन पर रेलवे के टिकट काउंटर खोल दिया गया है। दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन पर रेलवे टिकट काउंटर खोले जाने के बाद वहां पर यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। शुक्रवार की सुबह यात्रियों के पहुंचने पर आसानी से टिकट मिलने पर उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश मेट्रो कॉरपोरेशन का धन्यवाद किया। दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन अब उन स्टेशनों में भी शामिल हो गया है, जो सीधे रेलवे स्टेशन से जुड़ा है। दुगार्पुरी मेट्रो स्टेशन से लखनऊ जंक्शन में सीधे प्रवेश किया जा सकेगा। मेट्रो स्टेशन पर एफओबी की सुविधा दी गयी है, एस्कलेटर एवं लिफ्ट से रेलवे स्टेशन पर सीधे यात्री उतर सकेंगे।

हमें अपने ज्ञान व खोजों से किसानों के नुकसानों को रोकना है : डॉ हरपाल

झांसी, (हि.स.)। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित बैंकिंग अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग में मिट्टी एवं जल संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके तहत छात्रों को तमाम शिक्षकों और विद्वानों से अलग-अलग विषयों पर अपनी कक्षा के बाद व्याख्यान की भी कक्षा लेनी पड़ती। जिसमें छात्र जल संरक्षण और मिट्टी संरक्षण एवं पर्यावरण से जुड़ी हुए तमाम नई जानकारी सीखते हैं। प्रथम दिवस व्याख्यान डॉ विनीत कुमार चौधरी एवं डॉ सत्यवीर सिंह ने लिया सप्ताह के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति शिवकुमार कटियार ने ली एवं सप्ताह के तीसरे दिन बॉटनी विभाग से डॉ राजेश कुमार पांडे का व्याख्यान रहा है। उसी क्रम में आज डॉ हरपाल सिंह ने छात्रों को कृषि विज्ञान से जुड़ी अहम जानकारी साझा की। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सीबी सिंह ने बताया कि छात्रों को उनके विषय के अतिरिक्त उन्हें संरक्षण सप्ताह में अपने आसपास के पर्यावरण एवं दो महत्वपूर्ण बिंदु जल संरक्षण और मिट्टी संरक्षण पर तमाम नई जानकारियां प्राप्त हो रही है, जिनसे वह खुद जागरूक होंगे एवं दूसरों को भी जागरूक करेंगे।

व्याख्यान के दौरान कार्यक्रम समन्वयक डॉ राधिका चौधरी डॉक्टर शिल्पा मिश्रा डॉक्टर जैस्मिन लाल एवं विभाग के शिक्षक डॉ शंभू नाथ सिंह, डॉ फुरकान मालिक, डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ गजाला अहमद, डॉ शिखा सोनी, डॉ शिविका भटनागर और डॉ रजत आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विधानसभा के मुख्य गेट पर हाथों में तख्तियां लेकर सत्तापक्ष के विधायकों का प्रदर्शन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र शुक्रवार को बुलाया गया है। आमतौर पर जब भी झारखंड विधानसभा का सत्र होता है, विधानसभा के मुख्य गेट पर विपक्ष के विधायकों का जमावड़ा लगा होता है। विपक्षी पार्टी के विधायक अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हैं लेकिन शुक्रवार को पहली बार विधानसभा के मुख्य गेट पर सत्तापक्ष दिखा। विधानसभा के मुख्य गेट पर झामुमो, कांग्रेस और राजद के विधायक के हाथों में तख्तियां लेकर खड़े दिखे। विधानसभा के गेट पर सत्ता

विधायकों ने कहा कि झारखंड को हमने बनाया है हम ही सवारेंगे, जो वादा सरकार ने किया था उसे पूरा किया जा रहा है। झारखंड की पहचान 1932 की खतियान है और हम इसे लागू करने जा रहे हैं। सत्ता पक्ष के विधायक पूरी तरह एकजुट नजर आ रहे हैं और उत्साहित भी हैं। वहीं विपक्षी पार्टी के विधायक गाड़ियों से उतरते ही सीधे विधानसभा के अंदर चले गये।

भाजपा नगर इकाई की बैठक में बनी नगर पालिका चुनाव की रणनीति

बस्ती (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई की बैठक शुक्रवार को पठान टोला मोहल्ला स्थित शिवमंदिर परिसर में नगर अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी नगर पालिका परिषद चुनाव की रूप रेखा, वार्डवार कार्यकताओं की सक्रियता और दायित्वों पर विचार किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए नगर अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि कार्यकताओं की ताकत और जनता के सहयोग से भाजपा पुनः जीत दर्ज करेगी। नगर उपाध्यक्ष संदीप कुमार जायसवाल ने कहा कि नगर क्षेत्र के कार्यकताओं से निरन्तर संवाद बनाया जा रहा है । आगामी नगर पालिका चुनाव को लेकर विशेष उत्साह है। बैठक में चुनाव को लेकर अनेक निर्णय लिये गये और वार्डो के संयोजक एवं प्रभारी नामित किये गये।

बैठक में राजेन्द्र गोंड़, अरूण भारती, सुधाकर पाण्डेय, सतीश सोनकर, विकास बरनवाल, डा. अरविन्द चौधरी, डब्बू श्रीवास्तव, कुलदीप अग्रहरि, संदीप कन्नौजिया, अमरदीप पाण्डेय, प्रमोद कन्नौजिया, अंगद चौधरी, प्रमोद गुप्ता आदि शामिल रहे।

जेल में रहकर भी भाजपा का सूपड़ा साफ कर दूंगा : हेमंत सोरेन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान शुक्रवार को सदन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मैं जेल में रहकर भी भाजपा का सूपड़ा साफ कर दूंगा। आप लोग को जितना षड्यंत्र करना है, करते रहिए। मेरे पिताजी ने झारखंड राज्य दिया था, उनका बेटा आज स्थानीय नीति पारित कर पहचान दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है। पिछले 11 नवंबर को सरना कोड पारित हुआ था और 11 नवंबर 1908 को ही सीएनटी लागू हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सामंती सोच की पार्टी है। इनके मुखिया और देश के प्रधानमंत्री फोन पर धमकी देते हैं। ये मॉब

लिंचिंग करने वाले लोग हैं। दरअसल, हेमंत सोरेन पीएम नरेन्द्र मोदी के उस वायरल फोन के आधार पर यह बोल रहे थे, जिसमें पीएम हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एक बागी प्रत्याशी से नामांकन वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे। हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा के लोग आदिवासियों को देखना नहीं चाहते हैं। ये लोग मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा को बर्बाद कर चुके हैं। अब ये लोग बाबूलाल मरांडी को बर्बाद करने पर तुले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबूलाल आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। एक आदिवासी युवा इनके सामने खड़ा होकर लड़ाई लड़ रहा है।

जाप सुप्रीमों के बयान पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने किया पलटवार

किशनगंज, (हि.स.)। 09 नवंबर को किशनगंज में जन अधिकार पार्टी सुप्रीमों सह पूर्व सांसद पप्पू यादव ने एमएलसी डा. दिलीप जायसवाल पर दिए गए विवादित ब्यान के बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने पलटवार किया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने कहा कि बाहुबल के जरिए राजनीति में प्रवेश करनेवाले पप्पू यादव को खुद का मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने दिए गए विवादित टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि पप्पू यादव किशनगंज में गंगा जमुनी तहजीब के माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। यह घोर निंदनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के बलबूते सर्वाधिक मतों से विधान परिषद चुनाव जीते। डा. दिलीप कुमार जायसवाल के बारे में पप्पू यादव का अभद्र टिप्पणी करना सीमांचल के कर्तव्यनिष्ठ पंचायत प्रतिनिधि का अपमान है। कोसी-सीमांचल व सीमावर्ती बंगाल, नेपाल की जनता जानती

है कि लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करनेवाली एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित हुई है। भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश कोषाध्यक्ष, पूर्णिया कमिश्नरी से विधान पार्षद एंव माता गुजरी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज किशनगंज के डायरेक्टर डा दिलीप कुमार जायसवाल पर पप्पू यादव द्वारा दिए विवादित ब्यान पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिलीप कुमार जायसवाल पर जो ब्यान दिया वह सरासर निराधार एंव अफसोस जनक है और उनका यह ब्यान ना केवल किशनगंज जिला बल्कि पूरे सीमांचल के जनप्रतिनिधियों का अपमान है। गोप ने कहा कि डॉ जायसवाल कि प्राथमिकता मानवता की सेवा करना है। ज्ञात हो कि जनाधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव 9 नवंबर को किशनगंज पहुंचे थे जहां उन्होंने कोचाधामन के डेरामारी में भूख हड़ताल पर बैठे लोगों के बीच जाने के क्रम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डा दिलीप कुमार जायसवाल पर आरोप लगाया कि वह इस मुस्लिम बाहुल क्षेत्र में पैसों के बल पर एमएलसी बनते हैं। गोप ने कहा कि पप्पू यादव की यह खूबी है कि वह जिस दल के साथ रहते हैं उसकी भाषा बोलते हैं जब वह एनडीए में थे तो वह एनडीए की भाषा बोलते थे। एक प्रश्न के उत्तर में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने कहा किशनगंज जिला एंव सीमांचल में गंगा जमनी तहजीब और आपसी भाईचारगी की जड़ें इतनी मजबूत और गहरी हैं कोई नेता किसी भी तरह के दिग्भ्रमित ब्यानबाजी से इसे कमजोर नहीं कर सकता है।

नीतीश सरकार ने राज्य के छह हजार से अधिक किसानों को किया ब्लैकलिस्ट

पटना, (हि.स.)। कृषि विभाग की ओर से सरकार का नियम नहीं मानने वाले राज्य के किसानों को उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाले सुविधा से वंचित कर दिया गया है। इस सुविधा के अब राज्य के करीब छह हजार से अधिक किसान वंचित हो गये है। इन किसानों को सरकार ने धान की खेती के बाद खेतों में पराली (पुआल) जलाने की सजा दी है। राज्य सरकार ने धान की खेती के बाद खेतों में पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। इसके बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जो पुआल को जला देते हैं। इससे वायु प्रदूषण बढ़ने का खतरा रहता है। इसी कारण नीतीश सरकार ने पुआल जलाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। बावजूद इसके पुआल जलाने वाले किसानों की संख्या कम नहीं रही है। ऐसे ही करीब 6 हजार किसानों को ब्लैकलिस्टेड किया गया है। खेतों में पराली जलाने की घटना गंभीर चिंता का विषय है। कृषि विभाग ने कटाई के बाद पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। कृषि विभाग की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में राज्य के 20 जिलों के 6,066 किसानों को सरकार द्वारा काली सूची में डाला गया है। इन किसानों को काली सूची में डालने का मतलब है कि उन्हें अगले तीन वर्षों में सरकारी सब्सिडी और प्रोत्साहन नहीं मिल पायेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार कृषि विभाग में पंजीकृत किसानों के बैंक खातों में सीधे प्रोत्साहन और सब्सिडी हस्तांतरित करती रही है। इसका उद्देश्य किसानों को पराली जलाने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ उनके खेत की उर्वरता को नुकसान पहुंचाने से हतोत्साहित करना है।

हाई कोर्ट ने रद्द की मुख्यमंत्री के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय द्विवेदी की अदालत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ अरगोड़ा थाने में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। वर्ष 2019 में दर्ज चुनाव आचार संहिता से जुड़े मामले को रद्द करने का आदेश दिया है। साल 2019 में अरगोड़ा थाना क्षेत्र में धरना- प्रदर्शन को लेकर तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उनपर मामला दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान के दिन छह मई 2019 को बूथ नंबर 388 (संत फ्रांसिस स्कूल, हरमू) में हेमंत सोरेन पत्नी के साथ मतदान करने गये। हेमंत सोरेन अपने गले में पार्टी का पट्टा लटकाए हुए मतदान स्थल पर पहुंचे थे। इस मामले में कार्यपालक दंडाधिकारी राकेश रंजन उरांव ने अरगोड़ा थाना में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच अधिकारी ने हेमंत सोरेन के खिलाफ लगे आरोप को सही पाते हुए 2019 में ही चार्जशीट दाखिल कर दिया था। दाखिल चार्जशीट पर अदालत ने संज्ञान लेते हुए हेमंत सोरेन को समन जारी किया था।

उम्मीद है कि केन्द्र से मिली कर राशि का सदुपयोग करेगी बिहार सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्र सरकार द्वारा कर हस्तांतरण में बिहार को 11 हजार करोड़ से अधिक राशि दिए जाने पर केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को कर हस्तांतरण की दो किस्तें जारी की हैं। सामान्य मासिक हस्तांतरण 58 हजार 333 करोड़ रुपये के मुकाबले कल एक लाख 16 हजार 665 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को धन्यवाद।

कर हस्तांतरण की दो किस्तें 11 हजार 734 करोड़ रुपये के साथ बिहार दूसरे पायदान पर है। उम्मीद है कि बिहार सरकार इस पैसे का सदुपयोग करेगी। जारी की गई यह राशि भारत सरकार की अपनी पूंजी और विकासात्मक व्यय में तेजी लाने के लिए राज्यों के हाथों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

स्कूल जाकर नहीं पढ़ाने वाले शिक्षकों को निकाल दिया जायेगाः मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सबसे पहले बिहार से मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती को शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत हुई। इसके बाद हमने केंद्र सरकार से आग्रह किया। तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने हमारी बात मानी और 2008 से देश भर में मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिवस पर शिक्षा दिवस मनाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में इनकी बड़ी भूमिका थी। देश में एकता और अमन चैन को लेकर इन्होंने काम किया था। देश आजाद हुआ और जब सरकार बनी तो शिक्षा मंत्रालय का जिम्मा इन्हें दिया गया था। मुख्यमंत्री आज पटना के ज्ञान भवन में देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर आयोजित शिक्षा दिवस- 2022 समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद ने शिक्षा मंत्रालय संभालने के बाद नए-नए संस्थानों की स्थापना कराई। इस देश में शिक्षा का जो काम हुआ है उसकी शुरूआत उन्होंने ही की थी। इतना दिन बीतने के बाद और इतनी

बड़ी भूमिका होने के बाद भी इनके बारे में लोगों ने नहीं सोचा । हमने उनके जन्म दिवस के मौके पर शिक्षा दिवस मनाना शुरू किया। इसके बाद 2008 से पूरे देश में शिक्षा दिवस का आयोजन होने लगा। हमको जब काम करने का मौका मिला तो 2006 से पढ़ाई को हम लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम सरकार में आए तो पता चला कि पांचवीं क्लास के आगे कोई जाता ही नहीं है। लड़कियां पढ़ती ही नहीं है। पहले काफी कम संख्या में लड़कियां स्कूल जाती थी। बालिका शिक्षा को बढ़ाने के लिए हमने कई तरह की योजना को लाया। अब नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में लड़कियां न सिर्फ हाई स्कूल तक बल्कि उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं । अब तो लड़का और लड़की बराबर रूप से पढ़ रहे हैं। हमको लगा कि मौलाना साहब ने जो काम कराया था हमको उसी को आगे बढ़ाना है। हम चाहते हैं कि लड़कियां खूब पढ़े। लड़कियां अगर पढ़ लेंगी तो प्रजनन दर घट जाएगा। अभी प्रजनन दर 2.9 पर है, पहले यह 4 से ऊपर था लेकिन जैसे-जैसे लड़कियां शिक्षित हो रहीं, प्रजनन दर में कमी आ रही है। उन्होंने बिहार के शिक्षकों को चेताते हुए कहा कि हमने मंत्री और सचिव से कह दिया है कि जो स्कूल में नहीं पढ़ाते हैं उनको निकाल दीजिए, कोई जरूरत नहीं है । अगर वह पढ़ायेंगे तो और ज्यादा दीजिए पैसा, ताकि कोई दिक्कत ना हो। पहले शिक्षकों की कितनी बहाली थी अब हम लोग कितने लोगों को बहाल कर रहे हैं।हम तो एक पिछड़ा राज्य हैं, यह तो अलग बात है लेकिन हम लोग हर क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं।सरकार का जो भी बजट होता है उसमें सबसे अधिक खर्चा शिक्षा पर होता है। अभी 21 परसेंट है लेकिन हम लोग चाहते हैं कि बजट का 25 परसेंट शिक्षा पर खर्च हो। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक और प्रोफेसरों से आग्रह के स्वर में उन्होंने कहा कि आप लोग बच्चे बच्चियों को अच्छे से पढ़ाईए। आप लोगों का तनख्वाह भी हम बढ़ाएंगे लेकिन आप लोग लड़का लड़की को पढ़ाइये। आजकल तो सारा काम नई टेक्नोलॉजी पर हो गया है। यह सब तो करिए लेकिन स्कूल में जाइए और पढ़ाइए।

संपादकीय

भारत और सऊदी अरब के बीच बड़े सहयोग

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा भारत और खाड़ी देशों के बीच गहरे होते संबंधों की कड़ी में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भारत के साथ मजबूत और प्रगाढ़ संबंधों के आग्रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी विचारों से भी वे प्रभावित हैं। पिछले दिनों ही उन्होंने भारत की विदेश नीति की खुलकर प्रशंसा भी की थी। ध्यान हो कि भारत अगले महीने जी-20 समूह की अध्यक्षता संभालने जा रहा है तथा अगले साल इस समूह के देशों की शिखर बैठक भारत में होनी है। अभी विश्व के समक्ष जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना तथा सतत विकास के लिए प्रयास करना प्रमुख प्राथमिकताओं में है। ऊर्जा व्यापार में भारत और सऊदी अरब का सहज संबंध बहुत मजबूत है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा सऊदी अरब से आयात करता है तथा तेल एवं गैस का निर्यात सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं और इस क्षेत्र में परस्पर सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। यदि दुनिया वर्तमान दर से जीवाश्म ईंधनों का उपभोग जारी रखती है, तो इनके स्रोत आगामी चार-पांच दशकों में समाप्त हो जायेंगे। इसका दूसरा परिणाम यह होगा कि तब तक कार्बन उत्सर्जन इतना अधिक हो चुका होगा कि धरती का तापमान जीने लायक नहीं होगा तथा प्राकृतिक आपदाएं प्रलयकारी हो चुकी होंगी। अगर 2050 तक तापमान के स्तर को दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य हासिल होता है, तो 80 प्रतिशत कोयला, 50 प्रतिशत गैस तथा 30 प्रतिशत तेल भंडार इस्तेमाल के लायक नहीं रहेंगे। भंडार कम होने लगेंगे, तो खनन भी बहुत महंगा होता जायेगा। ऐसे में महत्वपूर्ण उत्पादक और उपभोक्ता होने के नाते सऊदी अरब और भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर विश्व को ले जाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भारत उन देशों में है, जो बहुत तेज गति से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना रहा है तथा इस क्षेत्र में निवेश कर रहा है। बहुत समय से सऊदी सरकार इस संबंध में सहकार के लिए प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने में लगा हुआ है, साथ ही भारत और फ्रांस की अगुवाई में सौ से अधिक देशों का सौर गठबंधन भी सक्रिय है। इन प्रयासों में सऊदी अरब महत्वपूर्ण सहयोगी हो सकता है। भारत अपने व्यापक मानव संसाधन और तकनीकी अनुभवों से सऊदी अरब को उल्लेखनीय मदद मुहैया करा सकता है। वास्तव में, कई दशकों से बड़ी संख्या में भारतीय सऊदी अरब व अन्य खाड़ी देशों की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण आधार हैं। उम्मीद है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान की यह यात्रा न केवल भारत और सऊदी अरब के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी अपितु विश्व के लिए भी लाभदायक होगी।

> भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा सऊदी अरब से आयात करता है तथा तेल एवं गैस का निर्यात सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं और इस क्षेत्र में परस्पर सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। यदि दुनिया वर्तमान दर से जीवाश्म ईंधनों का उपभोग जारी रखती है, तो इनके स्रोत आगामी चार-पांच दशकों में समाप्त हो जायेंगे। इसका दूसरा परिणाम यह होगा कि तब तक कार्बन उत्सर्जन इतना अधिक हो चुका होगा कि धरती का तापमान जीने लायक नहीं होगा तथा प्राकृतिक आपदाएं प्रलयकारी हो चुकी होंगी।

अमृत कलश

कर्मों के पहाड़ से मुक्त हों

शंकरन पिल्लै लोकल बस में सवार हुए। अचानक ही उन्होंने अपना चेहरा शॉल से ढंक लिया और दुबक कर बैठ गए। एक सहयात्री ने आश्चर्यचकित होकर उनसे पूछा, 'महाशय, क्या आप ठीक हैं?' शंकरन पिल्लै ने उन्हें आश्वस्त किया, 'मैं बिल्कुल ठीक हूं। बात बस इतनी है कि अगर मैं वहां खड़ी उस बूढ़ी औरत को देख लूंगा तो मुझे उसको अपनी सीट देनी पड़ेगी। मैं इसलिए दुबक कर, मुंह ढंककर बैठा हूं कि मैं कहीं उसको देख न लूं।' अब शंकरन पिल्लै को एक बात चुननी थी, या तो वह खड़ा हो जाए, और अपनी सीट दे दे या फिर चुपचाप बैठा रहे। अधिकतर लोग अलग-अलग तरह के जुड़ावों से बचना चाहते हैं। वे यह कभी नहीं समझते कि दूर रहकर बचकर वे बड़े कर्म बंधन बना लेते हैं। जैसे ही आप भागीदारी से बचने का प्रयास करते हैं, आप के कर्म बंधन कई गुना बढ़ जाते हैं। यह उलझन भरी सोच - कि मैं अपनी सीट दूं या नहीं - यह तो और भी बड़ा कर्म बांधती है। तो इस फंसने-बचने के जाल से कैसे दूर रहें? इस प्रश्न का उत्तर बहुतों के पास नहीं होता। उलझन की स्थिति में हर चीज आपसे चिपक जाती है। यह वैसा ही है कि आप अपने आप पर गोंद पोत लें। फिर तो धूल का हर कण आपसे चिपक जाएगा। कर्म बांधने का संबंध अच्छे या बुरे काम करने से नहीं है। उलझन वाले इरादों और सीमित इच्छाओं के कारण आप अपने अंदर कर्म बांधते जाते हैं। कुछ समय बाद कर्म बंधनों का इतना बड़ा पहाड़ आप के चारों ओर बन जाता है कि सांस लेना भी दूभर हो जाता है। बस जागरूक होकर भागीदारी करनी होगी। अब कोई इस भारी भरकम कार्मिक पहाड़ को कैसे तोड़े? जवाब सरल है, तोड़ने का प्रयत्न न करें। बस अपने ऊपर पोते हुए गोंद को धो डालें। सारा पहाड़ एक ही क्षण में चरमरा कर बिखर जायेगा। अब इस गोंद को कैसे दूर करें? बचने का प्रयास छोड़ें और जागरूक होकर भागीदारी करें। यदि आप जागरूकता के साथ हर चीज में हिस्सा लेते हैं तो यह गोंद कभी आप पर नहीं लगेगा और कोई कर्म बंधन नहीं चिपकेगा। मनुष्य की कोई इच्छा सीमित हो सकती है या अनंत। अगर आप ऐसी इच्छा चुनते हैं जो असीमित है, अनंत है तो वहीं कर्म बंधन का अंत हो जाता है। दूसरे अर्थ में, यदि आप अपनी पसंद, नापसंद से ऊपर उठते हैं, 'मेरे' और 'पराये' के छोटे दृष्टिकोण से बाहर आ जाते हैं तो यह कर्म बंधन का अंत है। अपनी इच्छा को सार्वभौमिक (सबको शामिल करने वाली) बनाइए, सब कुछ अपना बना लीजिये, सारे संसार की मां हो जाइए तो फिर कर्म बंधनों में जकड़े जाने की संभावना हमेशा के लिये समाप्त हो जाती है।

बोध कथा

परोपकार के बदले परोपकार

एक महान विद्वान थे जो अपनी करुणा एवम परोपकार के लिए माने जाते थे। वे एक जाने माने कॉलेज के प्रोफेसर थे और शिक्षा का दान देने के लिए सदैव तत्पर रहते थे। जरूरत पड़ने पर वे शिक्षा के लिए छात्रों को धन से भी मदद करते थे। समय निकलता गया। कई छात्रों को उन्होंने पढ़ाया। बड़ी- बड़ी पोस्ट पर बैठाया। कई उन्हें याद रखते। कई भूल जाते। कई मिलने आते। कई केवल ख्यालों में ही उनसे रूबरू हो जाते। एक दिन, एक व्यक्ति उनके पास आया। वे उसे पहचान नहीं पाए। उसने कहा– मास्टर जी ! आप मुझे भूल गये होंगे क्यूंकि आपके जीवन में मेरे जैसे कई थे पर शायद मेरे जैसों के लिए, केवल आप। यह सुनकर मास्टर जी मुस्कुराये। उन्होंने उसे गले लगाया और अपने समीप बैठाया। तब उस शिष्य ने मास्टर जी से कहा – मैं जो कहने एवं करने आया हूं कृपया खुशी- खुशी मुझे वो करने की इजाजत दे और ऐसा कहकर वो हाथ जोड़ खड़ा हो गया। तब मास्टर जी ने खुल कर मन की बात कहने को कहा। तब उस शिष्य ने कुछ रुपयों की गड्डी निकाल कर मास्टर जी के हाथ में रखी और कहा – आपको याद नहीं होगा पर आपके कारण ही मैंने अपनी बीए, एवएबी की पढाई पूरी की। अगर आप नहीं होते तो मैं भी पिता की तरह स्टेशन पर झाड़ू मरता या ज्यादा से ज्यादा बेचता। लेकिन आपके परोपकार के कारण आज मैं इसी शरह का बेरिस्टर नियुक्त किया गया हूँ।और इस खातिर मैं आज आपके उपकार के बदले कुछ करने की इच्छा हेतु यह धन राशि आपको दे रहा हूँ। तब मास्टर जी ने उसे समीप बुलाया और बैठाकर कहा – बेटा ! तुम मेरे द्वारा किये महान कार्य को एक सहुकारिता में बदल रहे हो।अगर तुम कुछ करना ही चाहते हो, तो इस परम्परा को आगे बढाओं। मैंने तुम्हारी मदद की, तुम किसी अन्य की करों और उसे भी यही शिक्षा दो। यह सुनकर बेरिस्टर उनके चरणों में गिर गया और बोला – मास्टर जी ! इतना पढ़ने के बाद भी मुझे जो ज्ञान नहीं मिला था वो आज आपसे मिला। मैं जरुर इस परम्परा को आगे बढ़ाऊंगा और मेरे जैसे किसी अन्य का भविष्य बनाऊंगा। किसी सच्चे परोपकारी के उपकार का मौल लगाना, उसके उपकार की तौहीन करने के बराबर होता हैं। लेकिन इसके बदले उससे सीख लेकर इस परम्परा को बढ़ाना एक सच्ची श्रद्धा हैं। अगर यह परम्परा आगे बढ़ती जाए तो देश और दुनियाँ की तस्वीर ही बदल जायें। और संसार में सदाचारी एवम परोपकारी बढ़ जायें। आज के समय में ऐसी कल्पना व्यर्थ हैं लेकिन इस तरह के प्रसंग जीवन को सही दिशा देते हैं।

विचार

उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

प्रह्लाद सबनानी

> प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं। भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ीबूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक,

करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है। शुरुआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है। हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया। आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है। जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छु आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं। घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वच्छंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियां, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित तापमान, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एंव तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है।

वीर शिरोमणि वजीर राम सिंह पठानिया

> 1857 के स्वतंत्रता समर से पूर्व ब्रिटिश सत्ता को ललकारने वाले वीर योद्धा वज़ीर राम सिंह पठानिया की शौर्य गाथा को हिमाचल, पंजाब और जम्मू कश्मीर में सुना जा सकता है। 18–19वीं शताब्दी का भारत अनेक विघटनकारी सत्ता संघर्ष का सामना कर रहा था। देशी रियासतों के आपसी संघर्ष के कारण ब्रिटिश सत्ता छोटे–बड़े राजाओं के साथ–साथ छोटे–छोटे जागीरदारों को भी जागीरों से मुक्त कर रहे थे। ऐसे समय में हिमाचल प्रदेश के नूरपुर के राजा व उसके वज़ीर राम सिंह पठानिया की अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध की ललकार अंग्रेजी सत्ता को सीधी चुनौती थी। ऐसे शूरवीर योद्धा का जीवन और इतिहास शताब्दियों तक स्मरण होता रहेगा। वज़ीर राम सिंह पठानिया का जन्म नूरपुर रियासत के वज़ीर श्याम सिंह के घर गांव वासा हडयाला (वज़ीरां) नामक स्थान में 10 अप्रैल 1824 ईस्वी को हुआ था।

जब देश और धर्म की हानि होती है तो ऐसे काल में वीर प्रसूता भारत मां अपनी कोख से ऐसे वीर पुरुष को जन्म देती है जो अपने संक्षिप्त काल में सोये समाज को अपनी हुंकार से जागृत करता है और सबके लिए प्रेरणा बन जाता है। इसी प्रकार का एक व्यक्तित्व वीर राम सिंह पठानिया के रूप में नूरपुर रियासत में प्रकट हुआ, जिसने अपने कुछ वीर साथियों के बल पर अंग्रेजों के साथ सशस्त्र संघर्ष किया। अंग्रेजों के दमनचक्र के खिलाफ अगर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का आंदोलन हुआ तो उसकी पहली चिंगारी वज़ीर राम सिंह पठानिया के रूप में फूटी थी, जिन्होंने नूरपुर रियासत को अंग्रेजों से स्वतंत्र करवा लिया था। उन्होंने छोटी सी उम्र में ही वीरता का परिचय दिया जो आज भी करोड़ों युवाओं में देशभक्ति की भावना भर देती है। 1857 के स्वतंत्रता समर से पूर्व ब्रिटिश सत्ता को ललकारने वाले वीर योद्धा वज़ीर राम सिंह पठानिया की शौर्य गाथा को हिमाचल, पंजाब और जम्मू कश्मीर में सुना जा सकता है। 18-19वीं शताब्दी का भारत अनेक विघटनकारी सत्ता संघर्ष का सामना कर रहा था। देशी रियासतों के आपसी संघर्ष के कारण ब्रिटिश सत्ता छोटे-बड़े राजाओं के साथ-साथ छोटे-छोटे जागीरदारों को भी जागीरों से मुक्त कर रहे थे। ऐसे समय में हिमाचल प्रदेश के नूरपुर के राजा व उसके वज़ीर राम सिंह पठानिया की अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध की ललकार अंग्रेजी सत्ता को सीधी चुनौती थी। ऐसे शूरवीर योद्धा का जीवन और इतिहास शताब्दियों तक स्मरण होता रहेगा। वज़ीर राम सिंह पठानिया का जन्म नूरपुर रियासत के वज़ीर श्याम सिंह के घर गांव वासा हडयाला (वज़ीरां) नामक स्थान में 10 अप्रैल 1824 ईस्वी को हुआ था। उन्होंने ब्रिटिश आक्रांताओं की साम्राज्यवादी नीति के अंतर्गत पहाड़ी राज्यों को हड़पने की चाल का प्रतिरोध करने हेतु स्थानीय युवा शक्ति को संगठित कर अंग्रेजों के विरुद्ध सशत्र संघर्ष करने का जो संकल्प लिया था उसका विश्व के इतिहास में अन्य उदाहरण नहीं मिलता, क्योंकि वज़ीर राम सिंह ने 3 वर्ष तक (1846-1849) विश्व शक्ति ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष केवल अपने व्यक्तिगत शौर्य के बल पर ही जारी रखा जबकि पड़ोसी रियासतों के शासकों, यहां तक कि उनके सगे संबंधियों तक ने उन्हें सहायता करने में अपनी असमर्थता जताई थी। न तो उनके पास संगठित सेना थी और न ही अस्त्रों-शस्त्रों का भंडार था। फिर भी उन्होंने जो शौर्य दिखाया उससे ब्रिटिश शासक तिलमिला उठे। 14 अगस्त 1846 ई. को राम सिंह पठानिया ने अपने सैनिकों के साथ रावी नदी के तट पर मौजूद शाहपुर कंडी दुर्ग पर कब्जा जमाकर बैठे अंग्रेज लाव-लश्कर पर धावा बोल दिया तथा कई अंग्रेज सैनिकों को मार भगाकर उस किले पर अपनी विजय पताका फहरा दी थी। अगले दिन 15 अगस्त 1846 ई. को नूरपुर रियासत की स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। 16 अगस्त, 1846 ई. को राजकुमार जसवंत सिंह का राजतिलक समारोह आयोजित कर स्वयं को उनका वज़ीर घोषित कर दिया। वज़ीर राम सिंह के इस कदम से अंग्रेज तिलमिला उठे। अब वज़ीर राम सिंह ने अंग्रेज़ी सत्ता को चुनौती देकर छापामार युद्ध प्रारंभ कर दिया तो दूसरी तरफ ब्रिटिश शासकों ने उन्हें कुचलने के भरसक प्रयास प्रारंभ कर दिए। वज़ीर राम सिंह के पास न तो कोई स्थायी सैनिक थे और न ही कोई बड़े संसाधन। बावजूद इसके उन्होंने 1846 से 1849 तक स्थानीय युवाओं को संगठित कर अपने पैतृक गांव वासा, मऊ के जंगल, कुंमणि दा पैल, त्रिहाड़ी का किला तथा शाहपुर कंडी को अपनी कर्मभूमि बनाकर 3 वर्षों तक सशस्त्र संघर्ष करके ब्रिटिश हुकूमत की नाक में दम कर दिया। 19 सितंबर. 1848 ई. को मेजर हडसन के नेतृत्व में प्रथम सिख इन्फेंट्री के 500 सैनिकों ने वज़ीर राम सिंह और उनके सहयोगियों पर आक्रमण कर दिया। वासा गांव में सिख इन्फेंट्री के साथ युद्ध में ब्रिटिश सेना को भारी क्षति हुई तथा वज़ीर राम सिंह अपने साथियों सहित ब्रिटिश सेना को चकमा देकर वहां से सुरक्षित निकल गए। 5 जनवरी 1849 ई को लेफ्टिनेंट जान पील के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना की दो कंपनियों ने होशियारपुर से माधोपुर के लिए प्रस्थान किया। डल्ला की धार में भीषण युद्ध में ब्रिटिश सेना की भारी क्षति हुई जिसमें प्रथम सिख इन्फेंट्री के 5 सैनिकों सहित रेजिमेंट के सेकंड इन कमांड जान पील मारे गए तथा उनके कई सैनिक घायल हुए। अब ब्रिटिश शासक अत्यधिक दबाव में आ गए और उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर वज़ीर राम सिंह को जीवित या मृत लाने वाले को इनाम की घोषणा कर दी। इसके उपरांत वज़ीर राम सिंह ने अपने अभियान को कुछ समय के लिए स्थगित करके अपने सभी सहयोगियों को अपने घरों को चले जाने की सलाह देकर स्वयं साधु भेष में ब्रिटिश सेना की गतिविधियों की टोह लेनी शुरू कर दी। इसी दौरान उनके विश्वस्त मित्र पहाड़ चंद, जोकि उनका खाना भी बनाता था, को घर वापसी के समय गुप्तचरों के द्वारा पहचान लिए जाने पर ब्रिटिश सैनिकों ने पकड़ लिया। अतः ब्रिटिश शासकों ने उसको पैसे का लालच देकर एवं भय दिखाकर अपने पक्ष में करके वज़ीर राम सिंह के रावी पार होने की सूचना प्राप्त कर ली। अंततः पूजा करते हुए निहत्थे शूरवीर राम सिंह को जम्मू कश्मीर राज्य के धयोंथली नामक गांव में घेर लिया। परंतु अदम्य साहस का परिचय देते हुए वज़ीर राम सिंह ने पूजा में प्रयुक्त किए गए लोटे (कमंडल) से ही ब्रिटिश सेना के 2 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। तत्पश्चात उन्हें गिरफ्तार करके कांगड़ा के किले में नजरबंद कर दिया गया और धर्मशाला की जिला अदालत में सशस्त्र विद्रोह का दोष लगाकर 21 अप्रैल 1849 को मृत्यु दंड की सज़ा सुनाई गई। परंतु बोर्ड ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन पंजाब के हस्तक्षेप करने पर तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी के आदेश दिनांक 11 अक्तूबर 1849 के अंतर्गत मृत्यु दंड की सज़ा को आजीवन कारावास में बदल कर रंगून के निकट समुद्र के मध्य मौलमियन नामक जेल भेज दिया गया।

देश दुनीया से

जिंदगी से मायूस होते लोग

ऐसे लोगों को एकांतवास नहीं, प्रेमिल साथ की आवश्यकता होती है। उनके मन की तहों को खोलने, उनके अंदर चल रहे विचारों के झंझावातों को जानने-समझने और नकारात्मकता को दूर करने की आवश्यकता है। तमाम कोशिशों के बावजूद खुदकुशी की प्रवृत्ति पर काबू नहीं पाया जा पा रहा है। आत्महत्या करने वालों में किशोर, युवा, ढलती उम्र के लोग तक शामिल हैं। इसके पीछे कारोबार में विफलता, मानसिक अवसाद, प्रेम में विफलता, घरेलू कलह, गरीबी, कर्ज का चक्र आदि कई वजहें बताई जाती हैं। पर गहरी पड़ताल करने पर इन प्रत्यक्ष कारणों के अलावा कई अन्य परोक्ष कारण भी दिखाई पड़ते हैं। पर कारण कोई भी हो, जिंदगी से बड़ी और महत्त्वपूर्ण तो कोई चीज नहीं हो सकती। मगर रोजमर्रा की मुश्किलों और जद्दोजहद को लेकर जीवन की अंगुली ही छोड़ देना, किन मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक दुरूहताओं का परिणाम है? यह प्रश्न विचारणीय है। भारत में आत्महत्या करने वालों की संख्या हत्या में जान गंवाने वालों से पांच गुना अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में 1.39 लाख लोगों ने आत्महत्या कर ली। इसमें सड़सठ फीसद अठारह से पैंतालीस साल की उम्र के बीच के लोग थे। आत्महत्या करने वालों में पढ़े-लिखे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में हर चार मिनट में किसी न किसी व्यक्ति ने मौत को गले लगा लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्याओं पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया भर में हर साल करीब आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें से लगभग इक्कीस फीसद भारत में करते हैं। इनमें पंद्रह से उनतीस साल की उम्र के लोग बड़ी संख्या में होते हैं। यानी ऊर्जा, उत्साह और सपनों से लबरेज उम्र में जिंदगी से पलायन एक भयानक सच्चाई है। महानगरों, बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। गौरतलब है कि भारत में आत्महत्या की दर महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में ज्यादा है। तेजी से शिक्षित और विकसित होते भारत में बढ़ती आत्महत्या की मनोवृत्ति से हमारी जीवन शैली, सोच, बदलता पारिवारिक और सामाजिक परिवेश, शिक्षा और रोजगार की स्थिति, व्यवस्था की फितरत सब पर एक प्रश्नवाचक चिह्न लगता है। जीवन सबको प्रिय होता है। व्यक्तिवादी होते इस दौर में तो स्वयं के प्रति मुग्धता और बढ़ी है। खुद के विकास, पहचान, महत्त्व के प्रति लोग पहले से ज्यादा जागरूक हुए हैं। समान्यतया लोग आज सबसे ज्यादा खुद की चिंता करते हैं, उसके बाद किसी और की। खासकर युवा अपने रहन-सहन, पहनावे आदि पर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। 'मैं', 'मेरी पहचान', 'मेरी मर्जी' जैसे शब्द लगातार अहम होते जा रहे हैं। शायद इसी आत्ममुग्धता में आत्महत्या का बीज भी छिपा है। स्वयं के विकास की लगातार बढ़ती भूख में जहां 'मैं' का भाव बढ़ा है, वहीं लोगों को परिवार और सामाजिकता से दूर भी किया है। इससे व्यक्ति में अकेलापन बढ़ा है। वह अपनी समस्याएं किसी से साझा करने में कतराने लगा है। या फिर उसकी नजर में ऐसा कोई होता ही नहीं, जिससे वह अपने दिल की बात कह सके। इससे हताशा बढ़ी है और आत्महत्या की दर भी। छोटे-बड़े शहरों, गांवों, घरों, कार्यस्थलों के साथ-साथ आइआइटी, आइआइएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृति इसी ओर इशारा करती है। पिछले कुछ दशक से लोगों की इच्छाएं और उम्मीदें तेजी से बढ़ी हैं। सब कुछ मुट्ठी में कर लेने का दौर-सा चल पड़ा है। सामने वाला व्यक्ति इतना संपन्न हो सकता है, तो मैं क्यों नहीं? मैं सब कुछ क्यों नहीं पा सकता या जो चाहूं वह क्यों नहीं बन सकता जैसी बातें खूब होने लगी हैं। मगर इसके बरक्स अवसर उतने नहीं बढ़े हैं। उम्मीदों और यथार्थ के बीच बड़ा फर्क होता है। यही फर्क लोगों को पहले अवसाद, फिर खुद को मिटाने की ओर धकेल रहा है। नब्बे के दशक में भारत में उदारवाद और खुली अर्थव्यवस्था की शुरुआत हुई। तब से जहां एक ओर भौतिक तरक्की की बयार बही, वहीं उपभोक्ता संस्कृति भी तेजी से बढ़ी है।

> राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में 1.39 लाख लोगों ने आत्महत्या कर ली। इसमें सड़सठ फीसद अठारह से पैंतालीस साल की उम्र के बीच के लोग थे। आत्महत्या करने वालों में पढ़े–लिखे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में हर चार मिनट में किसी न किसी व्यक्ति ने मौत को गले लगा लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्याओं पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया भर में हर साल करीब आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें से लगभग इक्कीस फीसद भारत में करते हैं।

नागरिक बोध

पानी को बनाया नहीं, सिर्फ बचाया जा सकता है

पानी को बनाया नहीं बल्कि इसे केवल बचाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के जखनी गांव की हरियाली सारी दुनिया के लिए उदाहरण है। यहां के मेड़बंदी मॉडल को जल संरक्षण के लिए सारे देश में कई जगह लागू किया जा चुका है। भारत का जल शक्ति मंत्रालय इसे पूरे देश के लिए उपयुक्त मानते हुए हर जिले में दो गांवों को जखनी जैसा जलग्राम बनाने के लिए चुन चुका है। नीति आयोग ने भी इस जल संरक्षण विधि को मान्यता दी है और इस आधार पर जखनी को आदर्श गांव माना है। लोग जागरूक हों तो सूखा और अकाल आ ही नहीं सकता। हमें अपने पूर्वजों के समाधान को अपनाना होगा। पुराने तालाबों और कुंओं का जीर्णोद्धार करना होगा। खेतों की मेड़बंदी कर घरों की नालियों का पानी भी खेतों में पहुंचाना होगा। हमारे पुरखों की जल संरक्षण पर सोच 'खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़' रही है। इसी सोच ने जखनी के जख्म सोख लिए हैं। जखनी के लोगों की प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कर चुके हैं। मगर इस बदलाव के लिए धैर्य की जरूरत होती है। यह एक दिन में संभव नहीं होता। जखनी को हरा-भरा करने के सामुदायिक प्रयास में दो-ढ़ाई दशक लग गए। अब हमारा गांव गरीबी, भुखमरी, अपराध और तमाम विवादों से उबर चुका है। वर्षा जल बूंदों को रोकने से गांव का जलस्तर ही नहीं बढ़ा बल्कि गांव में समृद्धि आई और लोगों के पास पैसा आया। अब दुनिया के लोग इस तकनीक को जानने के लिए उत्सुक हैं। पिछले दिनों अहमदाबाद में इस तकनीक पर कई सत्र में चर्चा हुई। यह देखकर अच्छा लगा कि अपना जखनी आज दुनिया को राह दिखा रहा है। यहां जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, फ्रांस, इटली और यूरोप के लोगों से मिलने का मौका सुखद रहा। यह लोग जखनी मॉडल को जानना-समझना चाहते हैं। मोयेज पूनावाला (ऑस्ट्रेलिया), थॉम हन्ना (यूएसए), वेन मेयर (यूएसए), ओलिवियर गिलोटो (फ्रांस), तोशियो मुरामात्सु (जापान), ब्रूनो बेनाग्लिया (इटली) जेम्स वैलियरे (यूएसए), यूसुफ अत्तरवाला (फोराड) गुजरात, जॉनसन स्क्रीन के ग्लोबल डायरेक्टर क्रेक्स विल्सन (अमेरिका), राकेश अरोरा (पंजाब), विवेक सिंह (भूटान) अनिल शाह (पूना) और सीजीडब्ल्यूबी (जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरसी जैन ने गंभीरता के साथ भारत के पुरखों की परंपरागत सामुदायिक जल संरक्षण विधि 'खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़' के चमत्कार को सुनकर दंग रह गए। दुनिया के विकसित देशों के इन जल विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने माना कि जल संकट से घिरी दुनिया को यह विधि उबार सकती है। खुशी इस बात की है कि इजरायल में तो काफी पहले इस विधि पर परीक्षण हो चुका है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का 'बुंदेलखंड' हर साल गर्मी में सूखे और अकाल से त्राहिमाम-त्राहिमाम करता रहा है। खुशी इस बात की है कि अब हालात बदल रहे हैं। जखनी गांव के लोगों के तीस साल के सामुदायिक प्रयास से सूखा खत्म हो गया है। खेत हर वक्त लहलहाते रहते हैं। अब तो हर साल मेड़बंदी यज्ञ यात्रा भी होने लगी है। प्रधानमंत्री के सकारात्मक संदेशों से जखनी के मूलमंत्र 'खेत पर मेड़-मेड़ पर पेड़' को जल आंदोलन के रूप में बदला जा सका है।

उग्र दलों के समर्थन से सरकार चलाना आसान नहीं होगा नेतन्याहू के लिए

यरुशलम ।
बेंजामिन नेतन्याहू जल्द ही एक बार फिर इस्राइल के प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। लेकिन समझा जाता है कि इस बार उन्हें अधिक चुनौती भरे घरेलू और अंततराष्ट्रीय माहौल के बीच काम करना होगा। देश के अंदर इस्राइल के कब्जे में मौजूद फिलस्तीनी इलाकों में उन्हें पहले से ज्यादा मुश्किलें पेश आएंगी। इसकी वजह उनके गठबंधन में ऐसे दलों की बढ़ी भूमिका है, जो फिलस्तीनी आबादी के खिलाफ सख्त रुख रखते हैं। नेतन्याहू इसके पहले 14 वर्ष प्रधानमंत्री पद पर रह चुके हैं। लेकिन इस बार जब वे इस पद पर आ रहे हैं, तब अंतरराष्ट्रीय हालात बदले हुए हैं। ईरान के साथ उनके रिश्ते हमेशा बेहद तनावपूर्ण रहे। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मंच पर ईरान की भूमिका बढ़ी है। यूक्रेन युद्ध में रूस ने जिस तरह वहां बने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, उससे ईरान को अब अधिक मजबूत शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा उसके परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित रखने के लिए पश्चिमी देशों के साथ बातचीत टूट जाने के बाद आशंका है कि ईरान जल्द ही परमाणु हथियार बनाने में सफल हो सकता है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाले नए गठबंधन में उग्र रुख रखने वाले दल शामिल हैं। इन दलों का रुख न सिर्फ फिलस्तीनियों, बल्कि ईरान को लेकर भी खासा गरम है। इस वजह से समझा जाता है कि नेतन्याहू के लिए इन दोनों पक्षों से किसी प्रकार की सहमति बनाना बहुत कठिन होगा। ऐसे में खास कर फिलस्तीनी मामले में इस्राइल के अपने खास समर्थक देश अमेरिका से रिश्तों में भी पेंच आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन फिलस्तीनियों के प्रति नरम रुख अपनाने के समर्थक हैं। वे इस्राइल के साथ ही अलग देश के रूप में फिलस्तीन की स्थापना के भी समर्थक हैं। इस्राइल की राजनीति में नेतन्याहू का उदय 1990 के दशक में हुआ था। उन्हें इस्राइल की स्थापना में शामिल रहे मशहूर नेताओं की पीढ़ी के बाद का सबसे बड़ा नेता समझा जाता है। नेतन्याहू का उदय फिलस्तीनियों के प्रति सख्त रुख के इजहार के साथ हुआ था। इसके पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन ने फिलस्तीनी नेतृत्व के साथ शांति समझौता किया था। उससे नाराज एक इस्राइली आतंकवादी ने 1995 में राबिन की हत्या कर दी। विश्लेषकों के मुताबिक उस घटनाक्रम के बीच नेतन्याहू ने इस्राइली यहूदियों के उग्र मानस को समझा और उस पर अपनी सियासत खड़ी की। इसके बावजूद माना जाता है कि अपने पिछले कार्यकाल तक नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक तरह का संतुलन बनाए रखने में सफल हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल के पांच नेताओं का जलवा, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए हुए निर्वाचित

वाशिंगटन । संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में, सत्तारूढ़ डेमोक्रेट पार्टी के रिकॉर्ड पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुना गया है। रिपोर्टों के अनुसार, कई अन्य राज्य विधानसभाओं में भी चुने गए हैं। इन सभी नेताओं की जीत से भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों में खासा उत्साह है। भारत से भी लोग लगातार बधाई संदेश भेज रहे हैं। आइए जानतें हैं कौन हैं वे पांच भारतीय मूल के दिग्गज जो कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। 57 वर्षीय अमी बेरा ने कैलिफोर्निया के 7वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से रिपब्लिकन तमिका हैमिल्टन को हराया। बेरा कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय-अमेरिकी हैं और 2013 से इस सीट पर हैं। इलिनोइस के आठवें कांग्रेसनल जिले में, 49 वर्षीय राजा कृष्णमूर्ति रिपब्लिकन उम्मीदवार क्रिस दरगिस को हराकर लगातार चौथी बार फिर से निर्वाचित हुए। सिलिकॉन वैली में रो खन्ना ने कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी रितेश टंडन को हराया। खन्ना भी लगातार चौथी बार निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा प्रतिनिधिसभा में एकमात्र भारतीय-अमेरिकी महिला सांसद, चेन्नई में जन्मी प्रमिला जयपाल ने वाशिंगटन प्रांत के 7वें कांग्रेस जिले में अपने प्रतिद्वंद्वी क्लिफ मून को हराया। वह भी लगातार चौथी बार जीत कर आई हैं।

विलासिता की जिंदगी से ऊबीं नॉर्वे की राजकुमारी, राजशाही छोड़ने का किया एलान

ओस्लो । विलासिता की जिंदगी से उबीं नॉर्वे की राजकुमारी मार्था लुईस ने राजशाही जिंदगी छोड़ने का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह अब समाजिक क्षेत्र में कुछ काम करना चाहती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राजकुमारी वैकल्पिक चिकित्सा का अभ्यास करेंगी। जिसमें वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर शोध करेंगी। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, 51 वर्षीय राजकुमारी अपना शाही खिताब बरकरार रखेंगी और केवल आधिकारिक शाही कर्तव्यों का त्याग करेंगी। वर्तमान समय में वह रॉयल हाउस का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगी।

बाइडन और पीएम मोदी की दोस्ती बहुत व्यवहारिक...भारत को लेकर अमेरिका का बड़ा बयान

वाशिंगटन । इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी-20 सम्मेलन से पहले अमेरिका ने भारत को लेकर बड़ी बात कही है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता से पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बेहद उपयोगी और व्यवहारिक संबंध हैं। व्हाइट हाउस में गुरुवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवेन ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी पहले ही व्हाइट हाउस आ चुके हैं। इसके अलावा दोनों कई मौकों पर भी व्यक्तिगत रूप से मिल चुके हैं। वहीं फोन और वीडियो के माध्यम से भी दोनों के बीच कई बार बात हुई है। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए दोनों नेता कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समान हितों को साझा करते हैं और मिलकर काम करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा, इन सभी बातों को देखते हुए कहा जा सकता है कि दोनों नेताओं के बीच बहुत ही प्रोडक्टिव और व्यवहारिक रिश्ते हैं। जैक सुलिवेन ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन इस बार होने वाले जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का रुख देखने के लिए उत्सुक हैं। क्योंकि अगले साल भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की संभावना है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले हफ्ते इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। पुतिन की जगह अब विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जी- 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने इंडोनेशिया जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के लिए बेहद बुरा पैगाम लेकर आए अमेरिका में मिड टर्म चुनाव के नतीजे

वाशिंगटन ।
जिसे जो बाइडन के दु:स्वप्न के साकार होने की रात होने का अनुमान लगाया था, वह असल में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बुरी रात साबित हुई। अमेरिका के मिड टर्म चुनावों में पूर्व अनुमानों के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी बड़ी जीत हासिल नहीं कर पाई। लेकिन ट्रंप को इससे भी बड़ा झटका इस बात से लगा है कि जिन उम्मीदवारों को उन्होंने अपना खास समर्थन दिया था, उनमें से ज्यादातर हार गए। उनमें डॉ. मेहमत ओजेड भी शामिल हैं, जो पेन्सिलवेनिया राज्य में सीनेट के लिए चुनाव में पराजित हुए।

ट्रंप को दूसरा बड़ा झटका फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डिसैंटिस की भारी जीत से लगा है। डिसैंटिस को रिपब्लिकन पार्टी का उभरता सितारा समझा जाता है। ये कयास पहले से हैं कि वे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवारी पर दावा करेंगे। डिसैंटिस की जीत में एक बड़ा पहलू लैटिनो (लैटिन अमेरिकी देशों से आकर बसे) मतदाताओं का रहा। इससे यह धारणा बनी है कि अगर डिसैंटिस उम्मीदवार बने, तो इस समुदाय के करोड़ों मतदाताओं का समर्थन रिपब्लिकन पार्टी को मिल सकता है।

मिड टर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की बड़ी जीत के लगाए जा रहे अनुमान से उत्साहित ट्रंप ने संकेत दिया था कि वे 15 नवंबर को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान करेंगे। इसके अलावा इस वर्ष मिड टर्म चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी की प्राइमरी में जीतने के लिए ट्रंप के समर्थन को जरूरी माना गया था। अमेरिका में पार्टियां अपने अंदर चुनाव के जरिए उम्मीदवारों का चयन करती हैं। इस चुनाव को प्राइमरी कहा जाता है।

प्राइमरी के दौरान ट्रंप ने अपने कई खास लोगों को मैदान में उतारा और उन्हें विजयी बनाने में सफल रहे। इनमें डॉ. ओजेड और पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर पद के उम्मीदवार डग मास्त्रियानो को उनका खास अनुयायी माना जाता है। लेकिन ये दोनों हार गए। इसी तरह न्यू हैम्पशर राज्य में ट्रंप के उम्मीदवार डॉन बोल्डुक को सीनेट चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के चुनाव में भी उनके कई खास उम्मीदवारों की पराजय हुई है। विश्लेषकों की राय है कि ताजा नतीजों के बाद ट्रंप के लिए 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी हासिल करना पहले जितना आसान नहीं रह गया है। खास कर यह देखते हुए डिसैंटिस के रूप में उनके खिलाफ एक बड़ा दावेदार उभर आया है। इस आशंका से परिचित ट्रंप ने बुधवार को डिसैंटिस को संदेश भेजा कि वे 2024 में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की कोशिश न करें। पहले डिसैंटिस को ट्रंप का समर्थक माना जाता था। लेकिन अब समझा जाता है कि उनका रुख बदल सकता है।

फ्लोरिडा राज्य की रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी रणनीति में हमेशा ही महत्त्व स्थान रहा है। इस राज्य में कई काउंटी (जिले) ऐसे हैं, जहां लैटिन मतदाताओं की बहुसंख्या है। उन काउंटीज में ज्यादातर मौकों पर डेमोक्रेटिक पार्टी को बढ़त मिलती थी। राज्य के बाकी इलाकों को रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ समझा जाता था। इस कारण यह राज्य में चुनावी पलड़ा दोनों प्रमुख दलों के बीच झूलता रहता था। लेकिन इस बार लैटिनो काउंटीज में डिसैंटिस ने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी को 11 से 20 फीसदी वोटों के अंतर से परास्त किया। इससे उन्हें भारी जीत मिली। लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि इस नतीजे से लैटिनो मतदाताओं अपनी तरफ खींचन की डिसैंटिस की क्षमता सामने आई है। यह बात अगले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार तय करने में निर्णायक पहलू बन सकता है। यह ट्रंप के लिए तगड़ा झटका है।

क्या युद्ध खत्म होने नहीं देना चाहता अमेरिका यूक्रेन को फिर से सप्लाई कर रहा हथियार

वाशिंगटन ।
क्या अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने नहीं देना चाहता है क्या राष्ट्रपति बाइडन यूक्रेन के कंधे का सहारा लेकर पुतिन के वर्चस्व को खत्म करना चाहते हैं ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि खेरसॉन से रूसी सैनिकों की वापसी के एलान के बावजूद अमेरिका ने यूक्रेन को 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर सैन्य सहायता भेजने का एलान किया है। इससे यह साफ पता चलता है कि अमेरिका की मंशा यूक्रेन को मजबूत कर रूस की आर्थिक स्थिति कमजोर करने की है। अमेरिका ने यह सहायता कांग्रेस (संसद) पर रिपब्लिकन का नियंत्रण होने पर रूस के खिलाफ युद्ध के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में कमी किए जाने की आशंका के बीच घोषित की है।

पेंटागन के अनुसार, इस सैन्य सहायता पैकेज में भारी मात्रा में हथियार और पहली बार चार अत्यंत सचल एवेंजर एयर डिफेंस सिस्टम भेजे जाएंगे। इस पैकेज में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम भी शामिल होगा। बता दें कि यूक्रेन रूस के खिलाफ युद्ध में इसका सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, पैकेज में जमीन से हवा में मार करने वाले एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली हॉक के स्टिंगर मिसाइलें, 10,000 मोर्टार गोले, होवित्जर तोपों के हजारों गोले, 400 ग्रेनेड लांचर, 100 हम्वीज, सर्दियों के लिए सेना की वर्दी, बंदूकों और राइफलों के लिए दो करोड़ गोलियां शामिल होंगी।

यूरोपीय संघ ने भी की मदद

यूरोपीय आयोग ने बुधवार को यूक्रेन के लिए 2023 के लिए श्क्र18 बिलियन तक के अभूतपूर्व समर्थन पैकेज का प्रस्ताव रखा। यह अत्यधिक रियायती ऋण के रूप में आएगा, जो 2023 तक नियमित किश्तों में वितरित किया जाएगा।

पुतिन ने खेरसॉन को आजाद देश घोषित किया था, लेकिन अब लगा झटका बता दें कि खेरसॉन वही इलाका है, जिसे दो महीने पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आजाद देश घोषित किया था। अब रूस ने अपनी सेना को वहां से लौटने का आदेश दे दिया है। ऐसे में इसे रूस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं रूस के नरम पड़ते ही अमेरिका सक्रिय हो गया है। अमेरिका हर हाल पुतिन पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह खुद सरेंडर करें।

लैंडिंग के दौरान बेरूत एयरपोर्ट पर विमान में लगी गोली, बाल-बाल बचीं सांसद

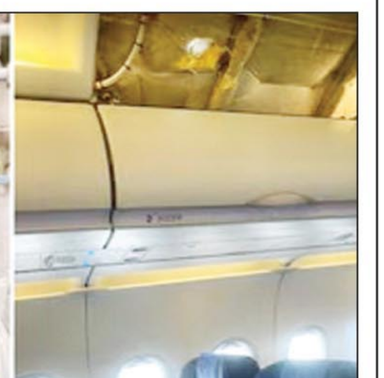

बेरूत ।
जॉर्डन से बेरूत जा रहे मिडिल ईस्ट एयरलाइंस के एक यात्री विमान में बुधवार को गोली लग गई। यह हादसा तब हुआ, जब विमान बेरूत एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। विमान में लेबनान की सांसद पाउला याकौबियन भी बैठी थीं। गनीमत रही कि इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि यह गोली हर्ष फायरिंग के दौरान चलाई गई थी, जो बाद में विमान से आकर टकरा गई। घटना के बाद विदेश मंत्रालय के अध्यक्ष मोहम्मद अल-हाउट ने कहा कि बेरूत हवाई अड्डे के आसपास के इलाकों में हर्ष फायरिंग बेहद आम है। हालांकि, इसके कारण हर साल सात से आठ विमान गोली की चपेट में आते हैं। हालांकि, बुधवार को यह पहली घटना थी, जब लैंडिंग के दौरान विमान में गोली लगी। हाउट ने कहा, लेबनान में आम हो चुकी हर्ष फायरिंग को रोका जाना चाहिए, क्योंकि यह हवाई अड्डे और हवाई यातायात के लिए बड़ा खतरा है। इस घटना की तस्वीरें सांसद पाउला याकौबियन ने ट्विटर पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा है कि वह सीट पर बैठी थीं, तभी उनके सिर के ठीक ऊपर यह घटना हुई।

चीन में तेजी से फैल रहा कोरोना संक्रमण चॉगकिंग में लोगों की आवाजाही पर रोक

बीजिंग ।
चीन में कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ रहे हैं। यहां के चॉगकिंग में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसके बाद से चीन फिर से जीरो कोविड पॉलिसी पर उतर आया है। जानकारी के मुताबिक, कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर चॉगकिंग के लोगों को अपनी आवाजाही को कम से कम करने को कहा गया है।

चॉगकिंग के स्वास्थ्य अधिकारी ली पैन ने बताया कि यहां के निवासियों को अपनी-अपनी जगह पर रहने को कहा गया है, उनके बाहर निकलने पर मनाही है। वहीं, जो लोग बाहर हैं उन्हें भी कहा गया है कि जब तक जरूरी न हो वे यहां न आएं। बता दें, चॉगकिंग में बुधवार को कोरोना के 123 नए मामले सामने आए थे। इनके संपर्क में 633 लोग थे। एकसाथ इतनी बड़ी संख्या में सामने आए मामलों ने यहां के स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले मंगलवार तक 1109 मामलों की पुष्टि की गई थी। अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सभी जरूरी कोरोना रोकथाम उपायों को लागू कर दिया गया है। नए संक्रमणों का पता लगाने के लिए सामूहिक परीक्षण किया जाएगा। वहीं, जिन 11 जिलों में कोरोना के मामले सामने आए हैं, वहां के लोगों को किसी अन्य जिले में

जाने की अनुमति नहीं दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को हुई बैठक में चीन की शीर्ष नेतृत्व वाली संस्था पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति ने जीरो कोविड पॉलिसी का समर्थन किया है।

हालांकि शी जिनपिंग की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश की अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। चीनी मीडिया के मुताबिक, पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति ने बैठक में कहा कि देश में कोरोना के मामलों पर लगाम लगाने के लिए और भी ज्यादा दृढता दिखाने की जरूरत है। जल्दी से जल्दी इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। समिति ने यह भी कहा कि हमें ऐसे उपाय अपनाने होंगे जिससे समान्य उत्पादन और रहने की व्यवस्था बहाल हो सके। हालांकि इस दौरान पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति ने यह साफ कर दिया कि फिलहाल अभी कोरोना के प्रभाव और प्रसार पर लगाम लगाने के लिए जीरो कोविड नीति में ढील देने की आवश्यकता नहीं है।

सरकार को भ्रम में डालने के लिए इमरान ने फिर बदली रणनीति, लॉन्ग मार्च को बांटा

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अपने 'हकीकी (असली) आजादी मार्च' यानी लॉन्ग मार्च को दो हिस्सों में बांटने के बाद फिर से शुरू कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के मुखिया इमरान खान पैर में गोली लगने के बाद फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं, लेकिन उनका सरकार के खिलाफ तेवर और आक्रामक रूप से सामने आ रहा है। मार्च दोबारा शुरू करने से पहले उन्होंने ट्वीट करके समर्थकों से कहा है कि वह अब रास्ते में आने वाली सारी रुकावटों को हटा दें और सरकार को बता दें कि हम उनके हमलों के आगे झुकने या डरने वालों में नहीं हैं।

समझा जाता है कि मार्च को दो हिस्सों में करने का फैसला लेने के पीछे पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान का मकसद लॉन्ग मार्च को लेकर सरकार को भ्रम में डाले रखना है। पिछले हफ्ते वजीराबाद में इमरान खान पर हुए हमले के बाद इस मार्च को रोक दिया गया था। उसके बाद इसे मंगलवार से दोबारा शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन

बाद में इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया था। पीटीआई ने कहा कि अब मार्च दो हिस्सों में आगे बढ़ेगा।

पीटीआई के एलान के मुताबिक वजीराबाद से आगे बढ़ने वाले मार्च के एक हिस्से का नेतृत्व पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कर रहे हैं। मार्च के दूसरे हिस्से की शुरुआत शुक्रवार को टोबा टेक सिंह से हो गई है। यह मार्च झांग होते हुए पहले फैसलाबाद जाएगा। उसके आगे यह चकवाल पहुंचेगा, जहां दोनों दिशाओं से आ रहे मार्च मिल जाएंगे। फिर ये कारवां रावलपिंडी जाएगा।

पीटीआई नेता फव्वाद चौधरी ने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सीधे रावलपिंडी पहुंचेंगे और वहां से मार्च का नेतृत्व संभालेंगे। लेकिन पार्टी ने यह नहीं बताया है कि मार्च रावलपिंडी कब पहुंचेगा और वहां से इस्लामाबाद के लिए कब कूच करेगा। इसके पहले पार्टी ने कहा था कि वह मार्च के असली कार्यक्रम के बारे में सरकार को अंधेरे में रखेगी। इसके लिए मार्च के रूट और समय के बारे में बार-बार बदलाव किया जाएगा। इस बीच सेना और सरकार पर दबाव बनाए रखने की रणनीति के तहत इमरान खान ने दावा किया है कि उन पर हुए हमले की साजिश में सेना का एक और अधिकारी शामिल था। इसके पहले वे इल्जाम लगा चुके हैं कि सेना के काउंटर इंटेलिजेंस विभाग के प्रमुख मेजर जनरल फैसल नसीर इस साजिश में शामिल थे। इमरान खान ने हमले के एक दिन बाद ही वजीराबाद में हुई फायरिंग के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृह मंत्री राना सनाउल्लाह के अलावा मे.ज. नसीर को भी दोषी ठहराया था। अब उन्होंने कहा है कि सेना का दूसरा अफसर खुद कंट्रोल रूम से हमले को निर्देशित कर रहा था, जिसका नाम वे जल्द ही बताएंगे। इस हमले में इमरान खान के पांव में कम से कम तीन गोलियां लगी थीं, जिससे उनके दाएं पांव की हट्टी टूट गई है। शरीफ सरकार और सेना ने इमरान खान के आरोपों का लगातार खंडन किया है। इसके बावजूद इमरान लगातार अपने आरोप को दोहरा रहे हैं। इमरान खान ने संकेतों में कहा कि मौजूदा राजनीतिक विवाद में सेना निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने क्रिकेट में न्यूट्रल अंपायरों का जिक्र करते संकेतों में हुए कहा कि सेना को वैसी ही भूमिका निभानी चाहिए।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान सेना के अफसरों पर लगातार निशाना साध 'एस्टेब्लिशमेंट' को बचाव की मुद्रा में बने रहने के लिए मजबूर करना चाहते हैं।

साधु-संत-प्रदर्शनकारी बदमाशी करेंगे तो सरकार अपने तरीके से निपटेगी : पर्यटन मंत्री

भरतपुर (हिंस)। अवैध खनन व स्टोन क्रेशर हटाने को लेकर डीग में तीन हजार साधु-संत जुट गए। कुछ समय पहले यहीं पर एक साधु ने आत्मदाह कर लिया था। अब पसोपा में एक बार फिर संत समाज के धरने-प्रदर्शन से पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं। इस बीच, पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने संत समाज को धमकी दी कि प्रदर्शनकारी बदमाशी करेंगे तो सरकार अपने तरीके से निपटेगी। संरक्षण समिति के महासचिव ब्रज दास ने कहा कि सबकी भावनाओं को देखते हुए हम यह घोषणा करते हैं कि क्रेशरों को हटाने के लिए साधु-संतों, ग्रामवासियों, कृष्ण भक्तों की ओर से एक दिसंबर से एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। पसोपा में जुटे संतों ने करीब डेढ़ घंटे तक धरना दिया फिर आंदोलन की चेतावनी देकर करीब 10.30 बजे केदारनाथ की ओर कूच कर गए। मान मंदिर सेवा संस्थान, गहवर वन बरसाना से शुरू चौरासी कोस की यात्रा पसोपा में रुकी थी। इसमें करीब 3000 साधु-संत शामिल थे। श्री मान मंदिर, पसोपा ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष राधा कृष्ण शास्त्री ने डीग एसडीएम हेमंत कुमार को ज्ञापन दिया। इसमें ब्रज क्षेत्र से संपूर्ण क्रेशर को हटाने की मांग की गई। शास्त्री ने कहा अवैध तरीके से चल रहे क्रेशरों को नहीं हटाया गया तो वह आंदोलन करेंगे। इस दौरान किसी तरह की जनहानि होती है सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। उनका कहना है कि अभी हमने नवंबर तक आंदोलन को स्थगित कर दिया है। इस मामले में प्रशासन का कहना है कि हमने अवैध तरीके से खनन हो रहा था, उसे बंद करा दिया है। हमें मौके पर कोई भी क्रेशर चलता हुआ नहीं मिला। हमने अच्छे तरीके से चेक किया। इसको लेकर हमने टीमें भी गठित की हैं। इस बीच संतों के धरने-प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी पर कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि %आदिबद्री पर्वत को खनन मुक्त करा दिया गया, वह सरकार का वादा था। क्रेशर प्लांटों को भी सरकार बंद कराए, यह वादा नहीं है। वे लाइसेंस लेकर क्रेशर चला रहे हैं तो क्रेशर चलेंगे ही। अगर साधु-बाबाओं ने ज्यादा बदमाशी करने की कोशिश की तो फिर सरकार सरकार का काम करेगी। वहीं, ब्रज दास ने कहा कि एक दिसंबर से ही साधु-संत आदिबद्री पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी साधु-संत की जिम्मेदारी हम नहीं लेते। वे स्वतंत्र होते हैं, वह कुछ भी कर सकते हैं। अगर ऐसे में कोई भी अप्रिय घटना होती है तो उसकी सारी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। बाद में प्रशासन और साधु-संतों के बीच बातचीत भी हुई। इसके बाद 10.30 बजे के करीब मान मंदिर बरसाना की ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा यात्रा शांति पूर्वक संकीर्तन करते हुए केदारनाथ के लिए रवाना हो गई। संतों की यात्रा और बाबा नारायण दास की चेतावनी के चलते पुलिस, प्रशासन ने पसोपा और आदिबद्री क्षेत्र में भारी संख्या में फोर्स की व्यवस्था की थी। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह और प्रशासन के अधिकारी सहित 700 पुलिसकर्मी पसोपा में मौजूद रहे। क्रेशर हटाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में कुछ बिंदुओं पर सहमति नहीं बन पाई थी। इसके चलते साधु-संतों ने कड़ा रुख अपनाते हुए क्रेशर को हटाने की मांग को लेकर 1 दिसंबर से आंदोलन की घोषणा कर दी। वहीं नारायण दास बाबा ने कहा कि वह अपनी बात पर अडिग हैं और आदिबद्री और कनकांचल पर्वत के संरक्षण के लिए कभी भी सख्त कदम उठा सकते हैं। मान मंदिर के अध्यक्ष एवं पर्वत संगठन समिति के संयोजक राधा कांत शास्त्री ने कहा कि आदिबद्री क्षेत्र संरक्षित वन घोषित हो चुका है।

डेरा प्रेमी की हत्या में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बाझाखाना से बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। गत दिवस कोटकपुरा में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस हत्यारों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इस घटना में इस्तेमाल में लाई गई मोटरसाइकिल को पंजाब के बाझाखाना से बरामद किया है, जिसकी नंबर प्लेट जाली पाई गई है। उधर, पंजाब पुलिस लगातार हरियाणा व राजस्थान पुलिस से संपर्क करके हत्यारों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। उधर डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह के संस्कार के संबंध में परिवार द्वारा अभी तक कुछ नहीं कहा जा रहा। जबकि प्रशासन व पुलिस लगातार परिवार के संपर्क में है एवं संस्कार संबंधी बातचीत चल रही है। उल्लेखनीय है कि इस हत्याकांड के बाद राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है एवं डेरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसके अतिरिक्त इस हत्या की जिम्मेदारी कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड द्वारा फेसबुक पर पोस्ट डालकर ली गई है।

विपक्ष को आदमपुर की जनता ने दिया करारा जवाब : भव्य बिश्नोई

हिसार (हिंस)। आदमपुर से नवनिर्वाचित विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल व ओजस्वी नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जनहित की नीतियों और चहुंमुखी विकास की नीतियों को समाज का प्रत्येक वर्ग पसंद कर रहा है। पिछले 54 वर्षों से चौ. भजनलाल परिवार आदमपुर की जनता की पहली पसंद रहा है, शायद इसीलिए कोई दूसरा उनके इस अभेद्य दुर्ग को भेद नहीं पाया। विधायक भव्य बिश्नोई शुक्रवार को आदमपुर हलके आधा दर्जन गांवों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के दौरान क्षेत्रवासियों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोगों के सुख-दुख में शिरकत की तथा आदमपुर आवास पर हलकावासियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में आदमपुर की जनता ने साम-दाम, दंड-भेद आदि तमाम हथकंडे अपनाकर आपके और हमारे पारिवारिक रिश्ते के बीच मनमुटाव पैदा करने की कोशिश करने वाले विपक्षियों पर वोट की चोट से प्रहार करके उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया।

दिव्या मदेरणा ने ओबीसी आरक्षण पर गहलोत को घेरा, दिया ब्यूरोक्रेसी का ताना

जयपुर (हिंस)। ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार में 2018 में जारी किए गए परिपत्र को वापस नहीं लेने के मामले में पूर्व मंत्री हरीश चौधरी के कड़े तेवर दिखाने के बाद अब ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा ने भी अपनी ही पार्टी की सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। दिव्या मदेरणा ने सरकार पर तंज कसते हुए पूछा है कि क्या इसमें भी ब्यूरोक्रेसी भारी पड़ रही है? उन्होंने लिखा है कि ओबीसी विसंगतियों का शीघ्र समाधान का आश्वासन देने के एक माह से ज़्यादा समय के बाद भी परिपत्र 17 अप्रैल 2018 को वापिस नहीं लेना क्या दर्शाता हैं? क्या इसमें भी ब्यूरोक्रेसी भारी पड़ रही है? ओबीसी युवा समझ नहीं पा रहे है कि सरकार के समक्ष ऐसी क्या मजबूरी रही कि 9 नवंबर की कैबिनेट बैठक में उक्त मामले को मंजूरी नही मिल सकी, जबकि मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ दोनों स्वयं इसी ओबीसी वर्ग से आते हैं। उन्होंने नसीहत दी कि सरकार को तुरंत प्रभाव से 17 अप्रैल, 2018 के परिपत्र को वापिस लेना चाहिए। मदेरणा ने मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र भी लिखा है। इसमें लिखा है कि सितंबर में हुए राज्य स्तरीय आंदोलन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ हुई वार्ता में यह कहा गया था कि सरकार अगले 48 घंटों में इसका निस्तारण कर देगी। यह दुर्भाग्य है कि डेढ़ माह बाद भी सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया और कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा भी नहीं की। मदेरणा ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के लाखों ओबीसी युवा सरकार की ओर नजर लगाए बैठे हैं, सरकार को जल्द इस पर निर्णय लेना चाहिए। गौरतलब है कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने अप्रैल 2018 में एक परिपत्र जारी किया था। इसमें ओबीसी के 21 फीसदी आरक्षण में ही भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को समाहित किया था। ओबीसी वर्ग का तर्क है कि इस वजह से प्रत्येक भर्ती में युवाओं को नुकसान हो रहा है। ओबीसी वर्ग लगातार यह मांग कर रहा है कि भूतपूर्व सैनिकों का कोटा अलग से तय किया जाए। अब इसके लिए सरकार को आरक्षण के इस क्लॉज को हटाना होगा।

तबादले की मांग को लेकर जम्मू बेस्ड केटेगरी इंप्लाइज का प्रदर्शन जारी

जम्मू (हिंस)। उपयुक्त व्यापक तबादला नीति के लिए ऑल जम्मू बेस्ड रजिर्व कैटेगरी एंप्लॉयीज एसोसिएशन का लंबा विरोध आज यहां अंबेडकर चौक जम्मू में जारी रहा। कश्मीर में कार्यरत आरिक्षत वर्ग के कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकार से उपयुक्त व्यापक स्थानांतरण नीति बनाने की मांग कर रहे हैं। उनकी स्पष्ट मांग है कि कश्मीर से बाहर उन्हें जम्मू संभाग में ट्रांसफर किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर करने के बजाय प्रशासन ने हमारा वेतन ही रोक दिया है। सरकार ही बताए बिना वेतन के हम अपने परिवार को क्या खिलाएंगे। त्यौहरी सीजन होने के बावजूद हमारा वेतन रोका गया है अखिर क्यों? ये कर्मचारी स्थानांतरण नीति की अपनी मांग को पूरा करने के लिए पिछले 142 दिनों से शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं। वे महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा (अिहंसा) के मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं और वे एलजी प्रशासन पर भरोसा करते हैं

कि उनकी वास्तविक मांग को जल्द ही संबोधित किया जाएगा। ये कर्मचारी भारत के संविधान द्वारा गारंटीकृत अपने मौलिक अधिकार यानी जीवन का अधिकार की रक्षा के लिए अपनी जान बचाने के लिए अंबेडकर चौक पर संघर्ष कर रहे हैं। जीवन का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है जिसकी संविधान गारंटी देता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस अधिकार को मौलिक अधिकारों का हृदय कहा है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर में कुछ डीडीओ, विशेष रूप से ग्रामीण विकास, वन और स्वास्थ्य विभाग में, कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर कर रहे हैं और अल्पसंख्यकों और पुलिसकर्मियों की लगातार लक्ष्य हत्या के बावजूद सख्त कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। इन डीडीओ ने अल्पसंख्यक कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है। अल्पसंख्यक कर्मचारियों को प्रताड़ित करने वाले ऐसे डीडीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ये कर्मचारी कई दिनों से संघर्ष कर रहे हैं और एक उपयुक्त व्यापक स्थानांतरण नीति की मांग कर रहे हैं। कश्मीर में टारगेट किलिंग का सिलिसला बंद नहीं हुआ है, इसलिए ये कर्मचारी अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने की स्थिति में नहीं हैं और प्रशासन को चेतावनी भी दी है कि वे तब तक अपनी ड्यूटी फिर से शुरू नहीं करेंगे जब तक कि ट्रांसफर पॉलिसी की अधिसूचना लागू नहीं हो जाती।

प्रदर्शनकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ दुर्वव्यवहार की कड़ी निंदा

जम्मू (हिंस)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध आंगनवाड़ी वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) ने जम्मू में प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें महासचिव बीएमएस नीलम शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस कर्मियों ने आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं के साथ दुर्वव्यवहार किया और प्रेस क्लब जम्मू में धरना स्थल पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण कार्यकर्ता अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में यूटी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। एसोसिएशन ने आगे कहा कि गिरफ्तार किए गए आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं को पूरे दिन के लिए भोजन / पानी उपलब्ध नहीं कराया

गया था और देर शाम को रिहा कर दिया गया था और गरीब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जो दूर-दराज के क्षेत्रों से आए थे, उन्हें अपने घरों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा और यह सब प्रशासन द्वारा जानबूझकर किया गया था। रणनीति के साथ उनका मनोबल गिराने के लिए सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनकी वास्तविक मांगों को दबाने की कोशिश कर रही है। आयोजन सचिव अशोक चौधरी बीएमएस ने कहा कि हमने एलजी कार्यालय से संपर्क किया था और एलजी कार्यालय द्वारा संबंधित विभाग से बात करने की सलाह दी गई है, जबकि हमने 2018 के तीन महीने और 2019 के तीन महीनों की अवधि के लिए लंबित वेतन के संबंध में निदेशक आईसीडीएस को कई अभ्यावेदन दिए थे। यहां यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि अप्रैल 2022 से अब तक मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है।

जिला परिषद के लिए 140 नामांकन पत्र हुए दाखिल

पलवल (हिंस)। शुक्रवार तक पंचायत चुनावों में नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया के दौरान सदस्य जिला परिषद के लिए 140 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जबकि पंचायत समिति सदस्यों के लिए हसनपुर ब्लॉक में 72 तथा पलवल में 63, होडल में 108 व हथीन ब्लॉक में 112, बडौली में 59 व पृथला में 48 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी हितेश कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत सरपंचो के लिए होडल में 232, हथीन ब्लॉक में 321, पलवल में 184, हसनपुर में 182, बडौली में 145 और पृथला में 151 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंच पद के लिए पलवल में 237, होडल में 415, हथीन में 379, हसनपुर में 224, पृथला में 303 और बडौली में 205 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। उन्होंने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से फेयर फ्री सम्पन्न करवाने के लिए हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी हितेश कुमार ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के मद्देनजर एआरओ तथा नोडल अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता की दृढ़ता से पालना की जा रही है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए नोडल अधिकारियों को उनकी ड्यूटी को लेकर जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

अपनी पार्टी के अध्यक्ष बुखारी ने चन्नपोरा क्षेत्र का दौरा कर लिया स्थिति का जायजा

जम्मू/श्रीनगर। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने आज चन्नपोरा निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय जनता की समस्याओं का पता लगाया। उनके साथ उपाध्यक्ष जिला श्रीनगर एजाज अहमद राथर, छानपोरा निर्वाचन क्षेत्र के पार्टी प्रभारी मोहम्मद अशरफ डार और नगरसेवक एसएमसी एजाज अहमद भट्ट भी मौजूद थे। सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें सार्वजनिक मुद्दों और पार्टी के मामलों से अवगत कराया। सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने लोगों को आश्वासन दिया कि वह जनता के मुद्दों और शिकायतों को प्रशासन के संज्ञान में लाएंगे और त्वरित निवारण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रत्येक सदस्य को लोगों की सेवा के लिए हमेशा उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा हमारी जनता की पार्टी है। लोगों को हमारे एजेंडे और नीतियों पर भरोसा है। वे उम्मीद करते हैं कि हम जनता के मुद्दों और शिकायतों को हल करने में उनकी मदद करेंगे। पार्टी अध्यक्ष ने उन कार्यकर्ताओं को धैर्यपूर्वक सुना, जो उनके साथ पार्टी के कुछ मामलों पर चर्चा कर रहे थे और निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के सुचारू संचालन के लिए कुछ सुझाव साझा किए।

भाजपा कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जम्मू-कश्मीर में विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगियों, ठेका श्रमिकों आदि के मुद्दों को ठीक करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। बैठक पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में आयोजित की गई। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने पहले उनके मुद्दों के निवारण के लिए एक समिति का गठन किया था जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल थे। बैठक में जम्मू-कश्मीर भाजपा के उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री शाम लाल शर्मा (समिति अध्यक्ष) और समिति के सदस्य, पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री शाम चौधरी, पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री शक्ति राज परिहार और पूर्व विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने भाग लिया। समिति का दृढ़ मत था कि इस संबंध में एक व्यापक रिपोर्ट जल्द से जल्द इस मुद्दे के निवारण के लिए प्रस्तुत की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाम शर्मा ने प्रभावित किया कि इस प्रक्रिया में वे लगभग 47 विभागों से जानकारी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता आधारित कर्मचारियों एवं अन्य श्रेणियों का सटीक आंकड़ा जानने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिनकी मांग अगले 10 दिनों में की जाएगी। यह भी पूछा जाएगा कि कितने पहले ही ऑनलाइन हो चुके हैं और कितने छूट गए हैं।

शाम, प्रिया, अरविंद ने सुनी जनता की शिकायतें

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर बीजेपी के उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री शाम चौधरी, बीजेपी एनईएम और पूर्व मंत्री प्रिया सेठी और बीजेपी सचिव और प्रभारी शिकायत समिति अरविंद गुप्ता ने बीजेपी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में जन शिकायतों को सुना। आने वाले लोगों और प्रतिनिधिमंडलों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों को सुनने के बाद, भाजपा नेताओं ने जल्द से जल्द समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ इसे उठाया। प्रस्तुत की गई समस्याओं में गलियों एवं नालियों की मरम्मत, विद्युत ट्रांसफार्मर, राशन आपूर्ति आदि से संबंधित समस्याएं प्रस्तुत की गयीं। शाम चौधरी, प्रिया सेठी और अरविंद गुप्ता द्वारा इन विभागों के प्रमुखों के साथ टेलीफोन पर मुद्दों को उठाया गया और वे तत्काल समाधान से

प्रभावित हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, शाम चौधरी ने जनता के लिए शिकायत निवारण के एक प्रभावी तरीके की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि इन शिविरों को जनता की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया है। प्रिया सेठी ने कहा कि भाजपा नेता इन शिकायत निवारण शिविरों में जनता के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित रूप से काम कर रहे हैं। अरविंद गुप्ता ने कहा कि लोगों ने इस दृष्टिकोण में विश्वास विकसित किया है और इस तरह बड़ी संख्या में पार्टी कार्यालय में आते हैं।

जोधपुर में बनेगी फिनटेक युनिवर्सिटी : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जोधपुर शहर में फिनटेक यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। इसके लिए सांसद एवं केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत से आग्रह किया गया है कि वे केंद्र से दो सौ करोड़ दिलवाएं। वे आज जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोधपुर शहर महानगरीय तर्ज पर तेजी से बढ़ रहा है। हाइटेक हो चुकी शिक्षा प्रणाली के लिए और कुछ बड़ा करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने जोधपुर शहर में फिनटेक युनिवर्सिटी बनने की बात की। उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गजेंद्र शेखावत से आग्रह किया है कि वे केंद्र से इसके लिए दो सौ करोड़ की मदद दिलाएं। मुख्यमंत्री गहलोत ने गुजरात चुनाव कहा कि हिमाचल एवं गुजरात में सरकार विरोधी लहर चल रही है। वहां पर कांग्रेस अपनी सरकार बनाएगी।

तेंदुलकर ने दो दिन बाघ-बाघिन को देखा, होटल में मनाया पत्नी का जन्मदिन

जयपुर (हिंस)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर गुरुवार को पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर का जन्मदिन मनाने के लिए सवाईमाधोपुर से कार ड्राइव कर जयपुर पहुंचे। उन्होंने यहां मोतीडूंगरी स्थित एक होटल में अंजलि का 55वां बर्थ डे दोस्तों के साथ मनाया। इससे पहले उनका झालाना जंगल में लेपर्ड सफारी करने का कार्यक्रम था, लेकिन बारिश के कारण रद्द हो गया। वे सीधे होटल चले गए थे। उनका दोपहर में वापस मुंबई लौटने का कार्यक्रम है। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर गुरुवार को झालाना जंगल में सफारी के लिए नहीं आ पाए। जिससे उनके फैंस निराश हो गए। दूसरी ओर वन विभाग की तैयारियां अधूरी रह गई। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर के साथ राजस्थान दौरे पर है। वे दोनों गुरुवार को दोपहर में सवाईमाधोपुर से जयपुर पहुंचे। यहां शाम चार बजे से उनका झालाना जंगल में सफारी करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था लेकिन बारिश के कारण उन्होंने कार्यक्रम रद्द कर दिया। उनके आने की सूचना पर वन

विभाग ने इंतजाम कर रखे थे, वो अधूरे रह गए। सबसे ज्यादा निराशा उनके फैंस को हुई। छोटे बच्चे भी सचिन के साथ फोटो खिंचवाने और ऑटोग्राफ लेने के लिए उत्सुक थे। वे बेट-बॉल लेकर आए थे। भारत रत्न और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर तीन दिन के दौरे पर रणथंभौर में थे। दो दिन लगातार सचिन तेंदुलकर पत्नी अंजलि के साथ रणथंभौर टाइगर रिजर्व में घूमे। इस दौरान सचिन ने बाघिन रिद्धि और नूरी की साइटिंग भी की। गुरुवार को सचिन तेंदुलकर ने टाइगर रिजर्व के पास स्थित एक पांच सितारा होटल में पत्नी अंजलि का 55वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया और उसके बाद सड़क मार्ग से जयपुर रवाना हो गए। मास्टर ब्लास्टर तेंदुलकर मंगलवार को पत्नी डॉ. अंजलि और पारिवारिक मित्रों के साथ रणथंभौर पहुंचे। शाम की पारी में सचिन, अंजलि और मित्रों के साथ जोन नंबर 3 में भ्रमण किया। इस दौरान सचिन, अंजलि और मित्रों ने बाघिन रिद्धि को देखा। इसके बाद अगले दिन बुधवार सुबह की पारी में सचिन तेंदुलकर कैंटर से और अंजलि व उनके मित्र खुली जिप्सी से जोन नंबर 2 के भ्रमण पर निकले। इस दौरान, सचिन, अंजलि और मित्रों ने बाघिन नूरी (टी 105) को शिकार का पीछा करते देखा। यह दृश्य देखकर सचिन और सभी मित्र खुश हो गए। गुरुवार सुबह टाइगर रिजर्व के पास स्थित एक पांच सितारा होटल में अंजलि का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इसके बाद दोपहर को सचिन, अंजलि और उनके मित्र सड़क मार्ग से जयपुर निकल गए।

No.MCH/HMS/2022/280/1,

ADVERTISEMENT

Interested candidates are invited to attend a walk in interview to fill the following post on purely contractual basis under the department of Pediatrics (SNCU) at Gauhati Medical College, Guwahati-32 (Assam).

Venue, Date and time of Interview	Purpose of Interview	Experience & Qualification	Remuneration per month
Date : 14/11/2022 **Reporting time :** 12 Noon. **Venue :** Office Chamber, Prof. & HOD of Pediatrics, GMCH, Guwahati- 32.	**For 3 Nos. of Pediatricians**	**Qualification :** M. D. Pediatrics/ DCH **Job Type :** Full time in the department of Pediatrics (SNCU)	Rs. 80,000/- (Negotiable)

- The candidates will have to bring the signed copy of bio-data with passport photo and Xerox copy of all supporting documents along with all original documents.
- NOC from concerned authority to be submitted if the candidate is working in other organisation.

Note:

- No TA/DA will be paid for attending the interview
- The candidate not fulfilling essential qualification need not apply.
- Upper age limit relaxation as per Government rule.

Superintendent cum Member Secretary
HMS, Gauhati Medical College Hospital,
Guwahati- 32

-- Janasanyog /D/15703/ 22

नौ साल बाद रुपये की सबसे मजबूत ओपनिंग, क्या है भारतीय मुद्रा के अच्छे दिन का कारण

नई दिल्ली।
भारतीय रुपये में शुक्रवार को तेज उछाल आया है। रुपये में पिछले सत्रों में हुए नुकसान की रिकवरी हुई है। माना जा रहा है कि अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से कम होने के कारण डॉलर में गिरावट आई है और इससे रुपये को मजबूती मिली।

शुक्रवार की सुबह के सेशन में भारतीय रुपया 80.75 रुपये प्रति डॉलर की दर से कारोबार करता नजर आया।

2013 के बाद सबसे अधिक मजबूती के साथ खुला रुपया - हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन रुपया 80.6888 के स्तर पर खुला, जबकि पिछले सत्र में यह 81.8112 अंकों के स्तर पर बंद हुआ था। शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले एक रुपये 10 पैसे की मजबूती के साथ खुला। रुपये में पिछले नौ वर्षों में यह सबसे बड़ी ओपनिंग है। सितंबर 2013 के बाद रुपया शुक्रवार (11 नवंबर) को सबसे बड़ी बढ़त के साथ खुला है और सात हफ्ते के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है।

डॉलर इंडेक्स के मुकाबले रुपये का निकटतम सपोर्ट लेवल 80.50 रुपये - शुरुआती सेशन में रुपया 80.6788 से 80.7525 रुपये की रेंज में कारोबार करता रहा और लगातार 81 रुपये प्रति डॉलर के नीचे बना रहा। बाजार के जानकारों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर ने 81.91 तक बढ़ने के बाद रुपये की बढ़त के लिए रास्ता साफ कर दिया है। डॉलर इंडेक्स के मुकाबले रुपये का निकटतम सपोर्ट लेवल 80.50 है जबकि मनोवैज्ञानिक स्तर 80 है। उम्मीद है कि शुक्रवार को पूरे दिन रुपया 80.25 से 81 के लेवल के बीच कारोबार करता रहेगा।

अमेरिका में महंगाई घटने से ग्लोबल मार्केट में दिखी मजबूती - अमेरिका में अक्टूबर महीने के महंगाई के आंकड़े बाजार के अनुमान से कम रहे हैं, जिसके कारण ग्लोबल स्टॉक मार्केट में अच्छी मजबूती दिख रही है। डॉलर इंडेक्स पर भारी दबाव है और यह घटकर 108 के लेवल के नीचे आ गया है।

न्यूज ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक सीईओ चंदा कोचर को झटका, बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनकी पद से बर्खास्तगी को माना वैध

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि आईसीआईसीआई बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद से चंदा कोचर की बर्खास्तगी प्रथमदृष्टया वैध थी। अदालत ने सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ के लिए उनके अंतरिम आवेदन को भी खारिज कर दिया। जस्टिस आरआई छागला की एकल पीठ ने कोचर को यह निर्देश भी दिया कि वह 2018 में हासिल किए गए बैंक के 6.90 लाख शेयरों का सौदा न करें। अदालत ने कोचर को छह माह के भीतर एक हलफनामा दायर करने के लिए कहा, जिसमें अगर शेयरों का कोई सौदा किया गया है, तो उसके बारे में बताना होगा। जस्टिस छागला ने कोचर के अंतरिम आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उन्होंने बर्खास्तगी को वैध माना है।

देश की इस फ्यूचर रिटेल चेन का मालिकाना हक पाने के लिए भिड़े अदाणी और अंबानी

नई दिल्ली। एशिया के सबसे धनवान व्यक्ति गौतम अदाणी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी एक नई होड़ में शामिल हैं। भारत के दोनों दिग्गज उद्योगपति कर्ज में डूबे फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए मैदान में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अप्रैल मून रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और फ्लेमिंगो ग्रुप का एक ज्वाइंट वेंचर रिलायंस रिटेल वेंचर्स समेत 13 अन्य फर्मों के साथ फ्यूचर रिटेल के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दाखिल किए हैं। बता दें कि फ्यूचर ग्रुप की फ्लैगशिप रिटेल यूनिट फ्यूचर रिटेल के लिए ईओआई जमा करने की समय सीमा इस महीने की शुरुआत में खत्म हो गई। बता दें कि फ्चूयर ग्रुप कभी देश का दूसरे सबसे बड़ा रिटेलर फर्म था। बिग बाजार के नाम से इसके स्टोर देशभर में फैले हुए थे। फिलहाल कंपनी पर अलग-अलग ऋणदाताओं के 21 हजार करोड़ रुपये बकाया हैं। कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत कंपनी को 33 वित्तीय लेनदारों का बकाया चुकाना है।

मूडीज ने 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी का अनुमान घटाया, बढ़ती महंगाई और उच्च ब्याज दर हैं कारण

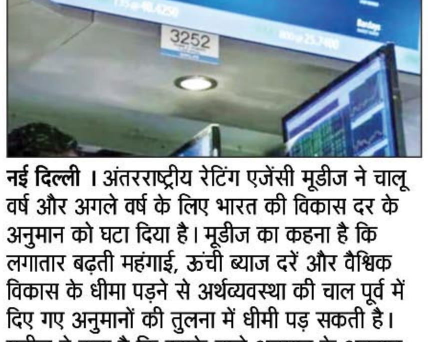

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चालू वर्ष और अगले वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटा दिया है। मूडीज का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें और वैश्विक विकास के धीमा पड़ने से अर्थव्यवस्था की चाल पूर्व में दिए गए अनुमानों की तुलना में धीमी पड़ सकती है। मूडीज ने कहा है कि उसके ताजे अनुमान के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की जीडीपी पूर्व के अनुमान 7.7प्रतिशत प्रतिशत से घटकर 7प्रतिशत रह सकती है। इतना ही नहीं वर्ष 2023 में यह घटकर 4.8 प्रतिशत पर पहुंचने की आशंका है। मूडीज के अनुसार वर्ष 2024 में यह रिकवर करते हुए 6.4 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में सात फीसदी विकास दर रहने का अनुमान जताया था।

मातृत्व अवकाश पर थी महिला कर्मचारी, मेटा ने मेल कर नौकरी से निकाले जाने का सुना दिया फरमान

लंदन।
मेटा की एक महिला कर्मचारी एनेका पटेल हाल ही में मां बनीं थीं। वह इस वक्त मातृत्व अवकाश पर थीं और अपनी तीन माह की बेटी इमीलिया की देखभाल कर रही थीं। इसी बीच एक दिन देर रात करीब तीन बजे अपनी बेटी को देखने लिए उठीं।

इस दौरान उन्होंने अपना आधिकारिक ईमेल चेक किया। उन्हें कंपनी में छंटनी से जुड़ा मार्क जकरबर्ग के मेल आने की उम्मीद थी और ऐसा हुआ भी। एनेका मेटा में कम्यूनिकेशन मैनेजर के पद पर थी। उनकी मैटरनिटी लीव (मातृत्व अवकाश) अगले साल फरवरी में पूरी हो रही थी, पर छंटनी ने उनका कंपनी के साथ सफर यही खतम कर दिया।

एनेका पटेल उन 11,000 कर्मचारियों में से एक हैं, जिन्हें बुधवार को फेसबुक की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने नौकरी से निकाल दिया था। लिंक्डइन पर एनेका पटेल ने लिखा कि मुझे पता चला कि मैं मेटा लेऑफ से प्रभावित 11,000 कर्मचारियों में से एक हूं। इससे मुझे बहुत तकलीफ हुई, क्योंकि मैं इस समय मैटरनिटी लीव पर थी।

एनेका ने लिखा कि सुबह तीन बजे जब मैंने मेल देखा, तो छंटनी का एलान हो चुका था, लेकिन इस बारे में कोई विवरण नहीं था कि कौन सी टीम या कौन सा विभाग प्रभावित हुआ था। एमिलिया सुबह 4 बजे उठी, इसलिए मैंने उसका रोज की तरह ही ख्याल रखा। सुबह 4:30 बजे मुझे अपने मैनेजर से एक संदेश (टेक्स्ट) मिला कि उसे नौकरी से निकाल दिया गया है। मैंने सुबह 4:45 बजे एमिलिया को वापस सुला दिया और वहीं बैठ गई। मैं सोच रही था कि आगे क्या करना है। मैं बिस्तर पर लेट गई। अपने ईमेल बार बार चेक कर रही थी। अन्य सहकर्मियों से बात कर रही थी। हम सभी अपनी सीटों के किनारे पर थे। कोई भी निकाला जा सकता था या फिर जिसे पहले ही बताया जा चुका था, उसे समझाने में लगे थे। मेरे एक सहकर्मी ने कहा कि स्वचालित ईमेल सुबह 7 बजे तक भेजे जा रहे थे, इसलिए मैं शंका में थी कि सो जाऊं या इंतजार करूं। फिर सुबह 5:35 बजे मुझे ईमेल मिला कि मेरा नाम छंटनी किए गए कर्मचारियों में शामिल किया गया है। मेरा दिल टूट गया। एनेका ने लिखा, जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि फेसबुक (अब मेटा) में काम करना मेरा सपना रहा है। जब से मैं नौ साल पहले लंदन से बे एरिया में आई थी। काम करते हुए अविश्वसनीय 2.5 साल हो गए हैं, जो मुझे वास्तव में सबसे अच्छा हिस्सा लगता है। लोग पूछते थे कि क्या वहां काम करना कठिन था, लेकिन मैं उन्हें बताऊंगी कि मैं भाग्यशाली थी क्योंकि मुझे वहां कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। मेटा के बारे में अच्छी कहानियां ही मेरे पास हैं। मैं उन सभी लोगों का बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने वहां अपना समय इतना खास बनाने के लिए काम किया। एनेका ने लिखा कि अब आगे क्या इसका उत्तर देना कठिन है। मेरा मातृत्व अवकाश फरवरी में समाप्त होने वाला था। मातृत्व के ये पहले कुछ महीने मेरे जीवन के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं। मैं अगले कुछ महीनों अपनी बेटी के साथ समय बिताऊंगी। नए साल में नए काम की तलाश करूंगी। कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने बुधवार को कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा था कि मेटा अपने कर्मचारियों की संख्या का लगभग 13प्रतिशत तक कम करने जा रहा है। ऐसे में करीब 11,000 लोगों की छंटनी की जाएगी। कंपनी राजस्व में कमी और व्यापक तकनीकी उद्योग के संकट से जूझ रही है, इसलिए यह कठिन फैसला लेना पड़ा। जकरबर्ग ने कर्मचारियों से माफी भी मांगी थी। मेटा में यह छंटनी ट्विटर के नए मालिक, अरबपति एलन मस्क द्वारा उठाए गए छंटनी के कदमों के बाद की गई है। एक हफ्ते पहले ही ट्विटर ने भी ऐसा ही छंटनी अभियान चलाया था। इससे भारत भी प्रभावित रहा था।

खुलेगा बीकाजी फूड्स व ग्लोबल हेल्थ का आईपीओ

नई दिल्ली।
शेयर बाजार में गुरुवार यानी तीन नवंबर को दो कंपनियों की आईपीओ के माध्यम से एंट्री मिलने वाली है। दरअसल, तीन नवंबर को ग्लोबल हेल्थ और बीकाजी फूड्स का आईपीओ खुल रहा है। इन दोनों की कंपनियों में आगामी सात नवंबर तक पैसा लगा सकेंगे। बता दें कि ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड मेदांता ब्रांड के तहत हॉस्पिटल का संचालन कती है, जबकि बीकाजी देश की प्रतिष्ठित एफएमसीजी (भुजिया और नमकीन) ब्रांड है। तीन से सात नवंबर के बीच दोनों ही कंपनियों के आईपीओ में निवेश किया जा सकेगा।

बीकाजी फुड्स आईपीओ

बीकाजी फूड्स के आईपीओ के लिए 285 रुपये से 300 रुपये के बीच का प्राइस बैंड रखा गया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाना की तैयारी में है। आईपीओ के तहत 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। बाजार के जानकारों के मुताबिक बीकाजी फूड्स के शेयर ग्रे मार्केट में 71 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों की बाजार में 16 नवंबर को लिस्टिंग हो सकती है। वहीं निवेशकों को 11 नवंबर 2022 को शेयरों का अलॉटमेंट हो सकता है।

ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड

मेदांता ब्रांड नाम के तहत अस्पतालों का परिचालन और मैनेजमेंट करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपने 2,206 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 319-336 रुपये प्रति शेयर का तय किया गया है। कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री तीन से सात नंवबर के बीच खोली जाएगी। आईपीओ के माध्यम से पांच सौ करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फोर सेल के जरिए की जाएगी। जानकारों के मुताबिक ग्लोबल हेल्थ के शेयर ग्रे मार्केट में 19 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। कंपनी के शेयर 16 नवंबर 2022 को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।

सूचीबद्ध कंपनियों की दिवालिया प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे छोटे शेयरधारक, सेबी ने पेश किया प्रस्ताव

नई दिल्ली।
सेबी बृहस्पतिवार को दिवालिया समाधान प्रक्रिया से गुजर रहीं सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में सार्वजनिक शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए प्रस्ताव पेश किया। इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित ढांचा अल्पसंख्यक शेयरधारकों को कॉरपोरेट दिवालया समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में उसी मूल्य और शर्तों पर भाग लेने का मौका देगा, जो समाधान आवेदक के लिए उपलब्ध है।

प्रस्तावित ढांचे के तहत, कॉरपोरेट देनदार के मौजूदा सार्वजनिक इक्विटी शेयरधारकों को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (वर्तमान में 25 फीसदी) तक नई इकाई की पूरी तरह से इक्विटी हासिल करने का अवसर मिलना चाहिए। मूल्य निर्धारण की शर्तें वही होनी चाहिए, जिस पर समाधान आवेदक ने सहमति व्यक्त की है। अब तक 28 सूचीबद्ध कंपनियां सीआईआरपी में लिक्विडेशन प्रक्रिया पूरी कर चुकी हैं। 52 कंपनियों को मंजूरी के बाद हटा दिया गया है। 23 कंपनियां मंजूरी के लिए सूचीबद्ध हुई हैं।

31 फीसदी के शीर्ष पर पहुंच सकता है राज्यों का कर्ज, साधनों से ज्यादा उधारी लेने से बढ़ रहा है भार

नई दिल्ली।

राज्यों का कर्ज चालू वित्त वर्ष में उनके सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मुकाबले 30-31प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर रहेगा। यह 2021-22 में 31.5प्रतिशत था। बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में क्रिसिल ने कहा कि राजस्व में मामूली वृद्धि और अपने साधनों से ज्यादा उधारी लेने के कारण राज्यों का कर्ज उच्च स्तर पर रहेगा।

वित्त वर्ष 2016-20 में 25 से 30प्रतिशत की सीमा में रहने के बाद राज्यों का कर्ज वित्त वर्ष 2020-21 में 34प्रतिशत था। मामूली राजस्व वृद्धि के साथ उच्च पूंजीगत खर्च के चलते राज्यों की कर्ज जरूरतें बनी हुई हैं। हालांकि, राज्यों को एक लाख करोड़ रुपये की विशेष सहायता देने के केंद्र सरकार के फैसले से कुछ राहत मिल सकती है। यह अनुमान 18 शीर्ष राज्यों के अध्ययन पर आधारित हैं।

राजस्व में 7-9 फीसदी की हो सकती है बढ़त - क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी के अनुसार, मजबूत जीएसटी संग्रह से राज्यों के राजस्व में इस वित्त वर्ष में 7-9प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। लेकिन, ईंधन से बिक्री कर संग्रह, केंद्रीय अनुदान में मामूली वृद्धि व जून के बाद जीएसटी मुआवजा बंद करने से उनकी राजस्व वृद्धि में कमी आएगी।

तीन फीसदी रह सकता है चालू खाता घाटा - एसबीआई का अनुमान है कि 2022-23 में चालू खाते का घाटा (कैड) कम होकर जीडीपी का 3 फीसदी रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सॉफ्टवेयर निर्यात और धन-प्रेषण में वृद्धि के साथ स्वैप सौदों के जरिये विदेशी मुद्रा भंडार में 5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी से चालू खाते का घाटे को कम करने में मदद मिलेगी।

नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों को नहीं मिलेगा फेम-2 योजना का लाभ - कंपनियां फेम-2 योजना के तहत स्थानीयकरण मानदंडों का उल्लंघन करती हैं तो उन्हें दंडित किया जा सकता है। साथ ही उन्हें फेम-2 योजना में शामिल होने से रोका जा सकता है। सरकार उन्हें मिलने वाली सब्सिडी भी वापस ले सकती है।

भारत-सिंगापुर के बीच तत्काल होगा पैसा हस्तांतरित, यूपीआई और पैनाव लिंक सेवा जल्द

सिंगापुर।
भारत और सिंगापुर के बीच पैसा हस्तांतरण के लिए जल्द ही यूपीआई यूपीआई और पेनाऊ पैनाव सेवाएं शुरू हो जाएंगी। दोनों देशों के लोगों के बीच तत्काल पैसा हस्तांतरण की लिंक जोड़ने की तकनीकी तैयारी पूरी हो गई है। सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त पी. कुमारन ने बताया कि इससे बहुत कम खर्च में दोनों देशों के बीच पैसा हस्तांतरण हो सकेगा। इससे कामकाजी प्रवासियों को बहुत सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक और सिंगापुर की केंद्रीय बैंक मॉनेटरी अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर दोनों देशों की त्वरित मनी ट्रांसफर लिंक को जोड़ने में जुटे हैं और यह जल्द शुरू हो सकती है।

उन्होंने बताया कि सिंगापुर अपने पैनाव को भारत के यूपीआई से जोड़ना चाहता है। यह प्रोजेक्ट अगले कुछ महीनों में पूरा हो जाएगा। इसके बाद सिंगापुर में बैठा कोई भी व्यक्ति भारत में अपने परिवार के सदस्यों को पैसे भेज सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस परियोजना की घोषणा करेंगे। इससे प्रवासियों को भारत में पैसा भेजना आसान होगा और उन्हें इसका बहुत कम शुल्क देना होगा। सिंगापुर का पैनाव भारत के घरेलू कार्ड भुगतान नेटवर्क की तरह है।

सिंगापुर में भारत के राजदूत कुमारन का यह बयान आसियान व संबद्ध देशों की शिखर बैठक के पहले आया है। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह में शुरू होने वाली इस बैठक में 10 क्षेत्रीय सदस्य देशों के नेता शामिल होने वाले हैं। कुमारन ने बताया कि वर्तमान में भारत पैसा भेजने के लिए मनी ट्रांसफर कंपनियों का सहारा लेना पड़ता है, इसका शुल्क ज्यादा है।

प्रवासी कामगार इसके माध्यम से एकमुश्त बड़ी रकम भेजने की बजाए छोटी छोटी राशि भारत भेज सकेंगे और उसका शुल्क भी कम लगेगा। पैनाव आसियान व उससे संबद्ध देशों से भी जुड़ा है, इसलिए लोगों के लिए इसके माध्यम से पूरे आसियान इलाके में खरीदी-बिक्री आसान हो जाएगी। इस तरह भारत व आसियान भी पेमेंट नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। अभी फिलीपींस इससे जुड़ा है और मलयेशिया व थाईलैंड पेमेंट सिस्टम भी इससे जुड़े हैं। आसियान में 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड व वियतनाम शामिल हैं।

10 फीसदी शुल्क लेती हैं कंपनियां

सिंगापुर में अनुमानित रूप से करीब 2 लाख भारतीय पेशेवर काम करते हैं। वे अक्सर अपने घरों को पैसा भेजते रहते हैं। यूपीआई -पैनाव लिंक से उन्हें बहुत फायदा व बचत होगी, क्योंकि निजी कंपनियां पैसा भेजने के लिए उनसे 10 फीसदी तक शुल्क लेती हैं।

कपल को बधाई देने अस्पताल पहुंचे अयान

- नन्ही परी को देख खुश हुए अयान मुकर्जी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के पैरेंटस बनने के बाद कपूर और भट्ट फैमिली के अलावा, आलिया और रणबीर के करीबी दोस्त अस्पताल में जाकर कपल को बधाई दे रहे हैं। इस क्रम में फिल्म ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर और आलिया-रणबीर के बहुत अच्छे दोस्त अयान मुकर्जी उनसे अस्पताल में मिलने पहुंचे. आलिया भट्ट अभी अस्पताल में ही हैं। अयान मुकर्जी को मुलाकात के बाद अस्पताल से बाहर निकलते हुए देखा गया था। अस्पताल के बाहर रणबीर कपूर की मां नीतू कपूर की मां भी दिखाई दीं। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को अपने और रणबीर के पेरेंट्स बनने की जानकारी दी। उन्होंने एक क्यूट पोस्ट किया। आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट में एक लॉयन फैमिली के स्कैच कार्ड पर लिखा, और ये हमारी जिंदगी की सबसे खास न्यूज है। हमारा बच्चा हमारे साथ है और वह क्या मैजिकल लड़की है। हम खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। ब्लैस्ड पैरेंट्स। लव, लव लव आलिया और रणबीर. उनकी इस पोस्ट पर इंडस्ट्री से जुड़े दोस्तों और फैंस ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। बता दें, ब्रह्मास्त्र आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की साथ में पहली फिल्म थी। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों को प्यार हो गया था। दोनों लगभग 5 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस साल अप्रैल में शादी की थी। आलिया ने इस साल जून में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की। आलिया भट्ट जल्द ही गैल गैडोट स्टारर हार्ट ऑफ स्टोन के साथ हॉलीवुड डेब्यू करेंगी। उन्होंने हाल में फिली की शूटिंग पूरी की है।

पश्मीना के लिए धड़का कार्तिक का दिल

- ऋतिक की चचेरी बहन को डेट करने की उड रही खबर

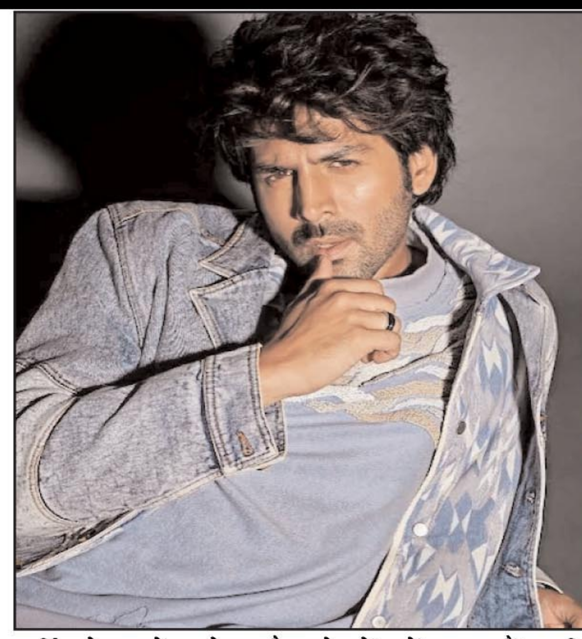

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के नवोदित कलाकार कार्तिक आर्यन की पर्सनल लाइफ से जुड़ी एक बार फिर सनसनी मचा देने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट्र्स की मानें तो वर्तमान में वह ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन को डेट कर रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक आर्यन आजकल पश्मीना रोशन संग खूब मुलाकातें कर रहे हैं और उनके साथ टाइम गुजारने के बहाने भी तलाश रहे हैं। मजेदार बात ये है इनकी मुलाकात बाहर होने के साथ ही एक दूसरे घर पर खूब हो रही है। दोनों एक दूसरे के घर जाकर फैमिली से मेलजोल बढ़ा रहे हैं। दोनों की इन सब हरकतों से ही ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनके बीच कुछ तो पक रहा है। ऐसे में लोगों को शक है कि दोनों के बीच अच्छी दोस्ती से ज्यादा कुछ और भी है, जिसे दोनों अभी छुपाए बैठे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक के करीबी सूत्रों का दावा है कि जब वह काम नहीं कर रहे होते हैं, तो वह पश्मीना के साथ अपने घर पर समय बिताना और उनके साथ चिल करना पसंद करते हैं। वे दोनों शटरबग्स के ध्यान से बचने के लिए अपनी कारों को अपने-अपने घरों में वापस भेज देते हैं. रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए ये भी बताया गया है कि दिवाली के दिन कार्तिक ने जुहू में अपने नए मैकलारेन में पश्मीना के साथ थे। जाहिर है कि वे जियो वर्ल्ड ड्राइव उनका पसंदीदा लेट-नाइट डेस्टिनेशन है और पेटिसरी कू कू उनका पसंदीदा जॉइंट है। दोनों के बीच जमकर मुलाकातें हो रही हैं और दोनों साथ में अच्छा वक्त बिता रहे हैं। अब काम की बात करें तो कार्तिक इन दिनों फ्रेडी को लेकर खबरों में छाए हुए हैं। इस फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है। इसमें कार्तिक का अनदेखा अंदाज देखने को मिला था। बता दें कि यह फिल्म सिनेमाघरों की बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म डिजनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक घोष ने किया है। फ्रेडी के बाद कार्तिक आर्यन के खाते में कई फिल्में हैं। शहजादा, सत्यप्रेम की कथा, कैप्टन इंडिया और कबीर खान की अगली फिल्म में भी वह नजर आने वाले हैं। बता दें कि कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के सबसे चहेते एक्टर्स में एक हैं। एक तरफ जहां वह अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर खबरों रहते हैं तो, वहीं दूसरी तरफ वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइम लाइट छाए हुए हैं।

'दबंग-4' को लेकर अरबाज खान ने दिया अपडेट

- फिल्म से संबंधित कई खास खुलासे भी किए

मुबंई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सलमान खान के फैंस दबंग 4 लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस बारे में फैंस के लिए एक गुड न्यूज सामने आई है। फिल्म को लेकर सलमान के भाई एक्टर-डारेक्टर अरबाज खान ने अपडेट दिया है और फिल्म से संबंधित कई खास खुलासे भी किए है। बता दें कि अरबाज खान इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज तनाव के प्रमोशन को लेकर काफी बिजी हैं। वह इस सीरीज में काफी दमदार अंदाज में दिखने वाले हैं। इस सीरीज में अरबाज के साथ मानव विज, रजत कपूर, सत्यदीप मिश्रा और जरीना वहाब सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। मालूम हो कि तनाव इजरायली शो फौदा का आधिकारिक हिंदी रीमेक है। यह 11 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी। यह वेब सीरीज सुधीर मिश्रा और सचिन कृष्ण द्वारा निर्देशित है। तनाव के प्रमोशन के दौरान ही अरबाज ने फिल्म दबंग 4 को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने पिंकविला से बात करते हुए ये पुष्टि करते हुए बताया कि सलमान खान और वो जल्द ही फिल्म को शुरू करने वाले हैं। हालांकि कुछ अधूरे प्रोजेक्ट की अग्रीमेंट की वजह से वह आगे बढ़ नहीं पा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अरबाज ने कहा, हम दोनों ही अपने-अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी बिजी हैं। दबंग 4 हमारी पाइपलाइन में है।दबंग 3 और दबंग 4 के बीच का समय ज्यादा लंबा नहीं होगा। हम जल्द ही फिल्म को शुरू करेंगे। ये प्रोजेक्ट हम दोनों के ही बेहद करीब है। हम इस प्रोजेक्ट पर बड़े प्यार और लगन के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। बतादें कि सलमान की फिल्म दबंग सीरीज हिट फ्रेंचाइजी रही है। फिल्म में दर्शकों ने सलमान को चुलबुल पांडे के अंदाज में काफी पसंद किया था। फिल्म की बंपर सफलता के बाद इसके दो और पार्ट सामने आए। हालांकि तीसरा पार्ट दर्शकों को उतना इम्प्रेस नहीं कर पाया था, जितना की पहला और दूसरे पार्ट ने किया था। हालांकि फैंस की डिमांड और सलमान की एक्टिंग की वजह से लंबे समय से इसके चौथे पार्ट के भी चर्चे जोरों पर रही है।

आंखों की अच्छी देखभाल करने का आग्रह किया शिल्पा ने

-आंखों की समस्या को कभी हल्के में नहीं ले

चेन्नई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर बालीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने प्रशंसकों से अपनी आंखों की अच्छी देखभाल करने का आग्रह किया है। शिल्पा का कहना है कि आंखें एक ऐसा उपहार है जिसे किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के बारे में एक विस्तृत पोस्ट लिखते हुए, जो सूखापन और लाल आंखों का कारण बनता है, उन्होंने कहा, "मैंने हाल ही में कहीं पढ़ा है कि स्क्रीन के लगातार संपर्क में आने से सूखापन और लाल आंख होती है, जिसे अब आमतौर पर 'कंप्यूटर विजन सिंड्रोम' कहा जाता है।""इस जानकारी ने वास्तव में मुझे चिंतित कर दिया। हालांकि हम तकनीक से बच नहीं सकते हैं, हम जो कर सकते हैं वह पर्याप्त नमी बनाए रखते हुए अपनी आंखों की उचित देखभाल कर सकते हैं।" "अपनी आंखों का ख्याल रखना, मेरे प्यारे इंस्टा परिवार, यह एक ऐसा उपहार है जिसे हमें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।" अभिनेत्री ने आंखों पर तनाव कम करने के लिए नेत्र योग कैसे करें, इसका एक वीडियो भी पोस्ट किया।"आंखों की सफाई की दिनचर्या या नेत्र योग का अभ्यास करने के लिए दिन के दौरान कुछ मिनट बाहर निकलें। यह दिनचर्या द्रष्टि में सुधार करने में मदद करती है। यह डिजिटल आंखों के तनाव को कम करने में भी मदद करती है, आंखों के सूखेपन को रोकती है और आंखों के क्षेत्र में रक्त परिसंचरण को बढ़ाती है, जिससे एकाग्रता में सुधार शामिल है।"

सोशल मीडिया पर मजे के लिए रहती हूं एक्टिवः जाह्नवी

-एक्ट्रेस ने बताई सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने की वजह

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसकी कमाई महज 2 करोड़ रुपये तक ही सिमट गई है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान जाह्नवी ने अपने इंस्टाग्राम पर हॉट फोटो पोस्ट करने की वजह का खुलासा किया है। जाह्नवी ने बताया कि ब्रांड्स के साथ कोलेबोरेट करके उन्हें फायदा होता है। साथ ही कुछ पैसे आने से वे अपनी ईएमआई भी भर लेती हैं। जाह्नवी कपूर से इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि उन्होंने फिल्मों में काफी अलग तरह के रोल्स किए हैं। फिल्मों में जाह्नवी कपूर ने सूट पहनने वाली शमीर्ली और छोटे शहर की लड़कियों का किरदार निभाया है। जबकि जाह्नवी रियल लाइफ में काफी बोल्ड और शॉर्ट ड्रेस पहनती हैं। इसके जवाब में जाह्नवी ने बताया कि वे सोशल मीडिया पर मजे के लिए एक्टिव रहती हैं। साथ ही उनकी फोटोज के लिए ब्रांड्स भी कोलेबोरेट करते हैं। इससे कुछ एक्सट्रा इनकम हो जाती है। जिससे वे अपनी ईएमआई भर लेती हैं। बता दें कि जाह्नवी कपूर बीते दिनों अपनी फिल्म मिली का प्रमोशन करने पहुंची थी। इस दौरान जाह्नवी ने कई इंटरव्यूज दिए हैं। जाह्नवी कपूर ने बताया कि सोशल मीडिया पर वे एंजॉय करने के लिए फोटो पोस्ट करती हैं। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जाह्नवी को इंस्टाग्राम पर 20 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। मालूम हो कि जाह्नवी कपूर हाल ही में फिल्म मिली में नजर आई थीं।यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फेल हुई है।

मिस्टर -मिस -मिसेस ग्लोबल इंडिया अवार्ड 2022' 29 दिसम्बर को आयोजित किया जाएगा

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई की बहुचर्चित व सर्वाधिक लोकप्रिय 'मुंबई ग्लोबल' साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रकाशन समूह द्वारा मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित होटल 'द क्लब' में बॉलीवुड कलाकारों व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 'मिस्टर -मिस -मिसेस ग्लोबल इंडिया अवार्ड 2022' का आयोजन 29 दिसम्बर को किया जाएगा। 'मुंबई ग्लोबल' साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रकाशक व सम्पादक राजकुमार तिवारी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 'मुंबई ग्लोबल अवॉर्ड समारोह' आयोजन के सिलसिले को जारी रखते हुए इस बार 'मिस्टर-मिस- मिसेस ग्लोबल इंडिया 2022' का आयोजन किया जा रहा है। इस आठवें सीजन के अंतर्गत आयोजित सौन्दर्य प्रतियोगिता की निर्देशिका होंगी पल्लवी कौशिक। जूरी के मुख्य सदस्यों के रूप में अभिनेत्री, समाज सेविका व श्री करणी सेना की मुम्बई इकाई की महिला अध्यक्षा आरती नागपाल तथा अभिनेता, निमार्ता- निर्देशक और मशहूर चिकित्सक विशेषज्ञ डॉ अजय सहाय उपस्थित रहेंगे। विदित हो कि मुम्बई ग्लोबल ग्रुप ने अपनी उल्लेखनीय सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों से न सिर्फ पूरे देश में बल्कि पड़ोसी देशों में भी कम समय में अपनी पहचान कायम की है। झारखंड की धरती से जुड़े जुझारू व कर्मठ समाजसेवी राजकुमार तिवारी के द्वारा आठ वर्ष पूर्व 'मुंबई ग्लोबल अवॉर्ड समारोह' की शुरूआत की गई थी। प्रथम आयोजन में गुजरे जमाने के लोकप्रिय फिल्म स्टार जीतेन्द्र विशेष अतिथि के तौर पर पुरस्कृत होने वाले प्रथम सेलिब्रिटी थे।

तब से प्रत्येक वर्ष 'मुंबई ग्लोबल अवॉर्ड' समारोह का आयोजन किया जाता रहा है। भजन सम्राट पदमश्री अनूप जलोटा, अभिनेत्री जयाप्रदा, राहुल रॉय, विवेक ओबेरॉय, राजपाल यादव, अली खान, अरुण बक्शी, पेंटल, मनोज जोशी, अंजन श्रीवास्तव, शाहबाज खान, एहसान कुरैशी जैसी कई मशहूर फिल्मी हस्तियों को 'मुंबई ग्लोबल अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रभास की फिल्म आदिपुरुष फिर चर्चाओं में

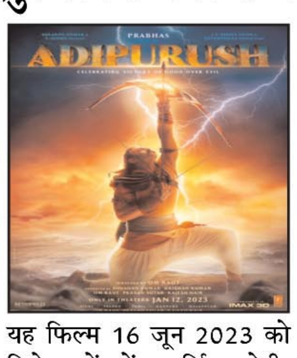

दक्षिण भारत के सितारे प्रभास की आने वाली फिल्म आदिपुरुष फिर से चचाओं में आ गई है। इस फिल्म का टीजर निमार्ताओं ने जारी किया था। जिसे भारी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। के बाद निमार्ताओं को विश्वास हो गया कि यदि दर्शकों और ट्रोलर्स की आलोचनाओं पर ध्यान नहीं दिया तो बॉक्स ऑफिस पर हमें असफलता हाथ लगेगी। इसी के चलते अब यह फिल्म पहले से तय प्रदर्शन तारीख मकर संक्रांति 2023 के मौके पर प्रदर्शत नहीं हो रही है। निमार्ताओं ने इस फिल्म को जून 2023 तक के लिए पोस्टपोन कर दिया है। अब यह फिल्म 16 जून 2023 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। जानकारी के अनुसार निमार्ता फिल्म के वीएफएक्स और सीजी वर्क पर दोबारा से काम करने की तैयारी कर रहे हैं। निमार्ताओं द्वारा किए जा रहे री वर्क पर लगभग 100 करोड़ का खर्चा आएगा।

'मिनिमम' में विशेष भूमिका निभाएंगे नसीरुद्दीन

बालीवुड की फिल्म 'मिनिमम' में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह विशेष भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हुई। बेल्जियम पर आधारित, यह फिल्म लेन-देन के विवाह और प्रवास के साथ प्यार, स्नेह और दोस्ती के मूल में है। फिल्म, जिसमें सबा आजाद, गीतांजलि कुलकर्णी, नमित दास और रुमाना मोल्ला भी हैं, का निर्देशन खुद रुमाना ने किया है। फिल्म की आधिकारिक सिनॉप्सिस इसे एक नवविवाहित अप्रवासी फौजिया की कहानी के रूप में वर्णित करती है। जब उसे पता चलता है कि उसके पति अली के बारे में उसे जो कुछ भी बताया गया था वह सब झूठ था और जब तक एक फ्रांसीसी ट्यूटर, लॉरी को उसे मूल बातें सिखाने के लिए काम पर नहीं रखा जाता, तब तक वह सारी उम्मीद खो देती है।

एक असामान्य दोस्ती जाली है, रहस्य उजागर होते हैं और फौजिया मिनिमम से अधिक की मांग करना सीखती है। प्लाटून वन फिल्म्स और एलानार फिल्म्स के शिलादित्य बोरा और राधिका लवू द्वारा निर्मित फिल्म को बेल्जियम, सर्बिया और भारत में लोकेशन पर शूट किया गया है और यह 2023 की शुरूआत में रिलीज होने वाली है।

सूडोकु नवताल- 6249

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6248 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्दजाल - 6996

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 6995 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	टा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5949

	3		4	5		
2	30	7	31		34	2
1			3		7	
	28	6	31	6	39	3
4		1			5	7
3	30		32	7	34	
	5		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5948 का हल

2	3	6	4	1	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	1	3	6	7	2
6	28	5	35	3	39	6
1	2	4	6	7	5	3
5	30	3	42	5	34	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीसीसीआई के सोर्स ने कहा- अगले एक साल में टी-20 टीम में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे

नई दिल्ली ।
इंग्लैंड से सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद इंडिया की टी-20 स्क्वॉड में बदलाव होगा। सीनियर खिलाड़ी टी-20 टीम से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के सोर्स ने कहा- अगले एक साल में टी-20 टीम में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। रोहित शर्मा, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक और आर अश्विन जैसे खिलाड़ी धीरे-धीरे बाहर हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्र ने कहा- वर्ल्ड कप को देखकर लग रहा है कि टी-20 फॉर्मेट में कार्तिक और अश्विन का आखिरी मैच सेमीफाइनल ही था। उधर, रोहित और कोहली के फ्यूचर का फैसला बोर्ड ने उन पर ही छोड़ दिया है। इस बीच, बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड दौरे पर हेड कोच राहुल द्रविड़ समेत पूरे कोचिंग स्टाफ को रेस्ट पर भेज दिया है। नेशनल क्रिकेट अकादमी के चीफ वीवीएस लक्ष्मण इस दौरे पर हेड कोच होंगे।

मुमकिन है, क्योंकि सेमीफाइनल हार के बाद वो बेहद दुखी नजर आए थे। उन्हें कोच राहुल द्रविड़ ने संभाला। मैच के बाद मीडिया के सामने स्टेटमेंट भी द्रविड़ ने दिया था, रोहित ने नहीं। बीसीसीआई सोर्स ने भी कहा कि बोर्ड ने किसी से भी संन्यास के लिए नहीं कहा है। ये खिलाड़ी का अपना फैसला है। हां, 2023 में अगले 12 महीने में टी-20 का शेड्यूल काफी व्यस्त है। इस दौरान ज्यादातर सीनियर खिलाड़ी वनडे और टेस्ट मैच पर फोकस करेंगे। अगर खिलाड़ी नहीं चाहते तो वे संन्यास का ऐलान नहीं करेंगे। हां, अगले साल ज्यादातर सीनियर खिलाड़ी टी-20 खेलते नहीं दिखाई देंगे। सेमीफाइनल के बाद बोर्ड और टीम में जो हलचल मची है, उनसे जुड़े लोगों पर भरोसा किया जाए तो 2 साल बाद जून 2024 में होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर बदलाव हो सकता है। हार्दिक पंड्या बोर्ड की चॉइस हैं। उन्हें नई टीम के साथ लंबे समय तक कप्तानी सौंपने पर विचार किया जा सकता है। सवाल पर राहुल द्रविड़ ने कहा कि सेमीफाइनल मैच के तुरंत बाद इस पर बात करना जल्दबाजी होगी। ये खिलाड़ी हमारे बेहतरीन परफॉर्मर हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को बाहर करने की सोचना या इस पर बात करने का ये सही वक्त नहीं है। आगे हमारे पास बहुत मैच हैं। भारत अगले वर्ल्ड कप के लिए तैयारी करेगा। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड से मिली करारी हार के बाद पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने बड़ी भविष्यवाणी की है। 73 साल के इस पूर्व भारतीय ओपनर ने कहा- इस हार के बाद टीम इंडिया के कई बड़े खिलाड़ी संन्यास ले सकते हैं और हार्दिक पंड्या को टीम की कमान सौंपी जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार के सरकारी स्कूलों में अब केवल पांच दिन पढ़ाई, नीतीश कुमार ने की तीन बड़े बदलावों की शुरुआत

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों में नवाचार को बढ़ावा देने वाली एक बड़ी पहल शिक्षा विभाग ने शुरू की है। इससे बच्चों का स्कूल के प्रति जुड़ाव बढ़ेगा। अब बिहार के सरकारी स्कूलों में हफ्ते में केवल पांच दिन ही पढ़ाई होगी। सोमवार से शुक्रवार तक पांच दिन ही बच्चों को किताब-कापी लेकर स्कूल आना होगा। शनिवार को बच्चे स्कूल तो आएंगे, लेकिन बिना किताबों वाला बस्ता लिए। शुक्रवार को राजधानी के एसके मेमोरियल हाल में शिक्षा दिवस का आयोजन किया । सीएम नीतीश कुमार, वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी एवं शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पूर्व राज्यपाल फागू चौहान और सीएम नीतीश कुमार ने मौलाना आजाद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीएम ने एप लांच किया। पुस्तक का विमोचन भी किया। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्कूलों में शनिवार को नो बैग योजना का शुभारंभ किया। अब स्कूली बच्चे शनिवार को बिना बैग के स्कूल आएंगे। इस दिन बच्चे केवल खेलेंगे। वहीं मुख्यमंत्री ने स्वच्छ विद्यालय पोर्टल का भी शुभारंभ किया। शिक्षा मंत्री रहे मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती को शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री द्वारा जयंती समारोह में ही बच्चों को पोशाक एवं किताब के लिए भेजी जाने वाली राशि उनके एकाउंट में भेजी गई। साथ ही विद्यालय निरीक्षण एप का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी एवं शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल रहे।
इस वर्ष किसी को नहीं मिला शिक्षा पुरस्कार
इस वर्ष किसी को शिक्षा विभाग की ओर से मौलाना अबुल कलाम शिक्षा पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

संन्यास ले सकते हैं टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी

एडिलेड। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड से मिली करारी हार के बाद पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने बड़ी भविष्यवाणी की है। 73 साल के इस पूर्व भारतीय ओपनर ने कहा- इस हार के बाद टीम इंडिया के कई बड़े खिलाड़ी संन्यास ले सकते हैं एडिलेड में गुरुवार को मिली करारी हार के बाद गावस्कर ने कहा- मुझे टीम इंडिया के लाइनअप में कई बदलाव की उम्मीद है। टीम के कुछ खिलाड़ी 30 से 40 साल के बीच हैं। जो भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में अपने स्थान के बारे में फिर विचार कर रहे होंगे। टीम इंडिया के 10 खिलाड़ी 30 की उम्र पार कर चुके हैं। दिनेश कार्तिक (37 साल) टीम के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। तो अर्शदीप सिंह (23 साल) सबसे युवा हैं। इस पूर्व ओपनर ने आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में भारतीय बैटर्स के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत इन नॉकआउट मैचों में बेहतर नहीं कर पा रहा है। खासकर बल्लेबाजी के साथ और यह बल्लेबाजी ही है जो भारतीय टीम की ताकत रही है। बता दें टीम इंडिया पिछले 9 साल से नॉकआउट मुकाबले हार रही है। उसने आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया को इंग्लैंड ने 10 विकेट से परास्त कर दिया।

जम्मू कश्मीर की मिनी, सब जूनियर बैडमिंटन टीमें चयनित

जम्मू। जम्मू कश्मीर की लड़कों और लड़कियों की मिनी और सब जूनियर टीमों का चयन के बाद जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा स्क्रीनिंग कर ली गई है। स्क्रीनिंग करने वालों में संभगीय खेल अधिकारी अशोक सिंह, प्रबंधक इंडोर स्टेडियम सतीश गुप्ता शामिल थे। मिनी टीम नोएडा जबकि सब जूनियर टीम लखनऊ में आयोजित होने वाली मिनी और सब जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप-2022 में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। अंडर 11 साल की टीम में तनिष्क पिल्लई, हर्ष शर्मा, पावनी अग्रवाल और साइना शर्मा शामिल हैं। अंडर 13 टीम में गोपेश सिंह, शिवांश पनोत्रा, सुहानी शर्मा, गनिया सिंह और दीमाओंद राजपूत शामिल हैं। अंडर 11 की टीम 12 नवंबर 2022 को नोएडा, यूपी के लिए और अंडर 13 टीम 17 नवंबर 2022 को रवाना होगी। इस मौके पर डा. ओ डी शर्मा, उपाध्यक्ष भारतीय बैडमिंटन संघ और अध्यक्ष, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ जम्मू-कश्मीर बलबीर सिंह जम्वाल, महासचिव, जम्मू-कश्मीर बैडमिंटन संघ उपस्थित थे।

एक साल की तैयारी, नतीजा शर्मनाक हार

4 कप्तान और 30 खिलाड़ी बदले...सब एक्सपेरिमेंट फेल

नई दिल्ली ।
सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली हार के बाद भारत टी-20 वर्ल्ड कप 2022 से बाहर हो गया। 169 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने बिना विकेट खोए 170 रन बना लिए। टीम इंडिया एक बार फिर बड़े टूर्नामेंट में चोक कर गई। उन्हें बिना ट्रॉफी जीते ही लौटना पड़ा।

आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में हार के क्या कारण रहे 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में पाकिस्तान से 10 विकेट की हार से लेकर इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड से भी 10 विकेट की हार तक, टीम इंडिया ने कितने एक्सपेरिमेंट किए और बड़े टूर्नामेंट में पिछली ट्रॉफी जीतने के बाद किन-किन टूर्नामेंट ने टीम इंडिया ने अब तक चोक किया।

2021 में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में क्या थे हालात - 17 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021 तक यूएई में पिछले साल का टी-20 वर्ल्ड कप खेला गया। इस टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान ने भारत को हराया। भारत से मिले 152 रन के टारगेट को पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। दूसरे मैच में हम न्यूजीलैंड से हार गए। इसके बाद 3 लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके थे।

2021 वर्ल्ड कप के बाद 30 प्लेयर्स आजमाए - 2021 वर्ल्ड कप के बाद विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा टी-20 समेत तीनों फॉर्मेट में कप्तान बनाए गए। रवि शास्त्री की जगह राहुल द्रविड़ हेड कोच हो गए। 15 नवंबर 2021 से 15 अक्टूबर 2022 तक 11 महीने में टीम इंडिया ने 35 टी-20 मैच खेले। इनमें 29 खिलाड़ियों को आजमाया। 7 ने डेब्यू किया। बाकी सब तो छोड़िए हमने इस दौरान 4 कप्तान भी बदल दिए। इतने एक्सपेरिमेंट के बाद टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम तय हुई। लेकिन, ये टॉप-15 खिलाड़ी मिलकर भी भारत को आईसीसी ट्रॉफी नहीं जिता सके।

पूर्व वर्ल्ड कप में टॉप ऑर्डर फेल रहा - इस वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की

ओपनिंग जोड़ी फ्लॉप रही। कितनी हैरानी की बात है कि 6 मैच में एक भी बार यह जोड़ी 50 रन की पार्टनरशिप नहीं कर सकी। पिछले वर्ल्ड कप के बाद भारत ने ईशान किशन, रितुराज गायकवाड़, संजू सैमसन और दीपक हुड्डा तक से ओपनिंग कराई। लेकिन, आखिर में रोहित और राहुल की जोड़ी पर ही भरोसा किया। ये भी कुछ नहीं कर सके।

प्लेइंग-11 में लेग स्पिनर क्यों नहीं - टी-20 फॉर्मेट में रिस्ट स्पिनर विकेट टेकिंग ऑप्शन माने जाते हैं। भारत ने इस वर्ल्ड कप से पहले 35 मैच में कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई और युजवेंद्र चहल की रिस्ट स्पिन को ट्राई किया। वर्ल्ड कप स्क्वाड में अक्षर पटेल की लेफ्ट आर्म स्पिन, रविचंद्रन अश्विन की ऑफ स्पिन के अलावा चहल की लेग स्पिन गेंदबाजी को चुना भी गया। लेकिन टूर्नामेंट के 6 मैच जब हुए तो प्लेइंग-11 में चहल को मौका ही नहीं मिला। अश्विन और अक्षर को सभी मैच खिलाए गए। अश्विन ने 6 मैच में 6 विकेट तो अक्षर ने 5 मैच में 3 ही विकेट लिए। इसका असर ये हुआ कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में तेज गेंदबाजों पर विकेट लेने का दबाव आया। तेज गेंदबाजों ने पावरप्ले और डेथ ओवर्स में विकेट भी लिए। लेकिन, 7 से 15 ओवर के बीच टीम को विकेट नहीं मिल सके। टीम इंडिया में खिलाड़ी कम, कप्तान ज्यादा टीम इंडिया ने एक ही साल के अंदर टी-20 में 4 और सभी फॉर्मेट में 8 खिलाड़ियों से कप्तानी कराई। टी-20 में रोहित शर्मा के अलावा ऋषभ पंत, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या को भी कप्तानी दी गई। फ्यूचर कैप्टन डेवलप करने के हिसाब से टीम मैनेजमेंट का यह फैसला ठीक था। लेकिन, इस फैसले के चलते वर्ल्ड कप की टीम में पंत, राहुल, पंड्या, रोहित और पूर्व कप्तान विराट कोहली समेत 5 इंटरनेशनल कप्तान खेल रहे थे।

वर्ल्ड कप से पहले के 35 मैचों में भारत ने ईशान किशन, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत और लोकेश राहुल से विकेट कीपिंग कराई। आखिर में टीम ने कार्तिक की फिनिशिंग स्किल्स पर भरोसा जताया। स्क्वाड में पंत को बैकअप कीपर के रूप में रखा गया। राहुल से केवल ओपनिंग कराई गई। कार्तिक ने शुरू के 4 मैच खेले और 14 रन बनाए। पंत ने आखिर के 2 मैच खेले। वह भी इनमें 9 रन ही बना सके। भारत आखिर तक तय नहीं कर पाया कि कीपर के रूप में पंत को खिलाए या कार्तिक को। टीम मैनेजमेंट ने कप्तानों और खिलाड़ियों के ये एक्सपेरिमेंट वर्क लोड को देखते हुए किए। मैनेजमेंट का मानना था कि टीम बहुत ज्यादा मैच खेलती है। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा दबाव न आए, इसलिए ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौके दिए गए। इस मैनेजमेंट के बावजूद वर्ल्ड कप से ठीक पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑल राउंडर रवींद्र जडेजा चोट के चलते टूर्नामेंट नहीं खेल सके। वहीं, डेथ और मिडिल ओवर्स में विकेट लेने के स्पेशलिस्ट माने जाने वाले हर्षल पटेल को टीम ने टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं खिलाया। फिर पता नहीं क्यों टीम ने इतने एक्सपेरिमेंट कर लिए कप्तान रोहित शर्मा का कहना था कि वे वर्ल्ड कप से पहले अपनी बेस्ट टीम खोज रहे हैं। इसलिए उन्होंने कई सारे प्लेयर्स को ट्राई किया। हालांकि, टीम इंडिया आखिर तक एक्सपेरिमेंट ही करते रह गई। टूर्नामेंट निकल गया और हम एक तरह से बिना लड़े हारकर घर वापसी कर रहे हैं। टीम इंडिया ने आखिरी टी-20 वर्ल्ड कप 2007, आखिरी वनडे वर्ल्ड कप 2011 और आखिरी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में जीती।

जर्मनी की टीम घोषित, 17 वर्षीय स्ट्राइकर यूसूफा मुकोको भी होंगे टीम का हिस्सा

बर्लिन।
जर्मनी ने फीफा विश्व कप के लिए टीम की घोषणा कर दी है। डोर्टमंड के 17 वर्षीय स्ट्राइकर यूसूफा मुकोको भी टीम का हिस्सा हैं, जबकि मार्को रेउस और मैट्स हमल्स को शामिल नहीं किया गया है। कतर विश्व कप के लिए कोच हांसी फ्लिक ने 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस सीजन में मुकोको को छह गोल करने और बुंडेसलीगा के 13 मैचों में चार असिस्ट के लिए चुना गया।

मुकोको बुंडेसलीगा करियर के 10 गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में वह लीग में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। रेउस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। डोर्टमंड के कप्तान रेउस सितंबर में टखने में लगी चोट से अब तक नहीं उबर पाए हैं। वहीं, हमल्स भी चोटिल हैं।

गोलकीपरः मैनुअल नेउर, मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन, केविन ट्रैप।

डिफेंडरः थिलो केहरर, डेविड राउम, एंटोनियो रुडिगर, निकलास सुले, मैथियास गिंटर, निको श्लाटरबेक, लुकास क्लोस्टरमैन, क्रिश्चियन गुंटर, अर्मेल बेला कोटचैप

मिडफील्डरः जोशुआ किम्मिच, लियोन गोरेत्जका, जमाल मुसियाला, थामस मुलर, इल्के गुंडोगन, जोनास हाफमैन, मारियो गोत्जे, जूलियन ब्रांट, काई हैवर्ट

फारवडः सर्ज ग्नब्री, लेराय साने, करीम अडेमी , निकलास फुलक्रग, युसूफा मुकोको।

इंग्लैंड के विश्व कप टीम में जेम्स मैडिसन भी शामिल - इंग्लैंड के कोच गैरेथ साउथगेट ने 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम में जेम्स मैडिसन का चयन हैरान करने वाला है। लेसेस्टर के खिलाड़ी ने 2019 में मोंटेनेग्रो के विरुद्ध यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफायर में एक विकल्प के रूप में आने पर अपने देश के लिए केवल एक बार खेला है, लेकिन उन्हें इस सत्र में लेसेस्टर के लिए अच्छे फार्म के लिए पुरस्कृत किया गया है, जिसमें उन्होंने छह गोल किए और चार असिस्ट प्रदान की। टीम में काइल वाकर और कैल्विन फिलिप्स को भी शामिल किया गया है। दोनों की हाल में ही सर्जरी हुई है।

गोलकीपरः जार्डन पिकफोर्ड, निक पोप, आरोन रैम्सडेल

शोएब-सानिया के रिश्ते में आयशा उमर पाकिस्तानी एक्ट्रेस बनी वो बोल्ड फोटोशूट के वक्त आए थे करीब

नई दिल्ली ।
भारतीय टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक सुर्खियों में बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि जल्द ही दोनों तलाक लेने वाले हैं। हालांकि, अभी तक न सानिया मिर्जा की ओर से और न ही शोएब मलिक की तरफ से तलाक की खबरों पर कोई रिएक्शन आया है। लेकिन, दोनों के तलाक से दुखी उनके फैंस इसकी वजह ढूंढने में लग गए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि सानिया मिर्जा औरं शोएब मलिक के अलग होने की वजह पाकिस्तानी अभिनेत्री आयशा उमर हैं।

क्या है दोनों के तलाक की असली वजह - इतना ही नहीं मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि शोएब मलिक ने सानिया मिर्जा को धोखा दिया है। कहा जा रहा है कि सानिया मिर्जा को इस बात की भनक लग गई थी कि शोएब मलिक कथित तौर पर उन्हें धोखा दे रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन, इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही हर किसी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि आखिर आयशा उमर कौन हैं आइए जानते हैं

कौन है आयशा उमर - 12 अक्तूबर, 1981 को पाकिस्तान के लाहौर में जन्मीं आयशा उमर, एक प्रसिद्ध अभिनेत्री और यूट्यूबर हैं। रिपोर्ट्स की माने तो

आयशा उमर, पाकिस्तान की सबसे लोकप्रिय और सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। पाकिस्तानी सीरियल्स का शौक रखने वालों के लिए आयशा अनजान चेहरा नहीं है। आप सभी ने उन्हें पॉपुलर पाकिस्तानी सीरियल जिंदगी गुलजार है में देखा होगा।

फिल्म्स में भी कर चुकी हैं काम - टीवी सीरियल में काम करने के साथ-साथ आयशा उमर ने पाकिस्तानी फिल्मों में भी जलवा बिखेरा है। इतना ही नहीं आयशा ने फिल्म लव में गम और मैं हूं शाहिद अफरीदी में आइटम नंबर भी किए थे। बता दें कि आयशा की ये दोनों ही फिल्में हिट हुई थीं। इसके बाद उन्होंने साल 2017 में आई फिल्म यलगार में अभिनय किया था। इसके बाद अभिनेत्री को फिल्म सात दिन मोहब्बत इन में भी देखा गया था। इसके अलावा आयशा साल 2018 में हुए न्यूयॉर्क फैशन वीक में भी पाकिस्तान को रेप्रिजेन्ट कर चुकी हैं।

भारत के जख्मों पर पाकिस्तानी नमक: राजा बोले- अरबो डॉलर की लीग के क्रिकेटर्स पिछड़े, अख्तर ने कहा- भारत के पास कोई एक्सप्रेस फास्ट बॉलर नहीं

एडिलेड।
टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद पाकिस्तानी बहुत खुश हैं। वे भारतीय फैंस को अपने बयानों से चिढ़ा रहे हैं। शुक्रवार को पीसीबी चीफ रमीज राजा और शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों पर तंज कसा है। भारत-पाक फाइनल नहीं होने के सवाल पर राजा ने कहा है- अरबों डॉलर की लीग के क्रिकेटर्स वाली टीम पीछे रह गई और पाकिस्तान आगे निकल गया है। 60 साल के इस पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर कहा- लोगों ने खुद टीम पर शक किया है और इस विश्व कप ने दिखाया कि आपको ये क्यों नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा- हम खुद पर संदेह करते रहते हैं। आप देखें वर्ल्ड क्रिकेट कितने पीछे रह गई है और पाकिस्तान कितना आगे निकला है। इस वर्ल्ड कप में कि बिलियन-डॉलर की इंडस्ट्री

वाले टीमें पीछे रह गई हैं और हम जो है वो ऊपर निकल गए हैं। तो कही चीज तो ठीक कर रहे हैं न हम। तो उसका आप एन्जॉय भी करें और रिस्पेक्ट भी। भारत की हार पर दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा- इंडिया की शर्मनाक हार...इंडिया बहुत गंदा खेली। वे हारना डिसर्व करते थे। बड़े गंदे तरीके से हारे हैं। पारी विकेट लेस रहा है। भारत की बॉलिंग पूरी तरह से एक्सोज हुई है। उनके पास कंडीशनल फास्ट बॉलर हैं। कंडीशन अच्छी हो तो बॉलिंग करते हैं...नहीं तो नहीं। उनके पास कोई एक्सप्रेस फास्ट बॉलर नहीं है। इंडिया की कन्फ्यूजिंग सिलेक्शन है। हम मिलना चाह रहे थे मेलबर्न में अब ऐसा नहीं हो सकता।

इस हार पर टीम इंडिया के बल्लेबाज विराट कोहली ने इमोशनल पोस्ट लिखी है। कोहली ने लिखा- हम अपने दिल में सपनों को पूरा नहीं कर पाने की निराशा लिए ऑस्ट्रेलिया के तट छोड़ रहे हैं। लेकिन, एक टीम के तौर पर हम यहां से ढेरों यादें लेकर जा रहे हैं। अब यहां से बेहतर करने का लक्ष्य है। 13 नवंबर को मेलबर्न में पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इस मुकाबले में बाबर और रिजवान ने कमाल की पारियां खेलीं। टीम के तेज गेंदबाजों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। एडिलेड में गुरुवार को टीम इंडिया को इंग्लैंड के हाथ 10 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी है। इंग्लिश ओपनर्स ने भारतीय के 169 के टारगेट को बगैर विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। वर्ल्ड कप में अपने पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया था। मेलबर्न में पाकिस्तान ने 159 रन बनाए और भारतीय टीम ने छह विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। उस मुकाबले में विराट कोहली ने 53 गेंद में नाबाद 82 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी।

व्यक्तिगत रिकार्ड से ज्यादा टीम के लिए ट्राफी जीतना अहम : नेमार

नई दिल्ली ।
ब्राजील के स्टार फारवर्ड नेमार जूनियर 2014 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में कोलंबिया के विरुद्ध चोटिल हो गए थे। वहीं 2018 में रूस में खेले गए विश्व कप में उन्होंने चोट से उबरकर टीम में वापसी की थी, लेकिन इस महीने से कतर में होने वाले विश्व कप से पहले नेमार पूरी तरह फिट हैं और सभी को उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। ब्राजील के विश्व कप अभियान को लेकर नेमार का विशेष साक्षात्कार। यह तो दिसंबर में पता चलेगा कि कौन ट्राफी जीतेगा, लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि हमारी टीम के सभी खिलाड़ी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने को तैयार हैं। ब्राजील टीम हमेशा ही मैदान पर बस जीतने के इरादे से उतरती है और यह कभी नहीं बदलेगा।आपके पास ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने का मौका है। महान फुटबालर पेले का यह रिकार्ड तोड़ना कितना अहम होगा मैं रिकार्ड बनाने से ज्यादा टीम के लिए ट्राफी जीतना चाहता हूं। विश्व कप कभी भी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं हो सकता। हम ब्राजील के लिए खेलते हैं और टीम की जीत सबसे ज्यादा मायने रखती है। पेले के बारे में मैं बस इतना कह सकता हूं

कि वे हमारे लिए फुटबाल हैं, उससे कम कुछ नहीं। जब हम राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हैं तो हमें कई मौके मिलते हैं। ऐसा हो कि मैं उनसे ज्यादा गोल करूं, लेकिन यह ज्यादा जरूरी नहीं। पेले ने जो किया है, वह अभूतपूर्व है। वह फुटबाल के किंग हैं। आप उनसे ज्यादा मैच खेल सकते हो, ज्यादा गोल कर सकते हो, लेकिन उन्होंने ब्राजीलियाई फुटबाल को ऊंचाई तक पहुंचाया है।

इस समय क्लब फुटबाल सत्र अपने चरम पर है। ऐसे में विश्व कप में खेलना कितना मुश्किल होगा कतर में आप जून-जुलाई में विश्व कप नहीं करा सकते। जब कतर को इसकी मेजबानी दी गई थी, तभी से हमें पता था कि यह नवंबर-दिसंबर में खेला जाएगा। मौजूदा समय में सभी फुटबालर अपने-अपने क्लबों के लिए खेलने में व्यस्त हैं, लिहाजा राष्ट्रीय टीम के लिए हमें ज्यादा समय नहीं मिलेगा, लेकिन अगर देखें तो सभी खिलाड़ी लगातार मैच खेल रहे हैं, हमें बस क्लब मैचों की फार्म को विश्व कप में बरकरार रखना होगा।

यह सच है कि हमें टूर्नामेंट से पहले ज्यादा समय नहीं मिलेगा। लेकिन यह बात सभी टीमों पर लागू होती है। अगर विश्व कप जून-जुलाई में होता तो हमें दो सप्ताह का समय मिलता क्योंकि तब तक क्लब सत्र खत्म हो चुका होता है।

ग्रुप चरण में आपका सामना सर्बिया, स्विट्जरलैंड और कैमरून से होगा। ग्रुप को आप कितना कठिन मानते हैं विश्व कप में सभी मैच कठिन होते हैं। हमें इन टीमों के खिलाफ सिर्फ विश्व कप में खेलने का मौका मिलता है और यही इस टूर्नामेंट की खूबसूरती है।

2006 में फ्रांस, 2010 में नीदरलैंड्स, 2014 में जर्मनी और 2018 में बेल्जियम। बीते चार विश्व कप में ब्राजील को नाकआउट मुकाबलों में यूरोपीय टीमों ने हराया है। यूरोपीय टीम के खिलाफ क्या कमी रहा जाती है ऐसा होता है, लेकिन हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ बेहतर खेल दिखाना होगा। 2014 में जर्मनी के विरुद्ध सेमीफाइनल मुकाबले को छोड़ दें तो हमने बाकी तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। कई मौके बनाने के बावजूद हम गोल नहीं कर सके थे। मौके बनाना और उन्हें गोल में तब्दील करना दोनों अलग हैं। यही कारण है कि हम तीन बार विश्व कप से बाहर हुए। हम सुनिश्चित करेंगे कि इस बार टीम ये गलतियां न दोहराए। निश्चिततौर पर यह काफी मदद करेगा। जब कोच लंबे समय से टीम रहते हैं तो उन्हें टीम के साथ प्रयोग करने का काफी समय मिलता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि टीम में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाएं, जो उनकी शैली में ढल सकें। इस समय हमारे पास एक शानदार टीम हैं। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। एक कोच जानता है कि उसे अपने खिलाड़ियों से क्या चाहिए।

पूजा-पाठ में क्यों होता है तांबे के बर्तनों का ज्यादा इस्तेमाल

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा पाठ में पीतल के अलावा तांबा के बर्तनों का इस्तेमाल करना सबसे शुभ माना जाता है। तांबे के लोटे से ही भगवान सूर्य को अर्घ्य करने से सभी कामनाएं पूर्ण हो जाती है। बता दें कि तांबा पूरी तरह से शुद्ध होता। इसे बनाने में किसी भी दूसरी धातु का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर पूजा के दौरान तांबा के बर्तनों का इस्तेमाल करना इतना शुभ क्यों माना जाता है। वैज्ञानिक शोधों के अनुसार तांबा स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा माना जाता है। क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरिया जैसे तत्व पाए जाते हैं जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। रोजाना तांबे के बर्तन का पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से बचाव हो जाता है। तांबा में किसी भी तरह की धातु की मिलावट नहीं की जाती है। जिसके कारण यह धातु पूर्ण रूप से शुद्ध होती है। इसके अलावा तांबे के बर्तन इस्तेमाल करने से कुंडली में सूर्य, चंद्रमा और मंगल की स्थिति मजबूत होती है। इसके साथ ही पूजा के बाद इसमें मौजूद जल का पूरे घर में छिड़काव किया जाता है, जिससे कि नकारात्मक ऊर्जा निकल जाती है। तांबे की धातु को लेकर एक पौराणिक कथा काफी प्रचलित है। इसके अनुसार प्राचीन काल में गुडाकेश नाम का एक राक्षस था। लेकिन वह भगवान विष्णु का बहुत बड़ा भक्त था। एक बार गुडाकेश ने भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। लंबे समय तक तपस्या करने के बाद भगवान विष्णु प्रसन्न हुए और उससे वरदान मांगने को कहा। तब राक्षस ने कहा कि मेरी मृत्यु आपके सुदर्शन चक्र से हो। इसके साथ ही मेरा शरीर तांबे का हो जाए और इस धातु का इस्तेमाल आपकी पूजा के लिए किया। ऐसे में भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से राक्षस के कई कई टुकड़े कर दिए। गुडाकेश की मांस से तांबे की धातु का निर्माण हुआ। इसी कारण भगवान विष्णु की पूजा के लिए तांबे से बनी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है।

युवाओं में अचानक क्यों बढ़ रहे हैं दिल के दौरे के मामले ?

हिंदी टीवी स्टार, सिद्धांत वीर सूर्यवंशी ने शुक्रवार 11 नवंबर को इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वे सिर्फ 46 साल के थे। रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत जिम में वर्कआउट कर रहे थे, और अचानक बेहोश हो गए। ऐसा बताया जा रहा है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। पिछले कुछ समय से वर्कआउट के दौरान दिल का दौरा या कार्डियेक अरेस्ट के कई मामले देखने को मिले हैं। जिसमें एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला, कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव, भाभी जी घर पर हैं सीरियल के मलखान यानी दीपेश भान और साउथ के एक्टर पुनीत राजकुमार की भी वर्कआउट के बाद दिल का दौरा पड़ने मौत हुए थी। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि युवाओं में दिल के दौरे और कार्डियेक अरेस्ट के क्या कारण हैं। ऐसे कई कारण हैं, जो युवाओं में दिल के दौरे की वजह बन सकते हैं। इनमें से एक है हाइपरटेंशन, जो जीवन में जरूरत से ज्यादा तनाव और दबाव के कारण हो सकता है। दूसरी वजह हो सकती है ज्यादा वजन और मोटापा, जंक फूड का सेवन और कम फिजीकल एक्टिविटी। स्मोक करना भी सीधे दिल को प्रभावित करता है। इससे कार्डियेक अरेस्ट भी हो सकता है। कम उम्र में जिन लोगों को अचानक दिल का दौरा या फिर कार्डियेक अरेस्ट आता है, उससे पहले अक्सर कई लक्षण भी दिखते हैं, जिन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनमें अचानक बेहोश हो जाना, दिल की धड़कनों का सही न होना, परिवार में दिल की बीमारी का इतिहास होना, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को इग्नोर करना शामिल है। कई बार परिवार में अचानक आए कार्डियेक अरेस्ट के मामलों की गहराई में जाना जरूरी होता है, ताकि दूसरे सदस्य सचेत रहें। गुप्त दिल की समस्या के कारण शारीरिक गतिविधि के दौरान एक युवा व्यक्ति की अचानक मृत्यु हो सकती है। जिसमें स्पोर्ट्स एक्टिविटी, जिम में एक्सरसाइज, परफॉर्मिंग आर्ट्स शामिल हैं। हालांकि, कई बार बिना ज्यादा काम किए भी कार्डियेक अरेस्ट आ सकता है। इसलिए तनाव का मैनेजमेंट भी जरूरी है।

स्किन सीरम खरीदते समय बेसिक बातों को रखें ध्यान

सीरम स्किन के लिए बहुत ही अच्छे होते हैं। यह स्किन के भीतर तक जाकर काम करते हैं। आपको अगर स्किन प्रॉब्लम्स बहुत ज्यादा होती है, तो आप टोनिंग के बाद सीरम का इस्तेमाल जरूर करें। स्किन सीरम का रेग्युलर इस्तेमाल करने कई स्किन प्रॉब्लम्स जैसे पिंपल्स, एक्ने, ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स, एजिंग, ओपन पोर्स जैसी कई प्रॉब्लम्स दूर रहती हैं लेकिन आपको कोई भी सीरम स्किन पर इस्तेमाल करने से पहले कई बातों का ध्यान रखना चाहिए।

अपने स्किन पैटर्न का ध्यान रखें : आप अपना स्किन पैटर्न बिना जानें कभी भी स्किन सीरम का इस्तेमाल न करें। आपकी स्किन अगर ऑयली है, तो आपको ऑयली स्किन के लिए फ्रेंडली सीरम का यूज करना चाहिए। वहीं, अगर आपकी स्किन ड्राय है, तो आपको ड्राय स्किन फ्रेंडली सीरम का इस्तेमाल करना चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम्स की सही जानकारी : आपको अगर अपनी स्किन प्रॉब्लम्स की सही जानकारी होगी कि तो आप इसके हिसाब से सीरम चुन सकते हैं। जैसे, अगर आपको ओपन पोर्स की प्रॉब्लम है, तो ऐसे सीरम को चुनें, तो इस प्रॉब्लम पर काम करते हों।

अपनी उम्र का भी ध्यान रखें : सीरम चुनते वक्त आपको अपनी उम्र का भी ख्याल रखना चाहिए। जैसे, उम्र बढ़ने के साथ कई स्किन प्रॉब्लम्स भी बढ़ जाती हैं इसलिए एंटी एजिंग सीरम का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं, कम उम्र के लिए एंटी पिंपल्स सीरम अच्छे रहते हैं।

हॉर्स केमिकल्स न हो : वैसे तो सीरम में कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन कुछ केमिकल्स ऐसे होते हैं, जिनका लॉन्ग टर्म इस्तेमाल करने से आपको कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, ऐसे में किसी भी हॉर्स केमिकल वाले सीरम न खरीदें।

वेट लॉस के लिए रेग्युलर नहीं, तो सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर खाएं ये चीजें

जैसा कि सभी लोग जानते हैं कि वेट लॉस करना एक लंबा प्रोसेस है, जो एक दिन में नहीं हो सकता। वेट लॉस करने के लिए आपको कई बातों का ख्याल रखना होता है। आपकी छोटी-छोटी आदतें भी वेट लॉस के लिए जिम्मेदार होती हैं। रोजाना की डाइट ही नहीं, बल्कि आप सप्ताह में क्या खाते हैं, जिसका भी आपके वेट लॉस प्रोसेस पर काफी असर पड़ता है। कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें आप रोज नहीं भी खाएं, तो भी आपका वेट लॉस हो सकता है। रोजाना की जगह आपको इन चीजों को सप्ताह में एक बार खाना है।

अंडे : अंडे की जर्दी में कोलीन और विटामिन डी जैसे तत्व पाए जाते हैं और अंडे की सफेदी में 4-6 ग्राम प्रोटीन होता है। ऐसे में आपको सप्ताह में कम से कम दो अंडे जरूर खाने चाहिए।

दही : दही कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर होता है। आपको अगर डाइजेशन की प्रॉब्लम रहती है, तो आप दही को डाइट में शामिल कर सकते हैं। दही को कम से कम दो से तीन बार तो जरूर ही खाएं।

मछली : मछली में हाई प्रोटीन होता है। आप अगर नॉनवेज खाना पसंद करते हैं, तो आपको सप्ताह में एक बार मछली जरूर खानी चाहिए। इसमें प्रोटीन के अलावा भी बहुत से विटामिन्स होते हैं।

चिया सीड्स : चिया सीड्स वजन घटाने के लिए सबसे कारगर है क्योंकि यह फाइबर से भरपूर होता है। चिया सीड्स फाइबर में फाइबर की इतनी मात्रा होती है कि आप सप्ताह में दो चम्मच चिया सीड्स डाइट में शामिल करके भी बहुत फायदे पा सकते हैं।

जानिए, किन लोगों को नहीं करना चाहिए मखाने का सेवन

मखाने में आयरन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, प्रोटीन और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, मखाने खाने के नुकसान भी हैं। इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कि किन लोगों के लिए मखाने का सेवन हानिकारक साबित हो सकता है।

किडनी स्टोन की समस्या : अगर आपको किडनी स्टोन की समस्या है, तो मखाना खाने से परहेज करें। दरअसल इसमें कैल्शियम की मात्रा ज्यादा होती है, और इसके सेवन से शरीर में स्टोन का आकार बढ़ सकता है।

एलर्जी की समस्या : अधिक मात्रा में मखाना खाने से आपको एलर्जी की समस्या हो सकती है। इसमें स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है और आप ज्यादा मखाना खाते हैं, तो बॉडी में स्टार्च की मात्रा बढ़ेगी और एलर्जी हो सकती है।

दस्त की दिक्कत : अगर आपको दस्त और डायरिया की समस्या है, तो मखाना खाने से परहेज करें। मखाना में पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है, जिसे खाने से ये समस्या और भी बढ़ सकती है।

एसिडिटी की समस्या : जिन लोगों को एसिडीटी की समस्या होती है, उन्हें मखाने का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल मखाना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है। इसे खाने से गैस की दिक्कत हो सकती है।

- अगर आप दवाईयों का सेवन करते हैं, तो मखाना खाने से बचें। इससे दवाईयों का असर कम हो सकता है और आपकी बीमारी बढ़ सकती है, मखाना सेवन करने से पहले डॉक्टर से जरूर सलाह लें।
- गर्भवती महिलाओं को मखाने खाने से परहेज करना चाहिए। इससे आपके होने वाले बच्चे को नुकसान हो सकता है। मखाने का सेवन करने से पहले डॉक्टर से राय ले सकते हैं।
- अगर आप कोल्ड से परेशान हैं, तो मखाने का सेवन करने से परहेज करें। इससे आपकी सेहत ज्यादा बिगड़ सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**